1965 के युद्ध में शास्त्री ने निर्णायक नेतृत्व प्रदान किया
- 12

भारत की साख रेटिंग बढ़ाकर बीबीबी+ की
- 12

गाजा में युद्धविराम के 15 में से 14 वोट, जवाब में अमेरिका का वीटो
- 13

विश्व चैंपियनशिप पदक चूकने से निराश सचिन यादव
- 14

आज का मौसम

33.0⁰ अधिकतम तापमान

25.0⁰ न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.00

सूर्यास्त 06.11

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

आश्विन कृष्ण पक्ष चतुर्दशी 12:17 उपरांत अमावस्या विक्रम संवत 2082

शनिवार, 20 सितंबर 2025, वर्ष 6, अंक 301, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

टेक्नोलॉजी रोजगार नहीं छीनती पैदा करती है अवसर : मुख्यमंत्री

गाजियाबाद में युवाओं से योगी का आह्वान- एआई व नई टेक्नोलॉजी को अपनाएं

- कहा, वित्तीय वर्ष 2025-26 में ही यूपी को बनाएंगे 36 लाख करोड़ की अर्थव्यवस्था

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/गाजियाबाद

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने युवाओं से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और डिजिटल टेक्नोलॉजी को अपनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि टेक्नोलॉजी रोजगार छीनती नहीं बल्कि नए अवसर पैदा करती है। जिस तरह कंप्यूटर आने पर नई संभावनाएं बनीं, उसी तरह एआई भी कृषि, शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र में नई दिशा देगा। किसान यदि तकनीक अपनाएंगे तो उनकी उत्पादकता तीन गुना तक बढ़ सकती है।

गाजियाबाद में शुक्रवार को पूर्व सांसद रमेश चंद्र तोमर की पुस्तक भारतवर्ष की स्वर्णाभा नरेन्द्र मोदी का विमोचन करने के मौके पर उन्होंने विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश के संकल्प को आगे बढ़ाने और युवाओं को तकनीक से जुड़ने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पुस्तक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अब तक की उपलब्धियों को संजोने वाली प्रेरणादायी कृति है। उन्होंने सुझाव दिया कि इसे विश्वविद्यालयों, कॉलेजों और पुस्तकालयों में रखा जाए ताकि नई पीढ़ी प्रेरणा ले सके। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत आज दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और जल्द ही तीसरे स्थान पर पहुंचने वाला है। उत्तर प्रदेश भी तेजी से विकास की ओर अग्रसर है। 2017 से पहले यूपी को बीमारू राज्य कहा जाता था, लेकिन आज यह देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। 2016-17 में यूपी की जीडीपी 12.75 लाख करोड़ रुपये थी, जिसे 2025-26 में ही 36 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचाने का लक्ष्य है।

गाजियाबाद में पूर्व सांसद रमेश चंद्र तोमर की पुस्तक भारतवर्ष की स्वर्णाभा नरेन्द्र मोदी के विमोचन समारोह को संबोधित करते मुख्यमंत्री योगी।

लोगों ने कहा भूत है, फिर भी मैं रात में रुका...

मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 से पहले गाजियाबाद की पहचान गंदगी और गैंगस्टर से जुड़ी थी। गौतमबुद्ध नगर को अफवाह फैलाकर लूट का अड्डा बना दिया गया था। कहा जाता था कि कोई मुख्यमंत्री यहां नहीं आ सकता, आएगा तो कुर्सी चली जाएगी। बिजनौर और आगरा के लिए भी बना दी गई थी। डर और अफवाहें फैला दी गई थीं। मैं बिजनौर में रात में रुका, आगरा के कथित भूतिया सर्किट हाउस में ठहरा और नोएडा भी गया। जनता ने दोबारा आशीर्वाद देकर मुझे मुख्यमंत्री बनाया। अफवाहें फैलाने वालों की सच्चाई जनता के सामने आनी जरूरी थी।

परखीं अंतर्राष्ट्रीय ट्रेड शो की तैयारियां

लखनऊ/ग्रेटर नोएडा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 25 से 29 सितंबर के बीच ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो मार्ट में आयोजित होने वाले यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआईटीएस 2025) की तैयारियों का जायजा लेने के लिए शुक्रवार को स्थलीय निरीक्षण भी किया। मुख्यमंत्री ने ई कार्ट में बैठकर आयोजन स्थल को देखा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस आयोजन का शुभारंभ करेंगे। इसको देखते हुए मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से तैयारियों के विषय में जानकारी ली और जरूरी निर्देश भी दिए।

भारत-ईयू एफटीए के लिए यूनान का समर्थन

नई दिल्ली, एजेंसी

- प्रधानमंत्री मोदी से यूनानी समकक्ष ने फोन पर की बात
- दोनों देशों के बीच संबंधों की मजबूती पर जताई प्रतिबद्धता

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से शुक्रवार को यूनानी प्रधानमंत्री काइरियाकोस मित्सोताकिस ने फोन पर बात की और उन्हें पारस्परिक रूप से लाभकारी भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को शीघ्र पूरा करने के लिए यूनान के समर्थन से अवगत कराया। दोनों प्रधानमंत्रियों के बीच फोन पर बातचीत के दौरान यह मुद्दा उठा। मोदी और मित्सोताकिस ने भारत तथा यूनान के बीच द्विपक्षीय संबंधों, विशेषकर व्यापार, निवेश और रक्षा के क्षेत्रों में संबंधों का भी जायजा लिया।

भारत की ओर से जारी बयान के अनुसार, दोनों नेताओं ने व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी, नौवहन, रक्षा, सुरक्षा, संपर्क और लोगों के बीच रिश्तों जैसे क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों में विकास का स्वागत किया तथा भारत-यूनान रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। इसमें कहा गया कि मित्सोताकिस ने पारस्परिक रूप से लाभकारी भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते को शीघ्र पूरा करने और 2026 में भारत द्वारा आयोजित किए जाने वाले एआई इम्पैक्ट शिखर सम्मेलन की सफलता के लिए यूनान के समर्थन से अवगत कराया। फोन यूनानी नेता की ओर से किया गया।

भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच मुक्त व्यापार समझौते के लिए 13वें दौर की वार्ता पिछले सप्ताह नई दिल्ली में आयोजित हुई। यूरोपीय संघ भारत का सबसे बड़ा व्यापार साझेदार है और दोनों देशों के बीच वित्त वर्ष 2023-24 में द्विपक्षीय व्यापार 135 अरब अमेरिकी डॉलर का रहा। दोनों पक्षों ने पहले ही 11 अध्यायों पर बातचीत पूरी कर ली है, जिनमें सीमा शुल्क और व्यापार सुविधा, विवाद निपटान, डिजिटल व्यापार, टिकाऊ खाद्य प्रणाली, लघु और मध्यम आकार के उद्यम, प्रतिस्पर्धा तथा सब्सिडी और पूंजीगत आवाजाही शामिल हैं।

ब्रीफ न्यूज

फर्जी नौकरी गिरोह का मास्टरमाइंड गिरफ्तार

नई दिल्ली। वियतनाम में फर्जी नौकरी गिरोह चलाने वाले ठगों के साथ जुड़े दो लोगों को दिल्ली के एक व्यक्ति से 3.12 लाख रुपये की ठगी के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। यह गिरोह ऑस्ट्रेलिया और कनाडा में नौकरी की तलाश कर रहे भारतीयों को निशाना बनाता था। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि उत्तर प्रदेश में 1,000 किलोमीटर तक का क्षेत्र कवर करने के बाद तीन दिनों तक चली छापेमारी में गिरोह के मास्टरमाइंड सहदेव सिंह (37) और उसके सहयोगी नीरज (37) को एटा से पकड़ा गया। पूछताछ के दौरान सिंह ने खुलासा किया कि वियतनाम में गिरोह चलाने वालों के साथ काम किया था।

शरजील, उमर की बेल पर सुनवाई स्थगित

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने 2020 के दिल्ली दंगों के मामले में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र शरजील इमाम, उमर खालिद और अन्य की जमानत याचिकाओं पर सुनवाई 22 सितंबर के लिए स्थगित कर दी है। न्यायमूर्ति अरविंद कुमार की अध्यक्षता वाली पीठ ने याचिकाओं पर सुनवाई शुक्रवार को स्थगित कर दी। याचिकाकर्ताओं ने दिल्ली उच्च न्यायालय के दो सितंबर 2025 के संबंधित आदेश को चुनौती दी है, जिसमें जमानत मंजूर करने से इनकार कर दिया गया था।

सोलर विलेज धोरडो का मोदी करेंगे लोकार्पण

गांधी नगर। संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन द्वारा श्रेष्ठ पर्यटन गांव के रूप में गुजरात में प्रतिष्ठित कच्छ के धोरडो गांव का सौ प्रतिशत सौरीकरण (सोलराइजेशन) किया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को भावनगर में आयोजित समुद्र से समृद्धि कार्यक्रम अंतर्गत इसका लोकार्पण करेंगे। मेहसाणा के मोढेरा, खेडा के सुखी तथा बनासकांठा के मसाली के बाद धोरडो राज्य का चौथा सोलर विलेज बना है।

पहला मानवयुक्त मिशन 2027 में निर्धारित

बेंगलुरु। भारत का गगनयान कार्यक्रम तेजी से आगे बढ़ रहा है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष में भेजना और उन्हें सुरक्षित वापस पृथ्वी पर लाना है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष वी नारायणन ने शुक्रवार को घोषणा की कि भारत का पहला मानवयुक्त मिशन 2027 की अंतिम तिमाही में निर्धारित है। बेंगलुरु में हाइड्रोजन फ्यूल नेशनल वर्कशॉप के उद्घाटन के दौरान मीडिया के बात करते हुए कहा कि इस प्रोग्राम से जुड़े लगभग 80 से 85 प्रतिशत कार्य पहले ही कर लिए गए हैं। कहा कि पहला मानवरहित मिशन इस साल दिसंबर में निर्धारित है।

474 और दलों को सूची से किया बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी

- निर्वाचन आयोग ने छह वर्षों से चुनाव न लड़ने पर की कार्रवाई
- दो महीने में कुल 808 राजनीतिक दलों को सूची से हटाया

निर्वाचन आयोग (ईसी) ने शुक्रवार को कहा कि उसने पिछले छह वर्षों में चुनाव न लड़ने सहित अन्य मानदंडों का उल्लंघन करने के कारण 474 और पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को सूची से हटा दिया है।

इस प्रक्रिया के पहले चरण में, निर्वाचन आयोग ने नौ अगस्त को 334 पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों (आरयूपीपी) को सूची से हटा दिया था। बयान में कहा गया है कि इसी क्रम में, दूसरे चरण में, निर्वाचन आयोग ने 18 सितंबर को 474 आरयूपीपी को सूची से हटा दिया। यह सूची निर्वाचन आयोग द्वारा लगातार छह वर्षों तक आयोजित चुनावों में भाग न लेने के आधार पर बनाई गई।

इस प्रकार, पिछले दो महीनों में 808 आरयूपीपी को सूची से हटा दिया गया है। हाल तक 2,520 आरयूपीपी थे। सूची से बाहर करने की प्रक्रिया के बाद, 2,046 आरयूपीपी बचे हैं। इसके अलावा, छह मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय दल और 67 राज्य स्तरीय दल हैं।

चारधाम यात्रा के लिए हेली सेवा फिर से शुरू

देहरादून। चारधाम यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए राहत भरी खबर है। मानसूनी बारिश कम होने और मौसम साफ होने के बाद नागर विमानन महानिदेशालय ने हेलीकॉप्टर सेवाओं को फिर से शुरू करने की अनुमति दे दी है। नागर विमानन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक में तय किया गया कि यात्रा को सुरक्षित बनाने के लिए विशेष कदम उठाए जाएंगे। डीजीसीए ने 13 से 16 सितंबर तक तैयारियों का आकलन किया।

एआई से होगी अभ्यर्थियों की पहचान

नई दिल्ली, एजेंसी

- यूपीएससी ने किया एआई युक्त सत्यापन तकनीक का परीक्षण
- संघ लोक सेवा आयोग की आगामी परीक्षाओं में इस्तेमाल की तैयारी

संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) के अध्यक्ष अजय कुमार ने शुक्रवार को बताया कि उम्मीदवारों के त्वरित और सुरक्षित सत्यापन के वास्ते कृत्रिम मेधा (एआई) युक्त चेहरे की पहचान करने वाली प्रौद्योगिकी का परीक्षण करने के लिए एक प्रायोगिक कार्यक्रम सफलतापूर्वक संचालित किया गया है। राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस प्रभाग (एनईजीडी) के साथ साझेदारी से विकसित इस पहल का उद्देश्य परीक्षा प्रक्रिया की शुचिता को मजबूत करना और परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों के प्रवेश को बेहतर बनाना है।

कुमार ने कहा कि यूपीएससी आगे चलकर सिविल सेवा परीक्षाओं सहित अपनी सभी परीक्षाओं में उम्मीदवारों के लिए चेहरे की पहचान करने वाली तकनीक का उपयोग करने की योजना बना रहा है। आयोग विभिन्न भर्ती परीक्षाएं आयोजित करता है। कुमार ने बताया कि वाई-फाई की उपलब्धता और चेहरे की पहचान में शामिल कर्मियों के लिए प्रशिक्षण जैसी रसद व्यवस्थाएं प्रमुख विचारणीय बिंदु हैं।

इस संबंध में आवश्यक मानक संचालन प्रक्रियाएं (एसओपी) विकसित की जा रही हैं। 14 सितंबर को आयोजित एनडीए, एनए और सीडीएस परीक्षा के दौरान यह प्रयोगिक परीक्षण किया गया।

डूसू चुनाव : एबीवीपी के आर्यन मान बने अध्यक्ष

नई दिल्ली, एजेंसी

- एबीवीपी तीन, एनएसयूआई को एक पद पर मिली जीत

दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) चुनाव में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से संबद्ध अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने अध्यक्ष सहित तीन पदों पर जीत हासिल की जबकि कांग्रेस समर्थित एनएसयूआई को केवल एक पद से ही संतोष करना पड़ा।

एबीवीपी के आर्यन मान ने एनएसयूआई की जोसलिन नंदिता चौधरी को 16,196 मतों के अंतर से हराकर अध्यक्ष पद पर जीत हासिल की। एनएसयूआई के राहुल झांसला (29,339 मत) ने एबीवीपी के गोविंद तंवर (20,547 मत) को हराकर उपाध्यक्ष पद पर जीत हासिल की। एबीवीपी के कुणाल चौधरी ने 23,779 मत प्राप्त कर एनएसयूआई के कबीर को हराकर सचिव पद पर जीत हासिल की। एबीवीपी की दीपिका झा ने लवकुश भड़ाना को हराकर संयुक्त सचिव पद पर जीत हासिल की।

उपहार का सम्मान

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को अपने आधिकारिक आवास पर कदम्ब का एक पौधा रोपा, जो उनके 75वें जन्मदिन पर ब्रिटेन के महाराजा चार्ल्स तृतीय की ओर से उपहार में मिला था जो मोदी की एक पेड़ मां के नाम पहल से प्रेरित है।

असम के लोकप्रिय गायक जुबिन गर्ग का निधन

गुवाहाटी, एजेंसी

- सिंगापुर में स्कूबा डाइविंग के दौरान हुआ हादसा
- गैंगस्टर सहित कई बॉलीवुड फिल्मों में गाए थे गाने

...या अली और जाने क्या चाहे मन बावरा... जैसे प्रसिद्ध बॉलीवुड गानों को अपनी आवाज देने वाले और युवा दिलों की धड़कन जुबिन गर्ग की शुक्रवार को सिंगापुर में स्कूबा डाइविंग के दौरान मौत हो गई।

दक्षिण-पूर्वी एशियाई देश सिंगापुर में एक महोत्सव के आयोजकों ने यह जानकारी दी। वह 52 वर्ष के थे और उनके परिवार में उनकी पत्नी हैं। स्कूबा डाइविंग के दौरान गर्ग को चोटें आईं और उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां आईसीयू में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। वह तीन दिवसीय नॉर्थ ईस्ट फेस्टिवल में भाग लेने के लिए सिंगापुर गए थे। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि यह बहुत दुखद है और राज्य तथा राष्ट्र के लिए बहुत बड़ी क्षति है।

पतंजलि ने दी विज्ञापन के प्रसारण पर रोक को चुनौती

नई दिल्ली, एजेंसी

डाबर च्यवनप्राश मामला

- हाईकोर्ट ने चेताया, अपील बेकार लगी तो लगाएंगे जुर्माना

पतंजलि आयुर्वेद ने शुक्रवार को दिल्ली उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाकर उस आदेश को चुनौती दी जिसमें उसे डाबर च्यवनप्राश के खिलाफ अपमानजनक विज्ञापन प्रसारित करने से रोक दिया गया था।

शुरुआत में, न्यायमूर्ति सी हरिशंकर और ओम प्रकाश शुक्ला की पीठ ने मौखिक रूप से कहा कि यह सामान्य अपमान का मामला है और पतंजलि द्वारा दिए गए बयान प्रतिवादी डाबर के लिए एक स्पष्ट संदर्भ हैं। उच्च न्यायालय ने पतंजलि को चेतावनी दी कि यदि उसे यह बेकार अपील लगी तो वह उस पर जुर्माना लगाएगा। पीठ ने पतंजलि के वकील से कहा कि आपने कहा है कि 40 जड़ी-बूटियों से बने साधारण च्यवनप्राश से क्यों संतुष्ट हों?' इसलिए जब आपने 40 जड़ी-बूटियों शब्द का प्रयोग किया है, तो यह स्पष्ट रूप से प्रतिवादी (डाबर) की ओर इशारा करता है। कहा कि जिस क्षण आप 40 जड़ी-बूटियों वाले साधारण च्यवनप्राश की बात करते हैं, आप जनता के सामने यह प्रस्तुतीकरण कर रहे हैं कि प्रतिवादी का च्यवनप्राश साधारण है और मेरा (पतंजलि) उत्कृष्ट है, तो फिर उसके च्यवनप्राश से क्यों संतुष्ट हुआ जाए।

मोदी से मिला सिख प्रतिनिधिमंडल

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी सहित एक सिख प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को गुरु गोविंद सिंह और उनकी पत्नी की पादुकाओं जोड़े साहिब के सुरक्षित रखरखाव और उपयुक्त प्रदर्शनी के लिए सिफारिशें सौंपी। मोदी ने कहा कि ये पवित्र निशानियां आने वाली पीढ़ियों को सिखों के 10वें और अंतिम गुरु द्वारा दिखाए गए साहस, धर्म, न्याय और सामाजिक सद्भाव के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करेंगी। प्रधानमंत्री ने एक्स पर कहा कि 'जोड़े साहिब' जैसे अहम पवित्र निशानियां, गौरवशाली सिख इतिहास का उतना ही हिस्सा हैं जितना कि वे राष्ट्र के सांस्कृतिक लोकाचार की हैं।

- जोड़े साहिब के रखरखाव की सिफारिश की

उपलब्धि रूस ने पंत कृषि विश्वविद्यालय से दुर्लभ प्रजाति के व्हाइट टाइगर का क्लोन तैयार करने में मांगी मदद

अब प्रयोगशाला के भीतर भी जन्म लेगा सफेद बाघ

संवाददाता, पंतनगर

अमृत विचार : जंगल का राजा सफेद बाघ अब प्रयोगशाला की दीवारों के भीतर भी जन्म ले सकता है। रूस ने पं. गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय पंत नगर से इस दुर्लभ प्रजाति के क्लोन तैयार करने में तकनीकी मदद मांगी है। वहीं, पंत विवि ने भी इसे सिर्फ वैज्ञानिक चुनौती नहीं बल्कि अंतर्राष्ट्रीय उपलब्धि मानते हुए सहयोग देने पर हामी भर दी है।

जीबी पंत विवि के कुलपति डॉ. मनमोहन सिंह चौहान ने शुक्रवार को बताया कि रूस की सेंट पीटर्सबर्ग यूनिवर्सिटी ऑफ वेटनरी साइंस से इस संबंध में गहन बातचीत चल रही है। इसी वर्ष फरवरी में विवि आ चुके वैज्ञानिकों और छात्रों के दल से व्हाइट टाइगर क्लोनिंग पर गंभीर विमर्श के साथ तकनीकी सहयोग पर सहमति बनी थी।

उन्होंने बताया कि रूस की सेंट पीटर्सबर्ग यूनिवर्सिटी ऑफ वेटनरी साइंस सफेद बाघ का क्लोन तैयार करने के लिए सोमैटिक सेल न्यूक्लियर ट्रांसफर तकनीक का उपयोग करेगी। इस प्रक्रिया में किसी कोशिका का नाभिक निकालकर उसे अंडाणु में प्रविष्ट कराया जाता है। विद्युत तरंगों की मदद से भ्रूण विकसित कर उसे जीवन देने का प्रयास किया जाता है। यह विज्ञान और प्रकृति का सबसे अद्भुत संगम है, लेकिन उतना ही जटिल और संवेदनशील भी है। जीबी पंत विवि के विशेषज्ञों का कहना है कि यह परियोजना केवल विज्ञान की उपलब्धि भर नहीं होगी, इससे पर्यटन, वाणिज्य और जैव-विविधता संरक्षण को भी नया आयाम मिलेगा। सफेद बाघ की कीमत वैश्विक स्तर पर चार से पांच करोड़ रुपये आंकी जाती है। रूस इसी आर्थिक और पर्यटन संभावनाओं को देखते हुए इस क्लोनिंग मिशन को आगे बढ़ा रहा है।

मप्र के रीवा में मिला था पहला व्हाइट टाइगर

कुलपति डॉ. चौहान ने बताया कि भारत में सफेद बाघ का इतिहास वर्ष 1951 से जुड़ा है। जब रीवा (मध्य प्रदेश) के महाराजा मार्तंड सिंह ने गोविंदगढ़ के पास से पहला व्हाइट टाइगर पकड़ा और उसका नाम मोहन रखा, तभी से रीवा को सफेद शेरों की नगरी कहा जाने लगा। आज भी रीवा की व्हाइट टाइगर सफारी दुनिया भर के पर्यटकों का मन मोह लेती है।

भारत की पहली क्लोन गिर गाय पहले हो चुकी है तैयार

कुलपति के अनुसार, भारत की पहली क्लोन गिर गाय तैयार हो चुकी है। 16 मार्च 2023 को जन्मी इस बछिया का नाम गंगा रखा गया। वर्तमान में उत्तराखंड की पहचान कही जाने वाली बद्री गाय को बचाने के लिए भी क्लोनिंग परियोजना प्रगति पर है। इन्हीं सफलताओं ने पंत विवि की विशेषज्ञता को अंतर्राष्ट्रीय मंच पर और भी ऊंचा किया। साथ ही, रूस के वैज्ञानिकों को यहां सहयोग लेने को प्रेरित किया।

अमृत विचार

बरेली, शनिवार, 20 सितंबर 2025

शाहजहांपुर

न्यूज ब्रीफ

युवा शक्ति जागरण अभियान में शामिल होंगे शहर के युवा

शाहजहांपुर, अमृत विचार : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर चल रहे सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के अंतर्गत 21 सितंबर को होने वाले नमो युवा रन कार्यक्रम को लेकर मंगलवार को नगर उपाध्यक्ष भाजपा युवा मोर्चा जितिन तिवारी ने जीएफ कॉलेज पहुंचकर युवाओं को जानकारी दी। युवाओं से आह्वान किया कि अधिक से अधिक संख्या में पंजीकरण कराकर मैराथन में भाग लें। इस मौके पर भाजपा युवा मोर्चा नगर अध्यक्ष आयुष शंखधर, नगर मंत्री शिवा सक्सेना, प्रशांत, सुमित दुग्धवाना, सचिन सैनी सहित अन्य युवा नेता मौजूद रहे।

सड़क निर्माण में घटिया सामग्री का आरोप, कॉलोनी में हंगामा

तिलहर, अमृत विचार : पंजाबी कॉलोनी मोहल्ले में एक ठेकेदार द्वारा शुक्रवार की दोपहर इंटरलॉक सड़क का निर्माण कार्य कराया जा रहा था। इसी दौरान सभासद सत्येंद्र सिंह सुशील कॉलोनी के तमाम लोगों के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि ठेकेदार मानक के अनुसार निर्माण सामग्री का उपयोग नहीं कर रहा है। मौके पर ठेकेदार से सभासद और लोगों की नोकझोंक हुई। इसके बाद लोगों ने सड़क निर्माण कार्य बंद करा दिया और अधिकारियों से शिकायत की। उन्होंने कहा कि मानक के अनुसार कार्य नहीं कराया गया तो वह लोग कार्य को पूरी तरह से होने नहीं देंगे।

एसपी से मिला अपना दल का शिष्टमंडल

शाहजहांपुर, अमृत विचार : अपना दस एस के जिलाध्यक्ष सुनील पटेल के नेतृत्व में एक शिष्टमंडल एसपी से मिला। उन्होंने कहा कि विगत दिनों दल के प्रदेश सचिव शिवनंदन सागर के बैंक ऑफ बड़ौदा शाखा बाडूजई के खाते से दो लाख तीन हजार 740 रुपये खाते से फोन हैक करके निकल गए। 23 अगस्त से 01 सितंबर तक धनराशि कई बार निकाली गयी। 1 सितंबर को फोन सही होने पर मैसेज प्राप्त हुआ। सदर बाजार थाना को तहरीर दी गयी। पुलिस ने अभी तक रिपोर्ट दर्ज नहीं की और अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। इस अवसर पर शिवनंदन सागर, राजीव पटेल, राजेश कुमार, धर्मवीर, अयोध्या प्रसाद आदि थे।

सड़कों पर गड्ढों की भरमार, दिक्कतें बेशुमार

कई जगह सड़कें ऊंची-नीची और जर्जर, गली-मोहल्लों में हाल और खराब, लोग हो रहे परेशान

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: शहर को महानगर बने सात साल बीत चुके हैं, लेकिन अभी तक कई मुख्य मार्गों समेत गली-मोहल्लों की सड़कों की हालत में सुधार नहीं किया जा सका है। बीच-बीच में नगर निगम की ओर से सड़कों की मरम्मत पैबंद लगाकर की जाती है, जिससे शहर की कई सड़क ऊंची-नीची हो गई हैं। कहीं-कहीं बीच सड़क में सीवर लाइन के मेन होल सड़क के लेवल से ऊंचे हो गए हैं। कुछ सड़कों में तो बड़े-बड़े गड्ढे भी बन गए हैं, जिनमें भरा गंदा पानी बाढ़ की स्थिति को बयां कर रहा है। सड़कों की हालत बदतर होने के बावजूद इन्हें ठीक करने की दिशा में नगर निगम के अधिकारियों द्वारा अभी तक कोई ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। इससे इन सड़कों पर सफर करने वाली आम जिंदगी हिचकोले खा रही है।

महानगर की सड़कों की दशा सुधारने के लिए अभी तक मरम्मत से ही काम चलाया गया है, जिससे कुछ मार्गों को छोड़कर ज्यादातर सड़कें बेतरतीब ढंग से ऊबड़-खाबड़ जमीन जैसी नजर आ रही हैं। इससे दोपहिया वाहन चालकों को सबसे ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि कई बार गड्ढों व ऊंची-नीची सड़क के कारण वाहन चालक गिरकर चोटिल हो जाते हैं। तो वहीं सड़कों के गड्ढों में फंसकर ई-रिक्शा के पलटने का खतरा भी बना रहता है। महानगर में गदियाना चुंगी के पास सड़क में तो बड़े बड़े गड्ढे बन चुके हैं, जिनमें गंदा पानी भरा है। इससे लोगों का पैदल निकलना मुश्किल हो रहा है। इसी तरह महानगर में सबानगर रोड पर सड़क की मरम्मत के नाम पर ईंटों का पैबंद लगाया गया है, जिससे सड़क का आधा हिस्सा ऊंचा और आधा हिस्सा नीचा हो गया है। निगोही रोड पर भी सड़क में गड्ढा बना है। ऐसे ही बिजलीपुरा मोहल्ला जाने वाली सड़क पूरी तरह जर्जर हो चुकी है। इसी तरह महानगर के ज्यादातर गली-मोहल्ले की सड़कों का हाल खराब है, लेकिन हर बार गड्ढा मुक्ति के नाम पर पैच मरम्मत करके खानापूर्ति की जा रही है। जबकि कई सड़कों का नवीनीकरण कराने से ही इनमें सुधार हो सकता है।

महानगर में बिजलीपुरा मोहल्ला जाने वाली जर्जर सड़क। ● अमृत विचार

गदियाना चुंगी के पास सड़क में बने गड्ढों में भरा पानी। ● अमृत विचार

महानगर में सबानगर रोड पर सड़क में लगाया ईंटों का पैबंद। ● अमृत विचार

> बारिश के कारण महानगर की सड़कें क्षतिग्रस्त हुई हैं। सर्वे कराया गया है। नवरात्रि व दशहरा के कारण अभी गड्ढा मुक्ति का कार्य शुरू नहीं कराया जा रहा है, लेकिन दशहरा के बाद सड़कों की पैच मरम्मत का कार्य कराया जाएगा। कुछ सड़कों पर नवीनीकरण का कार्य कराने का प्रस्ताव तैयार किया गया है, जिसके स्वीकृत होने पर कार्य कराया जाएगा।
> **-डॉ. बिपिन कुमार मिश्रा,** नगर आयुक्त, नगर निगम शाहजहांपुर

पंप पर बिना हेलमेट धड़ल्ले से बेचा जा रहा पेट्रोल

पेट्रोल पंप पर बिना हेलमेट के पेट्रोल लेने के लिए लगी बाइक सवारों की लाइन।

संवाददाता, मिर्जापुर

- नो हेलमेट, नो फ्यूल अभियान को किया जा रहा नजरअंदाज

अमृत विचार: नो हेलमेट, नो फ्यूल अभियान के तहत 10 अगस्त से स्पष्ट आदेश थे कि बिना हेलमेट किसी भी बाइक चालक को पेट्रोल नहीं दिया जाएगा। आदेश का उल्लंघन करने वाले पेट्रोल पंपों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई थी।

इसके बावजूद थरिया परौर रोड पर इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप पर खुलेआम नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। यहां नथीनगला निवासी सेल्समैन द्वारा बिना हेलमेट वालों को पेट्रोल बेचा जा रहा है। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया पंप स्वामी और सेल्समैन को जिलाधिकारी के आदेशों की कोई परवाह नहीं है। शिकायत करने पर सेल्समैन ने खुले शब्दों में कहा जिसे जहां शिकायत करनी है करे, हमें कोई फर्क नहीं पड़ता।

यहां तक कि जब लोगों ने वीडियो बनाकर सबूत दिखाया तो उसका कहना था कि हम पेट्रोल नहीं डालेंगे, लोग खुद अपनी मोटरसाइकिल में डाल लें। जबकि वीडियो में सेल्समैन को पेट्रोल भरते हुए साफ देखा जा सकता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जिलाधिकारी के आदेशों की खुलेआम अवहेलना हो रही है और प्रशासन को इस मामले में कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए।

परशुराम जन्मस्थली के विकास को मांगी अतिरिक्त धनराशि

संवाददाता, शाहजहांपुर

- केंद्रीय मंत्री ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को लिखा पत्र

अमृत विचार: परशुराम की जन्मस्थली पर पर्यटन विकास एवं सौंदर्यीकरण के लिए पर्यटन विभाग की ओर से कराए जा रहे कार्यों को दिव्य-स्वरूप देने के लिए केंद्रीय राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने मुख्यमंत्री से अतिरिक्त धनराशि स्वीकृत करने की मांग की है।

मंत्री जितिन प्रसाद।

यह जानकारी मंत्री के मीडिया प्रभारी विनीत मिश्र ने दी। उन्होंने बताया 22 अगस्त को केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर अवगत कराया था कि जन्मस्थली पर पर्यटन विभाग की ओर से 19.02 करोड़ रुपये की लागत से कार्य चल रहे हैं, लेकिन इन कार्यों के लिए अतिरिक्त धनराशि की आवश्यकता है। प्रसाद के जन्मस्थली भ्रमण के दौरान विभागीय अधिकारियों ने उन्हें इसकी जानकारी दी थी।

मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में प्रसाद ने जन्मस्थली की पौराणिक एवं ऐतिहासिक महत्ता का उल्लेख करते हुए कहा कि जन्मस्थली को दिव्य-भव्य रूप प्रदान करने के लिए अतिरिक्त बजट स्वीकृत किया जाए।

11 सितंबर को मुख्यमंत्री कार्यालय से विशेष सचिव ने पत्र भेजकर अवगत कराया कि केंद्रीय राज्य मंत्री के पत्र को समुचित कार्रवाई के लिए प्रमुख सचिव पर्यटन विभाग को भेज दिया गया है। प्रसाद ने यह भी कहा कि जलालाबाद का नाम परशुरामपुरी किए जाने पर केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार व्यक्त किया।

गोवंश संरक्षित करने को विधायक ने लिखा पत्र

शाहजहांपुर, अमृत विचार: विधायक अरविन्द कुमार सिंह ने अपने निर्वाचन क्षेत्र ददरौल के विकास खंडों मदनापुर, कांट, ददरौल और भावलखेड़ा की ग्राम पंचायतों में लगभग 14,807 छुट्टा पशु / नंदी की सूची तैयार कर तहसील प्रशासन को भेजी।

यह जानकारी उन्हें क्षेत्र भ्रमण के दौरान ग्रामीणों ने उपलब्ध कराई। विधायक ने कहा रोड पर लगातार गोवंशीय पशु की उपस्थिति से दुर्घटनाएं हो रही हैं, जिससे लोगों की जान खतरे में है और वाहन भी क्षतिग्रस्त हो रहे हैं। हाल ही में मौजमपुर में हाईवे पर कई गायें भारी वाहनों की चपेट में आकर मारी गईं। अरविन्द कुमार सिंह ने चेतावनी दी कि पिपरौला, वरीखास, मदनापुर, कुर्रिया रोड, सेहरामऊ रोड और सीतापुर रोड सहित अन्य मार्गों पर भी सैकड़ों गोवंशीय पशु सड़क पर बैठते हैं। उन्होंने तहसील प्रशासन से अनुरोध किया कि भूमि आरक्षित कर गौशालाओं का निर्माण कराया जाए।

गर्डर रखने के लिए दो मशीनें पहुंचीं आज लिया जाएगा तीन घंटे का ब्लॉक

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: रेलवे स्टेशन पर नवनिर्मित ओवरब्रिज के गर्डर रखे जाने को लेकर दो मशीनें आ गईं है। शनिवार को गर्डर रखे जाने को लेकर तीन घंटे का ब्लॉक होगा। ब्लॉक के चलते अप और डाउन की पैसेंजर ट्रेनें प्रभावित रहेगी। इस दौरान पैसेंजर ट्रेनों का संचालन रोजा से किया जाएगा।

बता दें कि अमृत भारत योजना के तहत स्टेशन के द्वितीय प्रवेश द्वार की तरफ फुट ओवरब्रिज, स्वचालित सीढ़ियां, टिकट घर और द्वितीय श्रेणी प्रतीक्षालय का निर्माण होना है। इस दौरान कार्य काफी तेजी से चल रहा है। प्लेटफार्म दो और तीन का ऊंचा करने का कार्य पूरा हो गया है। अब फुट ओवरब्रिज गर्डर रखे जाने को लेकर शनिवार को दिन में एक बजे से दोपहर तीन बजे तक ब्लाक लिया जाएगा। रेल लाइन छह और सात पर गर्डर रखे जाएंगे। 21 को रेल लाइन नंबर आठ से दस तक ब्लॉक सुबह 8 से 11 बजे तक, 23 को रेल लाइन नंबर चार व पांच पर सुबह 8 बजे से 11 बजे तक, 24 को रेल लाइन नंबर 4 व 5 पर सुबह 8 बजे से 3 बजे तक ब्लॉक दिया जाएगा। यह ब्लॉक 26 तक चलेगा। इस अवधि में शाहजहांपुर-बालामऊ, शाहजहांपुर, सीतापुर, शाहजहांपुर-लखनऊ पैसेंजर का संचालन रोजा रेलवे स्टेशन से होगा। शनिवार को होने वाले ब्लॉक को लेकर गर्डर रखने के लिए दो मशीनें आ गयी है। रेल अधिकारियों ने बताया कि गर्डर रखने की पूरी तैयारी कर ली है।

गर्डर रखने के लिए पहुंची मालगोदाम पर मशीन ● अमृत विचार

- पैसेंजर ट्रेनों का संचालन रोजा 26 तक चलेगा ब्लॉक

कड़ी मशक्कत के बाद पकड़ा घायल लंगूर

खुदागंज, अमृत विचार: भाजपा सोशल मीडिया के जिला सहसंयोजक आकाश दीक्षित ने पिछले सप्ताह उप जिलाधिकारी से शिकायती पत्र देकर घायल लंगूर को पकड़ने और इलाज कराने की मांग की गई थी।

जिस पर उप जिलाधिकारी ने बीडीओ और वन क्षेत्राधिकारी की संयुक्त टीम को लंगूर पकड़ने के निर्देश दिए थे। कई दिनों तक चली जद्दोजहद के बाद शुक्रवार को वन विभाग की टीम लंगूर को पकड़ने में कामयाब रही। लंगूर को उपचार के लिए भेज दिया है। कटरा के पशु चिकित्सा अधिकारी राजेश कुमार गौड़ ने घायल लंगूर का उपचार कर पिंजरे में सुरक्षित कर आकाश दीक्षित को सौंप दिया। इस दौरान वरिष्ठ भाजपा नेता सत्यभान सिंह, डिप्टी रेंजर अमित शर्मा, अजय कुमार, दिनेश सिंह, अंकित सिंह सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

जिले को एनीमिया मुक्त बनाने की तैयारी

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- पांच लाख बच्चियों एवं महिलाओं को खिलाई जाएगी एक आयरन गोली

अमृत विचार: एनीमिया मुक्त शाहजहांपुर को लेकर डीएम धर्मेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में बैठक हुई, जिसमें डीएम ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस अभियान के संबंध में अपने अधीनस्थों के साथ बैठक कर समय से तैयारी पूर्ण करें। उन्होंने बताया कि "सक्षम नारी अभियान" एवं आगामी "मिशन शक्ति" के पांचवें चरण के अंतर्गत जिला प्रशासन शाहजहांपुर द्वारा "एनीमिया मुक्त शाहजहांपुर अभियान" महिला पोषण सशक्तिकरण के उद्देश्य से प्रारम्भ किया जा रहा है।

इस विशेष अभियान के अंतर्गत 24 सितम्बर को जनपद की लगभग पांच लाख बच्चियों एवं महिलाओं को एक गिलास नींबू पानी के साथ आयरन फोलिक एसिड की एक गोली खिलाई जाएगी और एक माह की आयरन गोलियों की निःशुल्क आपूर्ति की जाएगी।

कलेक्ट्रेट सभागार में डीएम ने निर्देश दिए कि जनपद एवं सभी ब्लाकों के सरकारी कार्यालयों, सामुदायिक एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों, सभी सरकारी विद्यालयों, आंगनवाड़ी केन्द्रों, सत्रों तथा पंचायत भवनों में कार्यक्रम आयोजित होगा। अभियान में भागीदारी की पुष्टि के लिए प्रत्येक प्रतिभागी को पोर्टल पर सेल्फ़ी अपलोड करनी होगी, जिसके उपरान्त प्रमाण पत्र डाउनलोड किया जा सकेगा। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य महिलाओं में खून की कमी यानी एनीमिया की समस्या को दूर करना है। एनीमिया के कारण शरीर में खून की कमी हो जाती है, जिससे थकान, कमजोरी और चक्कर आने जैसी समस्याएं होती हैं। गंभीर स्थिति में यह गर्भवती महिलाओं और बच्चों के लिए जानलेवा भी हो सकता है और पढ़ाई, काम करने की क्षमता और रोग-प्रतिरोधक शक्ति को कम कर देता है। आयरन फोलिक एसिड की गोली के नियमित सेवन से एनीमिया दूर होता है, गर्भवती महिलाओं को सुरक्षित प्रसव एवं स्वस्थ शिशु प्राप्त होता है, थकान कम होती है और शरीर की ऊर्जा तथा रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। इसे हमेशा भोजन के बाद लेना चाहिए। आहार में हरी सब्जियां, मोटे अनाज और विटामिन-सी युक्त खाद्य पदार्थ जैसे नींबू, आंवला, मौसमी आदि जरूर शामिल करें, क्योंकि विटामिन-सी शरीर में आयरन को अवशोषित कर खून की कमी को दूर करता है।

ड्रैगन की खेती के लिए मिलेगा अनुदान

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- जनपद का वातावरण इस विदेशी फल की खेती के अनुकुल
- एक हेक्टेयर क्षेत्रफल में खेती के लिए 2.70 लाख अनुदान

अमृत विचार : ड्रैगन फल या पिटाया कई कैक्टस प्रजातियों से प्राप्त एक उष्णकटिबंधीय फल है जो अपने जीवंत, शल्कदार बाहरी आवरण और छोटे, काले बीजों वाले सफेद, लाल या पीले गूदे से पहचाना जाता है। यह दक्षिणी मैक्सिको और मध्य अमेरिका का मूल फल है। इसका स्वाद कीवी और नाशपाती के मिश्रण जैसा होता है।

यह फाइबर, एंटीऑक्सिडेंट और विटामिन सी से भरपूर होता है। इसे कच्चा खाया जा सकता है या मिठाइयों और अन्य व्यंजनों में इस्तेमाल किया जा सकता है। सरकार द्वारा इसकी खेती को प्रोत्साहन देने के लिए किसानों को अनुदान दिया जा रहा है। जनपद में ड्रैगन फल की खेती करन के लिए परिस्थितियां अनुकुल हैं, जिससे इस विदेशी फल की खेती करके किसान अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं। किसानों को ड्रैगन फल की खेती के लिए प्रोत्साहित भी किया जा रहा है।

जिला उद्यान अधिकारी पुनीत कुमार पाठक ने बताया पहले ड्रैगन फल की खेती के लिए सरकार की ओर से 30 हजार रुपये प्रति हेक्टेअर की दर से किसानों को अनुदान दिया जाता था, लेकिन अब सरकार ने अनुदान राशि को बढ़ाकर 2.70 लाख रुपये प्रति हेक्टेयर कर दिया है। इससे किसानों को खेती करने में लागत कम होने से काफी राहत मिलेगी। उन्होंने बताया वर्ष 2025-26 में जनपद में दो हेक्टेयर क्षेत्रफल में ड्रैगन फल की खेती कराने का लक्ष्य मिला है। इसकी खेती करने के इच्छुक किसानों से आवेदन मांगे गए हैं। किसानों को आधार, बैंक पासबुक, ड्रैगन के पौधे की खरीद की रसीद की छायाप्रति संलग्न करते हुए आवेदन करना है। आवेदन को आनलाइन या सीधे विकास भवन स्थित जिला उद्यान अधिकारी कार्यालय में जमा किया जा सकता है।

> ड्रैगन फल में फाइबर, एंटीआक्सीडेंट और विटामिन सी से भरपूर होता है। इसमें फ्लेवोनोइड्स, फेनोलिक एसिड, बीटालेन्स और एंथोसायनिन जैसे लाभकारी फाइटोकेमिकल्स होते हैं। इसलिए सरकार द्वारा इसकी खेती करने के लिए बढ़ावा दिया जा रहा हे और किसानों की मदद के लिए अनुदान की व्यवस्था की गई है। इसकी पौध लगाकर खेती की जाती है।
> **-पुनीत कुमार पाठक**
> जिला उद्यान अधिकारी

उच्च न्यायालय का आदेश फिर भी लगाई ड्यूटी, रोष

संवाददाता , खुटार

अमृत विचार: राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के खुटार विकास क्षेत्र के अध्यक्ष रामदयाल तिवारी के नेतृत्व में शिक्षकों, शिक्षा मित्रों एवं अनुदेशकों के प्रतिनिधिमंडल ने खंड शिक्षा अधिकारी खुटार और एसडीएम पुवायां को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा गया कि शिक्षा विभाग से जुड़े शिक्षक, शिक्षा मित्र और अनुदेशक वर्तमान में बीएलओ कार्य में लगाए जा रहे हैं, जबकि यह माननीय उच्च न्यायालय, इलाहाबाद के आदेश के प्रतिकूल है। न्यायालय ने केस संख्या 13388 में अपने आदेश में स्पष्ट निर्देश दिए थे कि अध्यापक एवं शिक्षण सहायक केवल शैक्षिक कार्यों में संलग्न रहेंगे, ताकि विद्यार्थियों की शिक्षा प्रभावित न हो। महासंघ ने बताया कि बीएलओ कार्य में ड्यूटी लगाने से विद्यालयी गतिविधियां बाधित हो रही हैं और न्यायालय के आदेश की अवहेलना हो रही है। ज्ञापन की प्रतिलिपि उपजिलाधिकारी पुवायां, जिलाधिकारी शाहजहांपुर एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शाहजहांपुर को भी भेजी गई है। ज्ञापन पर रामदयाल तिवारी के साथ सीमा देवी, अमरजीत सिंह, आकाश कुमार, दीपक पाण्डेय, संजय कुमार, रमाकान्त प्रसाद, मनीष सिंह, मो. इमरान, सुशील कुमार शर्मा, आशुतोष वाजपेयी, महेन्द्र कुमार, राकेश यादव, मंगला प्रसाद, राजेश कुमार सहित कई शिक्षकों और शिक्षा मित्रों ने हस्ताक्षर कर समर्थन जताया।

तैयारी | खिरनी बाग रामलीला की तैयारियां जारी, भव्यता से मनाया जाएगा दशहरा

राम लीला को लगने लगे झूले - दुकानें, सज रहा मैदान

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : खिरनी बाग रामलीला मेला 2025 की तैयारियां पूरे जोर-शोर से चल रही हैं। असत्य पर सत्य की विजय के प्रतीक दशहरे का पर्व इस बार और भी भव्य स्वरूप में मनाया जाएगा। 20 सितंबर शनिवार को अपराह्न 4 बजे गांधी गंज से भव्य गणेश शोभायात्रा निकाली जाएगी। यह शोभायात्रा शहर के विभिन्न मार्गों से होती हुई खिरनी बाग रामलीला मैदान पहुंचेगी, जहां हवन एवं मंच पूजन के साथ मेले का विधिवत शुभारंभ होगा।

श्री रामलीला समिति के संरक्षक सुरेश कुमार खन्ना ने शाहजहांपुर की जनता से आह्वान किया है शनिवार गांधीगंज से होने वाली गणेश शोभायात्रा में स्वयं व परिवार व मित्रों के साथ ज्यादा से ज्यादा संख्या में शामिल हों और इस आयोजन को भव्य एवं सुंदर बनाएं। खिरनी बाग रामलीला मैदान में अब दुकानों, झूलों और रोशनी के साथ फेरीवालों की रौनक नजर आने लगी है। बच्चों और युवाओं के मनोरंजन के लिए झूले, स्वादिष्ट व्यंजनों की दुकानें और खरीदारी के लिए आकर्षक स्टॉल मेले को और आकर्षक बना रहे हैं। मेले के लिए आयोजन समिति के संरक्षक सुरेश कुमार खन्ना तथा अध्यक्ष वीरेंद्र पाल सिंह यादव के नेतृत्व में, कोषाध्यक्ष विनोद कुमार अग्रवाल एवं चंद्रशेखर खन्ना 'धीरू भैया' के मार्गदर्शन में समिति के सभी सदस्य अपनी-अपनी जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। मेला सचिव नरेंद्र गुरु और मेला प्रबंधक नीरज वाजपेई टीम के साथ मैदान में दिन-रात जुटे हुए हैं, ताकि खिरनी बाग रामलीला हर दृष्टि से सफल, आकर्षक और व्यवस्थित हो। साथ ही समिति के उपाध्यक्ष अशोक अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सुरेश सिंघल, राम मोहन वर्मा, सुरेंद्र सिंह सेठ, अंशुल गुप्ता, विजय तुली, दीपक शर्मा, अंशुमन अग्रवाल, कुलदीप गुप्ता, नितेश गुप्ता, मनीष खन्ना सहित सभी सदस्य सक्रिय रूप से अपना योगदान दे रहे हैं।

खिरनी बाग मैदान में राम लीला के लिए झूले आदि लगने लगे हैं। ● अमृत विचार

न्यूज ब्रीफ

चार दिन से लापता युवक का सुराग नहीं

खुदागंज, अमृत विचार : कटरा थाना क्षेत्र के ग्राम ईश्वरा निवासी नकुल (20) पुत्र रमेश 16 सितंबर को अचानक लापता हो गया। परिजनों ने काफी तलाश की, लेकिन उसका कहीं पता नहीं चला। नकुल के पिता रमेश ने बताया उनका बेटा कुछ समय से मानसिक रूप से बीमार था और उसका इलाज शाहजहांपुर से कराया जा रहा था। अचानक गायब हो जाने से परिवार और ग्रामीण तरह-तरह के कयास लगा रहे हैं। घटना को चार दिन बीत जाने के बाद भी युवक का कोई पता नहीं चला।

प्रधानमंत्री के फोटो से छेड़छाड़, रिपोर्ट

शाहजहांपुर, अमृत विचार : मिर्जापुर थाना क्षेत्र के गांव जरीनपुर निवासी पंकज गुप्ता ने बताया 15 सितंबर को उसके गांव के आशीष यादव उर्फ कल्लू ने फेसबुक आईडी से प्रधानमंत्री और व गृह मंत्री की फोटो व वीडियो के साथ छेड़छाड़ की है, जिससे राष्ट्रभक्तों व हिन्दू समुदाय के लोगों के भावनाओं को ठेस पहुंची है। आरोपी ने बुधवार को उसके नाम से भी एक पोस्ट की थी। उप निरीक्षक चंदपाल सिंह ने बताया कि आरोपी आशीष यादव के खिलाफ विभिन्न धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

लापता बहू की खोज कराने की मांग

पुवायां, अमृत विचार : नगर की एक महिला ने लापता बहू की तलाश किए जाने की मांग करते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई। मोहल्ला हरदयाल कूंचा निवासी मीना दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया 8 सितंबर को उनकी बहू मोहिनी मिश्रा पति की जमानत कराने की बात कहकर शाहजहांपुर कचहरी जाने के लिए निकली थी, जो वापस नहीं लौटी। महिला ने बताया कि मां के जाने के बाद उसके एक 10 साल का बेटा और 6 वर्ष की वृन्दा का बुरा हाल हो रहा है। महिला ने पुलिस से शिकायत करते हुए अपनी बहू की तलाश कराए जाने की मांग की है।

मकान का छज्जा गिरा, दो घायल

तिलहर, अमृत विचार : राजनपुर गांव में शुक्रवार को मकान का छज्जा गिर गया और दो मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए। बाबूराम और रामप्रसाद मकान पर काम कर रहे थे। स्थानीय लोगों ने तुरंत 108 एंबुलेंस को सूचना दी। घायलों को सीएचसी पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार चल रहा है।

अनुशासन ही पुलिस का मूल आधार

शाहजहांपुर, अमृत विचार : एसपी ने पुलिस लाइन में साप्ताहिक परेड की सलामी लेने के बाद कहा जनता का विश्वास ही हमारी सबसे बड़ी पूंजी है, अनुशासन पुलिस का मूल आधार है, जनता से संवाद विनम्रता, कार्य में तत्परता और संवदेन शीलता बनाए रखे और आधुनिक तकनीक का सदुपयोग कर अपराध नियंत्रण को सशक्त बनाए। उन्होंने पुलिस लाइन परिसर में 112 डायल कंट्रोल रुम, जीडी कार्यालय, हथियारागार, बैरकों का निरीक्षण किया। उन्होंने कर्मचारियों को दिशा निर्देश दिए। इस अवसर पर सीओ लाइन, प्रतिसार निरीक्षक, प्रशिक्षण प्राप्त कर रही महिला सिपाही मौजूद रही।

कंबाइन से दबकर भाई-बहन की मौत

भाई बाइक से बहन और सहेली को छोड़ने जा रहा था कॉलेज, परिजनों में कोहराम

संवाददाता, सेहरामऊ दक्षिणी/ शाहजहांपुर

कुंदन।

नमामि।

अमृत विचार: मंसूरपुर गांव के निकट कंबाइन ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार भाई और बहन की मौत हो गई। छात्रा की सहेली बाल-बाल बच गई। उसने फोन से परिवार वालों को सूचना दी। परिवार वाले और पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने कंबाइन को कब्जे में ले लिया और चालक मौका पाकर भाग गया।

सेहरामऊ दक्षिणी थाना क्षेत्र के गांव पंचौली निवासी श्रीनिवास बेटा कुंदन (18) बीएससी प्रथम वर्ष का छात्र था। उसकी नमामि (15) मंसूरपुर गांव में इंटर कॉलेज में कक्षा 10 की छात्रा थी। कुंदन बहन और उसकी सहेली ज्योति को बाइक से शुक्रवार सुबह 7 बजे कॉलेज छोड़ने जा रहा था। मंसूरपुर गांव के निकट कॉलेज से 50 मीटर पहले आगे जा रही कंबाइन को कुंदन ने ओवरटेक किया। इस दौरान साइकिल सवार आ गया और साइकिल सवार को बचने के चक्कर में बाइक कंबाइन से

- साइकिल सवार को बचाने में हुआ हादसा

टकरा गई। दोनों भाई-बहन बाइक से नीचे गिर गए और कंबाइन के पहिए दबकर दोनों की मौत हो गई। उसकी सहेली ज्योति बाइक से दूसरी साइड में गिर गई और मामूली से चोट लगी। चालक कंबाइन छोड़कर भाग गया। इस दौरान लोगों की भीड़ लग गई। सूचना पर परिवार वाले और पुलिस मौके पर पहुंच गए।

पुलिस ने कंबाइन को कब्जे में ले लिया। पुलिस ने भाई और बहन के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थाना प्रभारी उमेश कुमार ने परिवार वालों की तरफ से तहरीर नहीं आई है। उन्होंने बताया कि तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

ट्रक की टक्कर से मां-बेटी की मौत, दो घायल

मिर्जापुर, अमृत विचार : फर्रुखाबाद-बदायूं स्टेट हाईवे पर पिडरा के समीप सड़क हादसा हुआ। बहरिया निवासी राजेश कुमार के परिवार के चार सदस्य रिश्तेदारी में दावत खाने जा रहे थे। तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी मोपेड को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे चार वर्षीय भतीजी सुरभि की मौके पर ही मौत हो गई। घटना में मोपेड सवार मां उपासना देवी भी गंभीर रूप से घायल हो गईं और उन्हें राममनोहर लोहिया, फर्रुखाबाद ले जाते समय रास्ते में ही दम तोड़ दिया। राजेश के दो बेटे, अमन और दुर्वेश भी गंभीर रूप से घायल हुए हैं और उनका इलाज निजी अस्पताल में जारी है। घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस और एम्बुलेंस ने घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जरियनपुर पहुंचाया। डॉक्टरों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें उच्च चिकित्सा के लिए रेफर किया। पीड़ित के प्रार्थना पत्र के आधार पर पुलिस ने ट्रक और चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया।

घायल तीसरे बच्चे की मौत, गांव में शोक

मिर्जापुर, अमृत विचार : मिर्जापुर थाना क्षेत्र में सोमवार को हुए दर्दनाक सड़क हादसे ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है। हादसे में गंभीर रूप से घायल 7 वर्षीय बेटे आर्यन ने गुरुवार रात इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत से पूरे गांव में शोक की लहर फैल गई है। घरवालों का रो-रोकर बुरा हाल है। आर्यन को गंभीर हालत में फर्रुखाबाद से बरेली रेफर किया गया था, जहां जिंदगी और मौत से जूझते हुए उसने गुरुवार रात दम तोड़ दिया। खबर जब गांव पहुंची, तो वहां मातम पसर गया।

दोनों के शव घर पहुंचते ही परिवार में रोना पीटना मच गया। दोनों का चेहरा देखने वाले ग्रामीणों की भीड़ लग गई। पूरे गांव में सन्नाटा पसर गया और लोगों की आंखे नम हो गई। उनकी मां का नाम राधा और भाई संतन मिश्रा, चंदन मिश्रा, वंदना मिश्रा और बहन शीतल है। परिवार में रो-रोकर बुरा हाल था। दोनों भाई-बहन की अर्थी घर की चौखट से एक साथ उठी और दोनों का एक साथ अंतिम संस्कार किया गया।

क्लोरीन का रिसाव होने पर चलाया बचाव अभियान

माकड्रिल के दौरान प्रभावित कर्मचारी को स्ट्रेचर से ले जाते कर्मचारी। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: आपदा प्रबंधन की तैयारियों एवं त्वरित कार्रवाई करने की व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए जनपद के अलग-अलग स्थानों में विभिन्न आपदाओं से निपटने के लिए माकड्रिल करके व्यवस्थाओं को परखा गया। इसके तहत रिलायंस रोजा पावर सप्लाई प्लांट में एडीएम अरविंद कुमार के नेतृत्व में अचानक क्लोरीन गैस का रिसाव होने पर बचाव व राहत कार्य किया गया। प्लांट परिसर में जैसे ही क्लोरीन गैस के टैंक में रिसाव की सूचना मिली, तो आनन-फानन में स्थानीय प्रशासन, फायर सर्विस, स्वास्थ्य विभाग, पुलिस, नगर निगम व आपदा प्रबंधन की टीमों ने मोर्चा संभाल लिया। प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने के साथ ही त्वरित उपचार शुरू किया गया। फायर सर्विस के जवानों ने गैस रिसाव वाले स्थान पर पानी का स्प्रे करके वातावरण को नियंत्रित किया। इस तरह सभी टीमों सफलतापूर्वक दायित्व संभालने की एडीएम अरविंद कुमार ने सराहना की।

ससुराल में दावत खाने गया युवक हुआ लापता

बंडा, अमृत विचार : पांच दिन पहले ससुराल में दावत खाने गया युवक घर नहीं लौटा जिस पर युवक के पिता ने बेटे की तलाश करवाने की मांग की है।

बंडा के गांव बिहार रामनगर निवासी गुड्डू ने बताया उसके पुत्र चीनू की ससुराल बंडा के गांव नभीची में है। 14 सितंबर को उसका पुत्र ससुराल में श्राद्ध में शामिल होने गया और रात को वहीं रुक गया। अगले दिन जब वह वापस घर नहीं पहुंचा तो उसके पिता ने उसकी ससुराल में फोन कर जानकारी ली, लेकिन उन लोगों ने कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया। इसके बाद घटना के पांचवें दिन पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। गुड्डू ने बताया उसका इकलौता पुत्र है जिसके बारे में जानकारी लेने पर ससुराल वाले ठीक-ठाक जवाब नहीं दे रहे हैं। आरोप है 15 सितंबर को उसके पुत्र चीनू ने उसे फोन कर कहा कि उसे यहां से लेकर जाओ नहीं तो ससुराल वाले उसे जान से मार देंगे। वहीं बंडा पुलिस ने बताया कि मामले की छानबीन की जा रही है।

गैस लीक होने से आग से झुलसे बालक की मौत

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- सैफई ले जाते समय रास्ते में हुई मौत, नया सिलेंडर लगाया था, परिवार में मचा कोहराम

अमृत विचार: गैस सिलेंडर लीक हो जाने से 10 वर्षीय बालक झुलस गया था। मेडिकल कॉलेज से सैफई मेडिकल कॉलेज ले जाते समय रास्ते में उसकी मौत हो गई। परिवार वाले उसका शव लेकर वापस मेडिकल कॉलेज आए। बालक की मां का डेढ़ साल पहले निधन हो चुका है।

चौक कोतवाली के मोहल्ला जियाखेल निवासी बसंत लाल के यहां खाना बरामदे में बनता था। उन्होंने गैस चूल्हा बरामदे में रख रखा था। गुरुवार की शाम को उन्होंने नया सिलेंडर लगाया था। उनको अंदाजा नहीं था कि रेलूलेटर के पास गैस लीक हो रही है। वह और चार बेटियां कमरे में बाहर साइड में थी। 10 वर्षीय बेटा मोहन कमरे में था। उसकी एक बेटी खाना बनाने के लिए गैस चूल्हे के पास गई। उसने माचिस की तीली जलाई तो अचानक रेगुलेटर के पास आग लग गई। उसने शोर मचाते हुए घर के बाहर भागी। इस दौरान उसकी चार बेटियां भी जान बचाते हुए घर के बाहर भागी। उसका बेटा मोहन कमरे से निकलकर भागने का प्रयास किया तो आग से झुलस गया। इस दौरान क्षेत्र के लोग एकत्रित हो गए। लोगों ने सिलेंडर को घर के बाहर फेंक दिया। सूचना पर प्रभारी निरीक्षक अश्वनी कुमार सिंह मौके पर पहुंचे। परिवार वाले आग से झुलसे मोहन को मेडिकल कॉलेज ले गए। डॉक्टर ने झुलसे बालक को सैफई मेडिकल कालेज के लिए रेफर कर दिया। रास्तें में उसकी मौत हो गई।पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

नरमू ने अफसर शाही के विरोध में स्टेशन पर किया जोरदार प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

रेलवे स्टेशन पर प्रदर्शन करती नरमू ● अमृत विचार

- पे-कमीशन लागू किया जाए, आठ घंटे ड्यूटी निर्धारित हो, नए आवास बनाए जाए

अमृत विचार: रेलवे कॉलोनी की दुदर्शा कर्मचारियों के काम के घंटे का निर्धारण न होना और अफसरशाही के खिलाफ नार्दन रेलवे मेंस यूनियन रेलवे स्टेशन परिसर में जुलूस निकालकर प्रदर्शन किया और नारेबाजी की।

नार्दन रेलवे मेंस यूनियन के सहायक मंडल मंत्री नरेंद्र त्यागी ने कहा प्रत्येक 10 वर्ष में पे कमीशन की रिपोर्ट आती है। जबकि जनवरी 26 से पे कमीशन लागू हो जाना चाहिए। पे कमीशन की रिपोर्ट में सरकारी कर्मचारियों से जुड़े तमाम वेतन भत्तों पर विचार होता है। परन्तु सरकार ने अभी तक घोषणा नहीं की है। आयोग गठन में देरी कर रहा है, जिससे सरकार की मंशा ठीक नहीं लग रही है। इसके खिलाफ आज पूरे देश में यूनियन की ओर से प्रदर्शन किया जा रहा है। उन्होंने रेलवे कालोनी की दुर्दशा है। सरकारी आवास की मरम्मत नहीं कराई जा रही है।

कर्मचारियों ने बताया कि अधिकारी को शिकायत करने के बाद कोई सुनवाई नहीं होती है। कर्मचारियों के लिए नए आवास बनाए जाए। सिग्नल कर्मचारी, ट्रैकमैन की ड्यूटी 8 घंटे निर्धारित की जाए। सचिव शिव कुमार सक्सेना ने कहा कि रेलवे अधिकारी कर्मचारियों का मानसिक शोषण कर रहे है।

रामौतार, केशरी लाल, जितेंद्र कुमार, राजीव, लालाराम, अजीत चंदा आदि मौजूद रहे।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार दो युवकों की मौत

संवाददाता, कलान

- स्टेट हाईवे नौगमा मुबारिकपुर के पास ट्रक की आमने-सामने टक्कर

मृतक मोनू तिवारी, अनुज यादव।

अमृत विचार: नगर के मोहल्ला गंगानगर निवासी मोनू तिवारी (28) और मोहल्ला रामलीला ग्राउंड निवासी अनुज यादव (29) शुक्रवार शाम 7 बजे जलालाबाद जा रहे थे।

जैसे ही वे स्टेट हाईवे मुरादाबाद-फर्रुखाबाद स्थित नौगमा मुबारिकपुर गांव के पास पहुंचे, मिर्जापुर की तरफ से आ रहे ट्रक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि दोनों युवक मौके पर ही दम तोड़ गए।

घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी प्रवाष चंद पुलिस फोर्स के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। दोनों शवों को 108 एंबुलेंस की मदद से सीएचसी कलान भेजा गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित किया। बताया जाता है कि दोनों दोस्त अविवाहित थे और उनके परिवार में शोक व्याप्त है।

बाल विकास विभाग की प्रगति ठीक नहीं होने पर डीएम नाराज

कलेक्ट्रेट में समीक्षा करते डीएम धर्मेंद्र प्रताप सिंह। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: कलेक्ट्रेक्ट सभागार में डीएम धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने बाल विकास विभाग की समीक्षा करते हुए कहा पोषण ट्रैकर पर पंजीकृत तीन से छह वर्ष के लाभार्थियों का चेहरा प्रमाणीकरण (एफआरएस) को एक सप्ताह के भीतर शत-प्रतिशत पूर्ण किया जाए।

विभागीय पोर्टल पर समस्त आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं का आधार प्रमाणीकरण का कार्य 30 सितम्बर तक अनिवार्य रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने अपूर्ण आंगनबाड़ी केन्द्र भवनों को यथाशीघ्र पूर्ण करने के लिए कार्यदायी संस्था को निर्देश दिया। विभाग की ओर से जून 2025 से सितम्बर 2025 के मध्य आयोजित संभव अभियान 5.0 के अन्तर्गत जनपद की प्रगति संतोषजनक न पाए जाने पर डीएम ने नाराजगी जताते हुए एक सप्ताह के भीतर प्रगति में सुधार लाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही 17 सितम्बर से 18 अक्टूबर तक आठवां राष्ट्रीय पोषण माह 2025 का सफल आयोजन करने के लिए समस्त कन्वर्जेन्स विभागों को निर्देश दिए गए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी डॉ. अपराजिता सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी अरविंद कुमार रस्तोगी, सीएमओ सहित संबंधित जिला स्तरीय अधिकारी एवं समस्त बाल विकास परियोजना अधिकारी / प्रभारी खंड शिक्षा अधिकारी, मुख्य सेविका एवं ब्लाक समन्वयक उपस्थित रहें।

कोर्ट के आदेश पर मारपीट की रिपोर्ट

बंडा, अमृत विचार: बंडा के गांव नरायनपुर गंगा निवासी श्रीराम सिंह राठौर की पत्नी ने कोर्ट में दिए प्रार्थना पत्र में बताया वह एक कैंसर पीड़िता है जिसका एक बेटा पूर्व सैनिक और एक वर्तमान में लांस नायक है।

16 अगस्त को रात आठ बजे गांव के ही सच्चिदानंद, उसकी पत्नी किरन और मुनेंद्र राठौर की पत्नी निर्मला देवी ने रास्ते में टिन शेड डाल दिया। जब विरोध किया तो वह लोग गालियां देने लगे और उसके साथ मारपीट की। जब उनका छोटा बेटा अवनीश उसे बचाने पहुंचा तो उसके साथ भी मारपीट करते हुए जान से मार देने की धमकी दी। उसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी को बंडा थाने बुलाया जिस पर कैंसर पीड़िता ने थाने में प्रार्थना पत्र दिया लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। 18 अगस्त को पीड़िता एसपी शाहजहांपुर के पास गई जहां उसकी तहरीर लेने के बाद उसका मेडिकल कराया गया, लेकिन आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई। पीड़िता ने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया तो पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली।

सचिवों के आवास के सामने घायल गायों के साथ प्रदर्शन

संवाददाता, बंडा

- गौसेवा ट्रस्ट ने की पशुओं को गौशाला भेजने की मांग
- पथराव से अफरा-तफरी मची, दो हिरासत में लिए गए

अमृत विचार: केशव गौसेवा ट्रस्ट के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने ब्लॉक परिसर में सचिवों के आवासों के सामने घायल गायों को डालकर प्रदर्शन किया। इस दौरान हुए पथराव में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने दो आरोपियों को हिरासत में ले लिया है। घटना को लेकर सचिव थाने पहुंचे।

शुक्रवार को केशव गौसेवा ट्रस्ट के शिवांशु मिश्रा अपने साथियों के साथ ग्राम पंचायत बंडी व आलमपुर पिपरिया से घायल गायों को लेकर ब्लॉक परिसर में बने सचिवों के आवासों पर पहुंचे। उक्त लोगों ने सचिव प्रतिपाल व राकेश शुक्ला के आवास के आगे घायल गायों को डाल दिया और गौवंशों को गौशाला भिजवाने की मांग करते हुए हंगामा करने लगे। देखते ही देखते उक्त लोगों में से एक युवक ने पथराव कर दिया। पथराव के चलते वहां खड़े लोग अपना बचाव कर इधर-उधर भागने लगे। ब्लॉक में पथराव की सूचना पर इंस्पेक्टर प्रदीप कुमार राय पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। इंस्पेक्टर ने ट्रस्ट के दो लोगों को हिरासत में ले लिया है।

घटना के बाद सभी सचिव थाने पहुंचे। सचिव राकेश शुक्ला ने बताया कि गायों को मानपुर पिपरिया गौशाला भेजकर समस्या का समाधान कर दिया गया। गायों का इलाज डॉक्टर द्वारा कराया जाएगा।

इस संबंध में बीडीओ विजय कांत मिश्रा ने बताया कि मामले को जिलाधिकारी की मीटिंग में उठाया जाएगा। वहीं, थाना प्रभारी प्रदीप कुमार राय ने बताया कि मामले की सूचना बंडा थाने पर नहीं दी गई थी। दो लोगों को थाने लाया गया है और उनसे पूछताछ की जा रही है।

मेडिकल कॉलेज में 10 बेड डेंगू मरीज के लिए सुरक्षित

शाहजहांपुर, अमृत विचार: बारिश व बाढ़ के बाद डेंगू और मलेरिया के मरीजों के बढ़ने की आशंका को लेकर मेडिकल कालेज में डेंगू के मरीजों के लिए 10 बेड सुरक्षित कर दिए गए है। लेकिन अभी तक डेंगू का कोई मरीज नहीं आया है। इधर वायरल बुखार और पेट दर्द आदि के मरीजों की संख्या अधिक है। बुखार के मरीजों की खन की जांच करायी जा रही है। इधर ओपीडी में पांच दिन में 9870 पर्चे बने है। मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य ने बताया कि डेंगू के मरीजों के लिए 10 बेड सुरक्षित कर दिए गए है।

उन्होंने कहा कि तेज बुखार आना, सिर में दर्द होना, स्वाद का पता न चलना, शरीर में चकते पड़ना, भूख न लगना, खून की कमी होना आदि डेंगू के लक्षण है। उन्होंने कहा कि पानी को एक स्थान पर जमा न होने दे, कूलर का पानी पांच दिन बाद बदल देना चाहिए, सोते समय मच्छरदानी का प्रयोग करें।

छात्रों ने सीखे आपदा से बचाव के तरीके

संवाददाता, पुवायां

बच्चों को आपदा से बचाव के विषय में बताते पुलिस अधिकारी। ● अमृत विचार

अमृत विचार: प्रशासन के कई विभागों ने एक साथ मिलकर बच्चों को आपदा से बचाव के तरीकों को सिखाया, साथ ही इमरजेंसी होने पर किन नंबरों को डायल कर सहायता ली जा सकती है, इसके बारे में बताया।

शुक्रवार को एसडीएम चित्रा निर्वाल की अध्यक्षता में राना पब्लिक स्कूल में मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। जिसमें दमकल विभाग, स्वास्थ्य विभाग, पुलिस, राजस्व और इंसिडेंट कमांड एंड कम्युनिकेशन पोस्ट के कर्मचारियों ने एक साथ मिलकर आपदा के समय मे किसी भी पीड़ित व्यक्ति की मदद कर उसे बचाने और स्वयं की सुरक्षा करने के तरीकों के बारे में बताया।

इस दौरान दमकल विभाग के अधिकारी आकाश सिंह ने किसी भी इमरजेंसी में सबसे पहले लगाए जाने वाले नंबरों के बारे में बताया। मॉक ड्रिल के दौरान इमारत में फंसे घायल युवक को निकालकर उसकी जिंदगी बचाने के बारे में बताया। इस दौरान स्कूल के डायरेक्टर अवतार सिंह समेत अन्य विभागों के कर्मचारी मौजूद रहे।

पुलिस तलाश करती रही स्टे ले आया सूदखोर विक्की

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: पुलिस सूदखोर विक्की तलाश में जगह- जगह दबिश देती रह गई, इस बीच वह हाईकोर्ट से स्टे ले आया। अब पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठने लगे है।

शहर में दुर्गा इन्कलेव कॉलोनी में बेटे को जहर पिलाने के बाद दंपती ने सूदखोरों से परेशान होकर फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली थी। इस मामले में एसओजी और पुलिस टीमें आरोपी सूदखोर विक्की बग्गा की तलाश करती रही और हाईकोर्ट से स्टे लाकर रोजा थाना में जमा कर दिया। परिवार वालों का कहना है कि पुलिस का ढीलापन रहा है। शिवांगी की मां संध्या ने तीन सूदखोर शैंकी आनंद, विक्की बग्गा और देवांग खन्ना के खिलाफ विभिन्न धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। सुसाइड नोट में बताया था सूदखोरों ने पैसे को लेकर जान से मारने की धमकी दी थी। एसपी ने एसओजी और तीन टीमें लगाई थी। पुलिस ने शैंकी आनंद को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। पुलिस की टीमें आरोपी विक्की बग्गा की तलाश में अमृतसर, दिल्ली आदि स्थानों पर तलाश कर रही थी। पुलिस आरोपी विक्की की तलाश करती रही। वह हाई कोर्ट से गिरफ्तारी स्टे ले आया। प्रभारी निरीक्षक राजीव कुमार ने बताया कि आरोपी विक्की बग्गा हाईकोर्ट से स्टे ले आया है।

बाल शिशु गृह में स्टेशनरी किट बांटी

संवाददाता, शाहजहांपुर

एसपी राजेश द्विवेदी को सामग्री भेंट करते व्यापार मंडल पदाधिकारी। ● अमृत विचार

अमृत विचार : पुलिस अधीक्षक कार्यालय में उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल की ओर से सभी पुलिस थानों में स्थानांतरित महिला पुलिस कर्मियों के लिए बनाए गए बाल शिशु गृह के बच्चों की शिक्षा दीक्षा के लिए स्टेशनरी किट का सहयोग किया गया।

पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी की मौजूदगी में हुए कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष वेद प्रकाश गुप्ता और महानगर अध्यक्ष सचिन बाथम ने किट भेंट की। उन्होंने कहा कि संगठन इस कार्य को अपना सौभाग्य मानता है और भविष्य में हर प्रकार के सहयोग के लिए तत्पर रहेगा। कार्यक्रम के संयोजक महानगर अध्यक्ष सचिन बाथम ने कहा कि जनहित के सभी कार्यों में व्यापार मंडल हमेशा सहयोग के लिए तैयार रहेगा। इस मौके पर एसपी ग्रामीण दीक्षा भावरे अरुण और एसपी सिटी देवेंद्र कुमार ने भी किट स्वीकार करते हुए व्यापार मंडल का मान बढ़ाया। अंत में पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी ने व्यापारियों का आभार जताया। मौके पर प्रान्तीय संयुक्त महामंत्री नारायण दास अग्रवाल, जिला महामंत्री आकाश दीप गुप्ता, युवा जिला अध्यक्ष उवैस हसन खां, महानगर महामंत्री अमित शर्मा, महानगर उपाध्यक्ष सुशील दीक्षित, विवेक सहगल, सरताज अली, मुश्ताक अहमद सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

न्यूज ब्रीफ

हत्या की कोशिश के दोषियों को 10-10 साल की सजा

शाहजहांपुर, अमृत विचार : अदालत ने जघन्य अपराधों में संलिप्त दो आरोपियों को 10-10 वर्ष के कठोर कारावास और65 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। राममोहन और जुगेन्द्र निवासी मोहल्ला मदरौली थाना कांट पर थाने में साल 2027 में केस दर्ज हुआ था। जिसमें आरोप लगाया गया था कि आरोपियों ने गैर कानूनी तरीके से हथियार रखा और लडाई -झगड़े में तमंचे से एक व्यक्ति पर फायर किया। पुलिस ने चार्जशीट कोर्ट में भेजी थी। अब कोर्ट ने फैसला सुनाया है।

डीआरएम आज करेंगे निरीक्षण

शाहजहांपुर, अमृत विचार : मुरादाबाद मंडल के डीआरएम संग्रह मौर्य शनिवार को स्टेशन पर हो रहे अमृत भारत योजना के तहत निर्माण कार्य का निरीक्षण करेंगे। डीआरएम मुरादाबाद से अपने निरीक्षण यान से दिन में 11 बजे यहां पहुंचेंगे। डीआरएम द्वितीय प्रवेश द्वार में हो रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण करेंगें। निरीक्षण को लेकर स्टेशन पर तैयारी चल रही है। यहां निरीक्षण करने के बाद हरदोई और बालामऊ चले जाएंगे।

युवक से पड़ोसियों ने की मारपीट, रिपोर्ट दर्ज

तिलहर, अमृत विचार : मोहल्ला केलरगंज में बुधवार रात शराब के नशे में विवाद के बाद मारपीट का मामला सामने आया। पीड़ित ने पुलिस को तहरीर देकर आरोपियों पर कार्रवाई की मांग की। शिवओम गुप्ता ने बताया 17 सितंबर की रात 9 :30 बजे उनके पुत्र गगन गुप्ता के साथ बैठे थे। उसी दौरान पड़ोसी विनीत गुप्ता नशे में गाली-गलौज करने लगा। विरोध करने पर उसने भतीजे रिशु गुप्ता के साथ मिलकर गगन से मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने विनीत और रिशु गुप्ता के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हाईवे पर कार-बाइक में टक्कर से दो घायल

तिलहर, अमृत विचार : लखनऊ-दिल्ली हाईवे पर शुक्रवार दोपहर कार और बाइक की टक्कर में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को स्थानीय लोगों की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पहुंचाया गया। डॉक्टरों ने जसवंत की स्थिति गंभीर देख उसे राजकीय मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। हादसे में घायल दोनों युवक हरवानपुर निवासी जसवंत और उसके रिश्तेदार राजीव थे। हादसा बिलहरी गांव के पास हुआ। सीएचसी में राजीव का उपचार जारी है।

सावधान! केला को आर्कषक दिखाने के लिए लगा रहे घातक केमिकल

नवरात्रि को लेकर एफएसडीए टीम ने शुरू की बाजार में छापामार कार्रवाई

- केला, कुट्टु आटा, सेंधा नमक, दूध, किशमिश समेत कई नमूने भरे

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

केला पकाने के प्लांट में केला की जांच करते मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी ।

अमृत विचार : नवरात्रि में सबसे ज्यादा खरीदे जाने वाले खाद्य उत्पादों में मिलावटखोरी को रोकने के लिए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) की टीम ने छापा मार कार्रवाई शुरू कर दी है। एफएसडीए टीम ने सबसे ज्यादा व्रत के दौरान खाए जाने वाले केला की जांच पर फोकस करते हुए केला पकाने के सात प्लांटों पर छापा मारकर निरीक्षण किया, जिनमें कुछ प्लांट में केला को पकाने के लिए एथलीन गैस का इस्तेमाल होता पाया गया। इस दौरान यह भी पता चला कि केला को पीला रंग देकर आकर्षक बनाने के लिए पीले रंग का भी प्रयोग किया जा रहा है। मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी बागीश मणि त्रिपाठी की टीम ने केला को मौके पर ही धुलवाया। फिर संदेह के आधार पर रंग की जांच के लिए प्लांटों से चार नमूना केला और एक नमूना रंग का भरकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा है।

सहायक आयुक्त खाद्य चंद्रशेखर मिश्रा के निर्देश पर मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी बागीश मणि त्रिपाठी के नेतृत्व में टीम ने कांट और अटसालिया समेत अलग-अलग स्थानों में संचालित केला पकाने के सात प्लांटों का निरीक्षण किया। इसके बाद एफएसडीए टीम की ओर से चिनौर में दिनेश किराना दुकान से कुट्टु आटा का एक नमूना भरा गया। पराग के चिलिंग सेंटर से दूध का एक नमूना भरा गया। मुन्नूगंज भाटन टोला स्थित पंकज ट्रेडर्स से एक नमूना कुट्टु आटा और एक नमून कुट्टु गिरी का भरा गया। सिंह किराना स्टोर अल्हागंज से एक नमूना ड्राई फ्रूट्स, विजय किराना बंडा से एक नमूना सेंधा नमक का भरा गया। प्रेम कन्फेक्शनरी बीसलपुर रोड निगोही से किशमिश का एक नमूना भरा गया। मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी बागीश मणि त्रिपाठी ने बताया कि इन नमूनों को जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया है, जिसकी रिपोर्ट आने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि नवरात्रि तक इसी तरह छापा मार कार्रवाई जारी रहेगी। इस कार्रवाई के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारी मनोज कुमार मौजूद रहे।

कलान में लगे निःशुल्क नेत्र शिविर में उमड़ी भीड़

- सैकड़ों लोगों ने कराई आंखों की जांच, बांटे गए चश्मे और दवाइयां

संवाददाता, कलान

शिविर का उद्घाटन करते विधायक ।

अमृत विचार : ब्लॉक दवाकारा भवन में गुरुवार को प्रकाश फाउंडेशन एवं श्राफ चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से आयोजित निशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर में सैकड़ों महिला-पुरुषों ने आंखों की जांच कराई। चिकित्सकों ने मरीजों को चश्मे और दवाइयां उपलब्ध कराईं और मोतियाबिंद के मरीजों को प्रकाश फाउंडेशन में ऑपरेशन कराने की सलाह दी।

शिविर का उद्घाटन विधायक हरिप्रकाश वर्मा ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर ब्लॉक प्रतिनिधि राहुल वर्मा, पूर्व ग्राम प्रधान रामगोपाल वर्मा, चेयरमैन हरिनारायण गुप्ता, भाजपा मंडल अध्यक्ष अजय प्रताप सिंह, महामंत्री राघवेंद्र मिश्रा, पूर्व मंडल अध्यक्ष संजय सिंह, शुभम सक्सेना, भाजपा युवा मोर्चा अध्यक्ष संदीप गुर्जर, सहित अन्य लोग मौजूद रहे। प्रकाश फाउंडेशन के चिकित्सक डॉ. जावेद, अमित राठौर, विपिन पांडे, भावना द्विवेदी, अनीता यादव आदि देर शाम तक नेत्र परीक्षण करते रहे।

इधर भीड़ अधिक होने और धक्का-मुक्की की स्थिति बनने पर कलान थाने के एसआई अजय पाल सिंह और हेड कांस्टेबल मनोज राजपूत को मौके पर लगाया गया।

सड़क पर भरे पानी में मिला युवक का शव

पीलीभीत, अमृत विचार : सड़क किनारे भरे पानी में एक युवक का शव मिला। शव देखकर मौके भीड़ जमा हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को निकलवाने के बाद उसे पोस्टमार्टम को भेज दिया गया है।

मामला सदर कोतवाली क्षेत्र के राणा कॉलोनी का है। शुक्रवार सुबह एक युवक का शव सड़क पर पड़ा मिला। जिस जगह शव मिला, वहां पर पानी भी भरा हुआ था। शव पड़े होने की सूचना पर काफी भीड़ एकत्र हो गई। सूचना पुलिस को दी गई तो कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मृतक की पहचान कराने के प्रयास किए। मृतक की पहचान राणा कॉलोनी निवासी इंद्रजीत (40) के रूप में हुई। पुलिस की सूचना के बाद परिजन भी मौके पर पहुंच गए। परिजनों ने बताया कि मृतक शुक्रवार सुबह घर से निकला था। पुलिस के मुताबिक मृतक नशे का आदि था। मृत सुबह पौने 11 बजे घटनास्थल के पास से ही लड़खड़ाता हुआ जाता दिखाई दे रहा है। पुलिस ने सीसी कैमरे की फुटेज को भी कब्जे में ले लिया है।

आरा मशीन पर छापेमारी इमारती लकड़ी बरामद

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचारः सामाजिक वानिकी प्रभाग की टीम ने पूरनपुर में एक आरा मशीन पर छापेमारी की। इस दौरान टीम ने आरा मशीन पर जलौनी लकड़ी के साथ इमारती लकड़ी बरामद की। टीम ने लकड़ी को जब्त करते हुए आरा मशीन को सील कर दिया। इस मामले में सामाजिक वानिकी प्रभाग की ओर से आरा मशीन संचालक के विरुद्ध केस दर्ज किया गया है।

पूरनपुर तहसील क्षेत्र में अवैध कटान की घटनाएं लगातार सामने आ रही है। बीती रात सामाजिक वानिकी प्रभाग के डीएफओ भरत कुमार डीके को पूरनपुर में आम के पेड़ों के अवैध कटान की सूचना मिली थी। जिसके बाद डीएफओ ने सामाजिक वानिकी पूरनपुर रेंज को कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे। सामाजिक वानिकी प्रभाग पूरनपुर रेंज के क्षेत्रीय वनाधिकारी सोवरन लाल ने शुक्रवार को टीम के साथ पूरनपुर स्थित अखलाक अहमद आरा मशीन पर छापेमारी की। टीम ने जांच के दौरान आरा मशीन से 150 क्विंटल जलाऊ लकड़ी और 9 घन मीटर इमारती लकड़ी बरामद कर जब्त कर ली। अवैध लकड़ी मिलने पर टीम ने आरा मशीन को सील कर दिया। टीम में डिप्टी रेंजर कपिल कुमार, वनरक्षक सुरजीत कुमार, बिजेंद्र कुमार आदि शामिल रहे। इस मामले में आरा मिल संचालक के विरुद्ध वृक्ष संरक्षण अधिनियम और आरी मिल स्थापना एवं विनियमन नियमावली के तहत मामले दर्ज किए गए हैं।

सिमरिया से बगैर परमिट कटान कर लाई गई थी लकड़ी

पूरनपुर के घुंघचिहाई थाना क्षेत्र के सिमरिया में बगैर परमिट आम के 10 पेड़ों का कटान किया गया था। बताते हैं कि रातों रात लकड़ी को अखलाक अहमद की आरा मशीन पर चिरान के लिए पहुंचा दिया था। आरा मशीन पर छापेमारी से पूर्व सामाजिक वानिकी प्रभाग की टीम ने गांव सिमरिया पहुंचकर मामले की जांच की। इसी दौरान पूछताछ में लकड़ी को ठिकाने लगाने के लिए आरा मशीन पर पहुंचाने की बात सामने आई। जिसके बाद टीम ने बाग मालिक और लकड़ी ठेकेदार असलम के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज कराई

फ्रेंच, जर्मन, स्पैनिश भाषाओं से रोजगार के अवसर पाएं छात्र

- विदेशी भाषाबहुभाषीय अध्ययन केन्द्र में नव-प्रवेशित छात्रों के लिय विशेष सत्र का आयोजन
- ताइवान सरकार से छात्रों को मिलने वाली छात्रवृत्ति से भी नव-प्रवेशित छात्रों को अवगत कराया

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचारः रुहेलखंड विश्वविद्यालय के बहुभाषीय अध्ययन केंद्र में नव-प्रवेशित छात्रों के लिए एक विशेष सत्र का आयोजन किया गया। महाराजा रणजीत सिंह विश्वविद्यालय, हरियाणा से हिंदी विशेषज्ञ डॉ. मंजु लता ने कहा कि आज के समय में फंक्शनल हिंदी की मांग लगातार बढ़ रही है। विज्ञापन लेखन, मीडिया, पॉडकास्ट, स्क्रिप्ट राइटिंग, क्रिएटिव राइटिंग और अनुवाद जैसे क्षेत्रों में हिंदी भाषा की उपयोगिता अत्यधिक है और इसमें निपुण विद्यार्थी अनेक रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकते हैं।

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी से फ्रेंच भाषा विशेषज्ञ डॉ. पियूष चौबे ने कहा कि फ्रेंच भाषा विश्वभर की शिक्षा, पर्यटन, व्यवसाय और कूटनीतिक संबंधों की एक प्रमुख भाषा है। इसका अध्ययन छात्रों को बहुराष्ट्रीय कंपनियों, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों और शिक्षण संस्थानों में रोजगार की असीम संभावनाएं प्रदान करता है।

जर्मन भाषा विशेषज्ञ डॉ. रजनीश गुप्ता ने कहा कि यह भाषा न केवल यूरोप में उच्च शिक्षा और शोध की प्रमुख भाषा है बल्कि तकनीकी और इंजीनियरिंग क्षेत्रों में भी इसका व्यापक उपयोग होता है। ताइवान से आईं मंदारिन भाषा विशेषज्ञ मिस चियाली चेन ने मंडारिन को विश्व की सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषाओं में से एक बताते हुए कहा कि इसका ज्ञान छात्रों को चीन के साथ व्यापार, तकनीकी सहयोग और अंतरराष्ट्रीय संबंधों के क्षेत्र में आगे बढ़ाता है। उन्होंने ताइवान सरकार से छात्रों को मिलने वाली छात्रवृत्ति से भी नव-प्रवेशित छात्रों को अवगत कराया।

वीआईटी, वेल्लोर से ऑनलाइन जुड़े स्पैनिश भाषा विशेषज्ञ डॉ. सब्यसाची मिश्रा ने कहा कि स्पैनिश आज विश्व की दूसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है। यह भाषा लैटिन अमेरिका और यूरोप के अनेक देशों में शिक्षा, पर्यटन, अनुवाद और व्यवसाय का आधार है।

विदेशी भाषा सीखने से छात्रों को मिलेगा वैश्विक मंच

भारतीय विद्यार्थियों के लिए स्पैनिश सीखना वैश्विक मंच पर एक बड़ी पहचान बनाने का अवसर है क्योंकि इसके माध्यम से वे अनेक महाद्वीपों में करियर की संभावनाएं तलाश सकते हैं। मानविकी विभागाध्यक्ष एवं बहुभाषीय अध्ययन केंद्र की समन्वयक डॉ अनीता त्यागी ने सभी छात्रों को विदेशी भाषाओं की प्रासंगिकता, पाठ्यक्रम की अवधि, मूल्यांकन प्रणाली, तथा रोजगारोन्मुख अवसरों से संबंधित उपयोगी जानकारियां साझा कीं। छात्रों को विभाग की भाषा प्रयोगशाला एवं विभागीय पुस्तकालय का भ्रमण भी कराया गया। जानकारी के मुताबिक बहुभाषीय अध्ययन केन्द्र में संचालित फ्रेंच, जर्मन, मंदारिन और स्पैनिश भाषाओं के डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया जारी है, जिसकी अंतिम तिथि 30 सितंबर है।

पोषण पोटली मिलने से तेजी से ठीक हो रहे टीबी मरीज

- उड़ान एक उम्मीद संस्थानने सीएमओ कार्यालय में बांटी 20 पोटलियां

टीबी मरीजों को पोषण पोटली वितरित करने पहुंचीं संस्थाओं की पदाधिकारी।

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचारः उड़ान एक उम्मीद संस्थान ने सीएमओ कार्यालय पहुंचकर विहास डेवलपमेंट सोसाइटी के साथ मिलकर 20 पोषण पोटली टीबी मरीजों को बांटी। सरकार की ओर से मरीजों को मुफ्त दवाएं और जांच तो मिल जाती हैं, लेकिन उचित पोषण न मिलने से मरीज जल्दी ठीक नहीं हो पाते। इसी को देखते हुए उड़ान संस्था पिछले एक वर्ष से यह अभियान चला रही है।

संस्थान की ओर से पहले 10 मरीजों को गोद लिया जाता है और उन्हें छह माह तक पोषण पोटली दी जाती है। जब वे ठीक हो जाते हैं तो अन्य 10 मरीजों को गोद लिया जाता है। इस बार विहास डेवलपमेंट सोसाइटी भी इस मुहिम से जुड़ गई है और उन्होंने भी अपनी ओर से पोषण पोटली देना शुरू किया है। इसके चलते इस बार कुल 20 मरीजों को पोटली दी गई। उड़ान की अध्यक्ष नीलम गुप्ता ने बताया कि संस्था यह कार्य निरंतर करती रहेगी। इस अवसर पर विहास डेवलपमेंट सोसाइटी की अध्यक्ष भावना पांडे, सीएमओ डॉ. विवेक कुमार मिश्रा, भाजपा जिलाध्यक्ष शिल्पी गुप्ता, उड़ान एक उम्मीद संस्था की उपाध्यक्ष रेखा मोदी, मीडिया प्रभारी रश्मि गुप्ता और टीबी कॉर्डिनेटर आरती सिंह मौजूद रहे।

सड़क पर छुट्टा पशुओं की भरमार

शाहजहांपुर, अमृत विचार : गोशालाएं होने के बाद भी सड़क पर छुटटा पशुओं की भरमार है। दिनभर खेतों में नुकसान पहुंचाने के बाद पशु सड़क के किनारे आकर बैठ जाते है। इनकी वजह से वाहन चालक हादसे का शिकार हो रहे है। कई बार पशु भी वाहनों से टकराकर घायल हो जाते है।

पेरियार रामास्वामी की मनाई जयंती

शाहजहांपुर, अमृत विचारः पुवायां रोड पर बुद्ध बिहार में बुद्धिस्ट सोसाइटी ऑफ इंडिया ने समाज सुधारक पेरियार रामास्वामी नायकर जयंती मनाई।

सोसायटी के संरक्षक मलखान सिंह दिनकर ने कहा कि पेरियार रामास्वामी नायकर का मानना था कि शादियों व मृतक भोज आदि में फिजूल खर्च न करके बच्चों की शिक्षा पर खर्च करें। मुख्य अतिथि के रुप में सोसायटी के पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष रामसेवक गौतम ने कहा कि पेरियार रामास्वामी नायकर ने समाज में व्याप्त नशाखोरी के विरुद्ध जनजागरण का कार्य किया। इसकी शुरुआत उन्होंने अपने बाग में लगे हजारों ताड़ी के पेड़ काटकर की, जिससे उन्हें काफी आर्थिक नुकसान हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कवि ज्ञानेंद्र मोहन ज्ञान ने कहा कि पेरियार रामास्वामी नायकर बचपन से ही तार्किक सोच के थे।

ददरौल विधायक ने पीड़ित परिवारों को दी सहायता

संवाददाता, रौसर कोठी

अमृत विचारः विकास खंड ददरौल के ग्राम घुसुवारी में गत दिवस गर्रा नदी में डूबने से हुई दो युवकों कमल कश्यप और रिंकू गौतम की मौत से पूरा गांव शोकाकुल है। शुक्रवार को ददरौल विधायक अरविंद सिंह ने पीड़ित परिवार से मुलाकात की और उन्हें सांत्वना दी।

विधायक ने तहसील प्रशासन के साथ मिलकर मृतकों के परिजनों को चार-चार लाख रुपये की आर्थिक सहायता के प्रतीकात्मक चेक दिए और उनके परिवार को आर्थिक राहत दी।

इस मौके पर शोक संतप्त परिवार की महिलाएं आंसू नहीं रोक सकीं। पीड़ित मां को ढांढस बंधाते हुए विधायक अरविंद सिंह ने उन्हें गले लगाकर हिम्मत दी और आश्वासन दिया कि हर संभव मदद आगे भी जारी रहेगी।

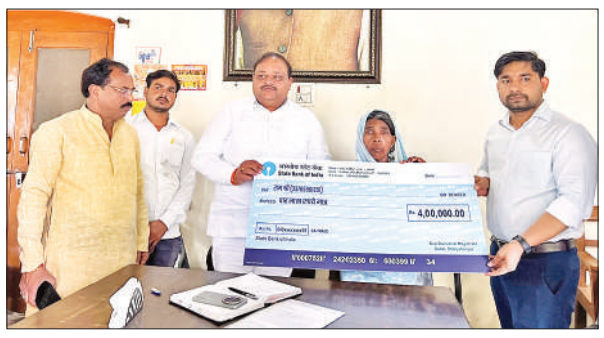

चेक सौंपते विधायक अरविंद सिंह। ● अमृत विचार

Lifelines MEDICAL OF BAREILLY अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005
● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस ईलाज
बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ

हर्षिल हॉस्पिटल
क्रिटिकल केयर एण्ड पेन सेन्टर
डॉ. हिमांशू वर्मा
MBBS, MD, FICM, FIPM
क्रिटिकल केयर एवं पेन फिजिशियन
Advanced ICU & OT 24x7 Emergency Operation | TPA/कैशलेस की सुविधा उपलब्ध
पताः- प्लाट नं. 4 राघव पेट्रोल पम्प के सामने, बुखारा, बरेली
Mob : 9458702280, 8937810741

ADITYA आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा
अल्ट्रासाउण्ड द्वारा पर्दे की जांच की सुविधा उपलब्ध
IOL Master 700 द्वारा लेंस का नम्बर
लेजर द्वारा आँख की झिल्ली हटाने की सुविधा उपलब्ध
बी-स्कैन द्वारा पर्दे की जाँच उपलब्ध
OCT द्वारा काला पानी एवं पर्दे की जाँच व उपचार
80000 से अधिक आँखों के ऑपरेशन का अनुभव
TPA सुविधा उपलब्ध
8077344353
समय :- प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री ऑपरेशन की सुविधा
डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT, REFRACTIVE & GLAUCOMA SURGEON
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

आयोजन

स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान : टीकाकरण एवं शिशु स्वास्थ्य जागरूकता शिविर आयोजित

टीके बच्चों को जानलेवा बीमारियों से बचाने में सहायक : डा . ऐश्वर्या

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखंड हॉस्पिटल में हुए कार्यक्रम में डॉक्टर्स व स्टाफ। ● अमृत विचार

अमृत विचारः वरुण अर्जुन विवि बंथरा शाहजहांपुर के अंतर्गत संचालित वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखंड हॉस्पिटल में "स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान 2025" के तीसरे दिन "टीकाकरण एवं शिशु स्वास्थ्य जागरूकता शिविर" का आयोजन बाल रोग विभाग की ओर से हुआ। डॉ. ऐश्वर्या ने माताओं को राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम के बारे में बताया। उन्होंने कहा, टीके बच्चों को खसरा, पोलियो, टिटनेस, डिप्थीरिया, काली खांसी, हेपेटाइटिस बी जैसी जानलेवा बीमारियों से बचाते हैं। इसलिए बच्चों का समय से टीकाकरण कराए। एक स्वस्थ और सशक्त समाज की नींव एक स्वस्थ और सशक्त परिवार से ही बनती है। और परिवार की धुरी होती है नारी। जब नारी स्वस्थ होती है, तो वह न केवल अपने परिवार का बेहतर पोषण कर पाती है, बल्कि आने वाली पीढ़ी को भी स्वस्थ और मजबूत बना सकती है। इसी महत्वपूर्ण विचार को ध्यान में रखते हुए बाल रोग विभाग ने "स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान" का आयोजन किया। डॉ. चिराग कुंडू ने विकास निगरानी सत्र का संचालन किया। उन्होंने बच्चों की लंबाई, वजन और सिर की परिधि जैसे मापदंडों का उपयोग करके उनके विकास का आकलन किया। इस दौरान उन्होंने माताओं को शिशु वृद्धि चार्ट का महत्व समझाया। उन्होंने अभिभावकों को नियमित रूप से बच्चों के विकास की निगरानी करने और यदि कोई चिंताजनक संकेत दिखाई दे, तो तुरंत डाक्टर से संपर्क करने की सलाह दी।

डॉ. अभीषान दुहान ने 0-2 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए उचित पोषण पर एक विशेष और अत्यंत महत्व के बारे में बताया। उन्होंने समझाया कि नवजात शिशु के लिए मां का दूध अमृत समान है, जो उसे सभी आवश्यक पोषक तत्व और रोग प्रतिरोधक क्षमता प्रदान करता है। डॉ. ऐश्वर्या ने राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत बच्चों की स्क्रीनिंग और रेफरल के बारे में जानकारी दी । डॉ. आदित्य कुमार ने कोल्ड चेन प्रणाली और उसके उपकरणों का एक लाइव प्रदर्शन किया। उन्होंने बताया कि कोल्ड चेन टीकों की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए कितनी महत्वपूर्ण है। इस प्रदर्शन में उन्होंने विशेष रेफ्रिजरेटर, वैक्सीन कैरियर और कोल्ड बाक्स जैसे उपकरणों को दिखाया। अभियान का संचालन बाल रोग विभाग के विभागाध्यक्ष डा. अविनाश लुकडे तथा सीनियर रेजिडेंट डा. विंध्या श्रीवास्तव के कुशल नेतृत्व में हुआ। उनके साथ विभाग के समस्त फैकल्टी सदस्य डा. संजीव कुमार राय, डा. भूषण गुप्ता, डा. आलोक सिंह और जूनियर रेजिडेंट्स डा. मयंक यादव, डा. योगेश पाठक और डा. ॠषिका कुमावत ने भी सक्रिय रूप से भाग लिया।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर वरुण अर्जुन विश्वविद्यालय के वरिष्ठ प्रबंधन चांसलर डॉ. केशव कुमार अग्रवाल, प्रो-चांसलर डॉ. अशोक अग्रवाल और वाइस चांसलर डॉ. किरन अग्रवाल ने एक संयुक्त वक्तव्य जारी किया। उन्होंने कहा "हम सभी इस शिविर की सफलता पर गर्व महसूस करते हैं। "स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान" वरुण अर्जुन मेडिकल कालेज एवं रोहिलखंड अस्पताल के बाल रोग विभाग द्वारा समाज के प्रति एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी का निर्वहन है। यह अभियान एक अनुकरणीय मॉडल है जो दिखाता है कि कैसे स्वास्थ्य शिक्षा और सेवाओं को एकीकृत करके एक स्वस्थ और जागरूक समाज का निर्माण किया जा सकता है। एक स्वस्थ नारी ही एक स्वस्थ परिवार की निर्माता होती है, और एक स्वस्थ परिवार से ही एक सशक्त राष्ट्र का निर्माण होता है। यह अभियान इस विचार को एक नई दिशा देता है और भविष्य में इस तरह की और पहलों को प्रेरित करने की क्षमता रखता है। यह न केवल बच्चों के जीवन को बेहतर बनाएगा, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी एक मजबूत नींव रखेगा।" कार्यक्रम में रोहिलखंड अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. पीएस पवार, उप- चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अमित कुमार सिंह, कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के विभागाध्यक्ष डा. धर्मेन्द्र कुमार गुप्ता, प्रशासनिक अधिकारी ललित चौहान, गुड़वक्ता अधिकारी डॉ. शिवानी गुप्ता समेत कई वरिष्ठ चिकित्सक, नर्सिंग स्टाफ और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं सक्रिय रूप से शामिल हुए।

न्यूज ब्रीफ

आज बिल्सी में होगा संपूर्ण समाधान दिवस

बदायूं, अमृत विचार : जिलाधिकारी कार्यालय से प्राप्त सूचना के अनुसार शनिवार को तहसील बिल्सी में जिलाधिकारी अवनीश राय की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया जाएगा। जिसमें प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापरक व समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित कराया जाएगा। इस अवसर पर जनपद स्तरीय अधिकारी मौजूद रहेंगे।

स्कूल के बच्चों को बांटी क्रिकेट किट

उघैती, अमृत विचार : सामाजिक संस्था एसएल फार्मेटेक्स लिमिटेड कंपनी ने शहर बरौलिया स्थित सिद्ध बाबा इंटर कॉलेज के स्कूली छात्रों को क्रिकेट किट प्रदान की। किट वितरण के दौरान कंपनी के डायरेक्टर ऋषभ रोरिया, विद्यालय के प्रधानाचार्य राजकुमार शर्मा, नीरज चौहान, विपलव भारती, रामौतार मौर्य, प्रवीण मिश्रा, अनमोल शर्मा और प्रमोद शर्मा सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

युवक ने विषाख्त पदार्थ खाया, अस्पताल में मौत

बदायूं, अमृत विचार : अलापुर थाना क्षेत्र के गांव उनौला निवासी अवधेश पुत्र कृष्णपाल की 17 सितंबर की शाम तबीयत अचानक बिगड़ गई। परिजन उन्हें शहर के निजी अस्पताल लेकर आए। चिकित्सक ने बताया कि उन्होंने विषाख्त पदार्थ खा लिया है। इलाज के दौरान अवधेश की मौत हो गई। मृतक के पिता ने अस्पताल संचालक पर लापरवाही का आरोप लगाया। कहा कि चिकित्सक ने 15 हजार रुपये जमा कराकर इलाज शुरू किया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मौत के बाद परिजनों में कोहराम मचा है।

चाचा-भतीजे के घर से हजारों रुपये की चोरी

उझानी, अमृत विचार : चोरों ने गुरुवार रात उझानी कोतवाली क्षेत्र के गांव नसरुल्लापुर निवासी चाचा-भतीजे के घर से नगदी समेत हजारों के आभूषण चोरी कर लिया। गांव निवासी सत्यवान सिंह व अर्जुन यादव चाचा-भतीजे हैं। दोनों एक ही घर में अलग-अलग कमरों में रहते हैं। अर्जुन रात को अपने कमरे में सो रहे थे। रात में चोर घर में घुस गए। कमरे में रखे सोने के आभूषण, 24 हजार रुपये चोरी कर लिए। इसके अलावा उनके चाचा सत्यवान के कमरे से चांदी की पायल व झूले, छह हजार रुपये चोरी किर लिए। पीड़ितों ने पुलिस को तहरीर देकर खुलासे की मांग की है।

जिले में 12 प्रतिशत कार्ड में दर्ज यूनिट की नहीं हो सकी ई-केवाईसी, 25 सितंबर तक का दिया समय

केवाईसी न कराने वाले राशन कार्ड धारकों का रुका खाद्यान्न

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : केवाईसी न कराने वाले कार्ड धारकों के खिलाफ अब सख्ती शुरू हो गई है। केवाईसी न कराने वाले राशन कार्ड में दर्ज 282834 लोगों का राशन रोक दिया गया है। जिला पूर्ति विभाग की ओर से 25 सितंबर तक केवाईसी कराने के आदेश दिए गए हैं। केवाईसी कराने के बाद ही उन्हें राशन मिल सकेगा।

राशन कार्ड में दर्ज सभी यूनिट (सदस्यों) की ई-केवाईसी का अभियान करीब छह महीने से चल रहा है। कार्डधारकों को यूनिटों की ई-केवाईसी कराने के लिए लगातार जागरूक भी किया गया। लेकिन राशन कार्ड धारक केवाईसी कराने में लापरवाही बरत रहे हैं। केवाईसी न कराने पर पूर्ति विभाग द्वारा कई बार राशन रोके जाने की चेतावनी दी गई थी। परंतु कार्ड धारकों के द्वारा चेतावनी पर ध्यान नहीं दिया गया। अब सितंबर माह में हो रहे राशन वितरण के दौरान 282,834 लोगों का राशन रोक दिया गया है। उन्हें राशन नहीं दिया जा रहा है। पूर्ति विभाग की ओर से चेतावनी दी गई है। कि 25 सितंबर तक लोगों

- ई-केवाईसी करने के बाद ही मिलेगा खाद्यान्न, न कराने पर कटेगा नाम

के द्वारा केवाईसी नहीं कराई तो उनका नाम राशन कार्ड से काट दिया जाएगा। वहीं राशन न मिलने की वजह से लोगों में हडकंप वाली स्थिति है। लोग जिले में 1276 राशन की दुकानों पर 5,46,387 राशन कार्ड धारक हैं। इन कार्ड में 23,56,946 लोगों की संख्या दर्ज है। इनमें पात्र गृहस्थी के 5,01,233 कार्ड में 22,18,909 यूनिट दर्ज हैं। वहीं अंत्योदय कार्डधारक 45,154 में 13,8,037 यूनिट दर्ज हैं। विभाग के अनुसार 5.46 लाख में 2,074,112 लोगों के द्वारा केवाईसी करा ली गई है। लेकिन 282,834 लोगों के द्वारा केवाईसी नहीं कराई गई है। केवाईसी न कराने पर इन लोगों का राशन रोक दिया गया है। साथ ही चेतावनी दी है कि निर्धारित तिथि 25 सितंबर तक केवाईसी न कराने पर नाम काट दिया जाएगा।

> अब तक जिले ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में 88 प्रतिशत लोगों ने केवाईसी करवाई है। 12 प्रतिशत ऐसे लोग हैं जिनके द्वारा अब तक केवाईसी नहीं कराई गई है। केवाईसी कराने के लिए इन लोगों को कई मौके मिले थे। केवाईसी न कराने वालों का राशन रोक दिया गया है। लोग कोटेदार के यहां केवाईसी करा सकते हैं। केवाईसी कराने के बाद ही राशन दिया जाएगा।
>
> - सतीश चंद्र मिश्रा, जिला पूर्ति अधिकारी

आंकड़ों पर एक नजर

कार्डधारकों की संख्या	5,46,387
लाभार्थियों की संख्या	23,56,946
पात्र गृहस्थी कार्डधारक	5,01,233
पात्र गृहस्थी के लाभार्थी	22,18,909
अंत्योदय कार्डधारक	45,154
अंत्योदय लाभार्थी	13,8,037

बंद स्कूल में मिला छात्र का शव, हत्या का आरोप

संवाददाता, मुजरिया

अमृत विचार : मुजरिया थाना क्षेत्र के गांव परमू निवासी रामबहादुर गांव के बाहर स्कूल चलाते थे। तकरीबन दो साल पहले उन्होंने स्कूल बंद कर दिया था। इसके बाद से वह खेती करने लगे थे। वह स्कूल के भवन में भूसा रखते थे। गुरुवार को उनका इंटरमीडिएट में पढ़ने वाला बेटा अंशू शर्मा (18) भूसा लेने लिए बंद पड़े स्कूल में गया था। वह काफी देर तक वापस नहीं लौटा तो देर रात रामबहादुर रात लगभग 10 बजे तलाश में गए। अंशू शर्मा बंद पड़े स्कूल में बेसुध हालत में मिले।

- पशुओं के लिए भूसा लेने गया था मुजरिया के गांव परमू का अंशू

परिजन उन्हें सहसवान के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। यहां चिकित्सक ने अंशू को मृत घोषित कर दिया। परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। यहां परिजनों ने बताया कि अंशू शर्मा के हाथ-पैर में चोट के निशान और दांत टूटे हुए थे। नाक से भी खून निकल रहा था। इससे परिजनों ने अंदेशा लगाया कि अंशू की पीट-पीटकर हत्या की गई है। परिजनों ने पोस्टमार्टम हाउस पर हंगामा किया और गिरफ्तारी की मांग की।

चोर गिरोह के तीन सदस्य मुठभेड़ में किए गिरफ्तार

जरीफनगर क्षेत्र में ग्राम पंचायत भवनों और डेयरी से की थी चोरी

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : जरीफनगर पुलिस ने मुठभेड़ के बाद चोरी करने वाले गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस को देखते ही आरोपियों ने फायरिंग की थी। पुलिस ने जवाब में फायरिंग की। एक बदमाश के दाहिने पैर में घुटने के नीचे गोली लगी। पुलिस ने घायलों का इलाज कराया। उनके पास से चोरी का माल बरामद हुआ। आरोपियों को जेल भेजा गया है।

कुछ समय से जरीफनगर क्षेत्र की ग्राम पंचायत के भवनों में ताले तोड़कर इंवर्टर, बैट्रे, कंप्यूटर, सीसीटीवी कैमरे आदि और घरों व डेयरी से इंवर्टर, बैट्रे, दूध की रेट मशीन, मोबाइल आदि चोरी की घटनाएं बढ़ी थीं। पीड़ितों की तहरीर पर पुलिस ने 18 सितंबर को अज्ञात में रिपोर्ट दर्ज की थी। एसएसपी के निर्देश पर खुलासे के लिए टीमों का गठन किया गया। गुरुवार रात जरीफनगर थाने के कार्यवाहक प्रभारी सतेंद्र कुमार को सूचना मिली कि गांव करियावेन स्थित डेयरी और गांव जरैठा के पंचायत भवन से चोरी करने

मुठभेड़ में गोली लगने से घायल आरोपी।

- पुलिस को देखते ही की फायरिंग जवाब में पुलिस ने भी चलाई गोली

वाले लोग सामान बेचने की फिराक में हैं। वह चोरी का सामान लेकर बाइक से कहीं बेचने गांव बागवाले से समसपुर कुबरी लिंक रोड से जाने वाले हैं। कार्यवाहक प्रभारी मुखबिर के बताए मार्ग पर पहुंचे और बदमाशों की तलाश शुरू की। इसी दौरान एक बदमाश ने जान से मारने की नीयत से पुलिस पर फायरिंग की। पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की। एक बदमाश के दाहिने पैर मे गोली लगी। वह जमीन पर गिर गया। पुलिस ने उसे पकड़ लिया। उसके पास से एक तमंचा, एक जिंदा व तीन खोखा कारतूस मिले। चोरी का कुछ माल बरामद हुआ। उसने अपना नाम संभल के थाना जुनावई क्षेत्र के गांव रजवाना निवासी नेमपाल बताया। पुलिस ने उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया। इसके बाद पुलिस ने उसके साथी उसी के गांव निवासी सत्यदेव, थाना उघैती क्षेत्र के गांव गुरेठा निवासी जितेश को भी गिरफ्तार किया। उनके पास से एक डीवीआर मय सीसीटीवी कैमरा, एक इंवर्टर, दूध की रेट वाली मशीन, एक बाइक और एक फोन बरामद हुआ।

शातिर बदमाश है नेमपाल

मुठभेड़ में पकड़ा गया नेमपाल बहुत ही शातिर किस्म का बदमाश है। उसपर बदायूं के थाना जरीफनगर, सहसवान के अलावा जिला संभल के थाना गुन्नौर, रजपुरा, गौतमबुद्धनगर में आबकारी अधिनियम, चोरी, जानलेवा हमला, धोखाधड़ी, आर्म्स एक्ट, मारपीट, गुंडा एक्ट, चोरी, आयुध अधिनियम के 24 मामले दर्ज हैं। सत्यदेव पर आयुध अधिनियम का एक मामला 2023 में दर्ज हुआ था।

चार साल की बच्ची से विद्यालय परिसर में दुष्कर्म

संवाददाता, आसफपुर/ओरछी

- अवकाश होने पर बच्ची को खींचकर भीतर ले गया आरोपी
- हिंदू संगठनों के हंगामा करने पर पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

अमृत विचार : आसफपुर चौकी की लापरवाही का खामियाजा थाने पर पुलिस को भुगतना पड़ा। चार साल की बच्ची को टॉफी का लालच देकर प्राथमिक विद्यालय परिसर ले जाकर दुष्कर्म की शिकायत पर चौकी पुलिस ने कार्रवाई नहीं की तो लोग थाने पहुंचे और हंगामा किया। पुलिस ने जैसे-तैसे लोगों का समझाया। सीओ बिसौली सुनील कुमार सिंह के पहुंचने के बाद पीड़िता के चाचा की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। परिजनों और हिंदू संगठनों का कहना है कि आरोपी को गिरफ्तार नहीं किया तो आंदोलन किया जाएगा।

मामला थाना फैजगंज बेहटा की पुलिस चौकी आसफपुर क्षेत्र के एक गांव का है। गांव निवासी चार साल की बच्ची गांव के प्राथमिक विद्यालय में कक्षा एक में पढ़ती है। गुरुवार को विद्यालय का अवकाश हो गया। बच्चे घर जा रहे थे। इसी दौरान गांव का लड़का विद्यालय परिसर में आया और बच्ची को खींचकर विद्यालय परिसर ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया।

उस दौरान प्रधानाध्यापक ब्लॉक संसाधन केंद्र पर गए थे जबकि एक शिक्षक मोहम्मद सलीम विद्यालय में ही मौजूद थे।

थाने पर हंगामा कर रहे लोगों को समझाते थाना प्रभारी रामेंद्र सिंह। ● अमृत विचार

> मामला संज्ञान में आया है। पुलिस मामले की जांच करेगी। विद्यालय के शिक्षक की भूमिका को लेकर भी विभागीय जांच कराई जाएगी। जिसके आधार पर आगे की कार्रवाई होगी।
>
> - वीरेंद्र कुमार सिंह, बीएसए

आरोप है कि शिक्षक ने आरोपी को भगाने में सहयोग किया। जिसके चलते बच्ची आरोपी को नहीं पहचान सकी। बच्ची घर पहुंची।

उसे रक्तस्त्राव हो रहा था। उसने परिजनों को घटना के बारे में बताया। परिजन बच्ची को लेकर आसफपुर चौकी पहुंचे। जहां चौकी प्रभारी ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई नहीं की और परिजनों को फटकारकर भगा दिया। आरोप है कि पुलिस ने तहरीर बदलवाने का प्रयास किया। चौकी पुलिस के कार्रवाई न करने पर परिजनों ने विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के स्थानीय पदाधिकारियों को मामले से अवगत कराया। हिंदू संगठनों के पदाधिकारी पीड़ित परिवार को लेकर थाने गए और हंगामा किया। चौकी इंचार्ज को निलंबित करने की मांग की। थानाध्यक्ष रामेंद्र सिंह ने समझाने पर लोग मान गए। मामले में रिपोर्ट दर्ज करके जांच शुरू कर दी है।

ड्रामा कहने को लेकर बिगड़ा मामला

हिंदू संगठनों के पदाधिकारी शिकायत लेकर थाने पहुंचे तो किसी पुलिसकर्मी ने कह दिया कि यह क्या ड्रामा मचा रखा है। जिसके चलते मामला बिगड़ गया। पदाधिकारियों ने जमकर हंगामा किया। पुलिसकर्मी समझाते रहे लेकिन गुस्साए पदाधिकारी किसी की बात सुनने को तैयार नहीं थे। कहा कि पुलिस को लोगों का थाने आना ड्रामा लगता है क्या। इसी बीच पुलिस ने कहा कि इस प्रकार से दवाब बना रहे तो ड्रामा ही है न। परिजन तहरीर देंगे तभी तो रिपोर्ट दर्ज की जाएगी। इसके बाद पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की।

आसफपुर चौकी प्रभारी पर उठते रहे हैं सवाल

लोगों का कहना है कि आसफपुर पुलिस चौकी के प्रभारी पर शुरू से ही सवाल उठते रहते हैं। पिछले छह महीने की बात की जाए तो कई चोरियां हुई हैं। क्षेत्र में जुआ के अड्डे संचालित होने का वीडियो भी वायरल हुए हैं। अब बच्ची के साथ दुष्कर्म के मामले को भी चौकी प्रभारी ने गंभीर नहीं माना और फटकार लगाकर भगा दिया। अधिकारियों को सूचित करना भी मुनासिब नहीं समझा। आरोप है कि चौकी प्रभारी ने मामला दबाने का प्रयास किया।

युवक की मौत, महिला मित्र पर आरोप

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : उघैती थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक के परिजनों ने बेटे की महिला मित्र और उसके परिजनों पर विषाक्त पदार्थ देकर हत्या करने का आरोप लगाया।

दीपक।

गांव सोनिया खेड़ा निवासी दीपक (25) पुत्र भीकम सिंह कस्बा बिसौली में मोबाइल फोन की दुकान पर काम करते थे। परिजनों के अनुसार लगभग डेढ़ साल पहले युवक की बात सोशल साइट्स के माध्यम से एक महिला मित्र से हुई थी। जो दातागंज कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में रहती थी। महिला का उसके पति से विवाद चल रहा था।

मौत की सूचना पर फारेंसिक टीम ने संकलित किए साक्ष्य। ● अमृत विचार

- महिला मित्र पर परिजनों ने लगाया विषाक्त पदार्थ देने का आरोप

परिजनों ने बताया कि गुरुवार को महिला ने दीपक को फोन करके अपने घर पर बुलाया था। दोपहर के समय दीपक ने अपनी बहन को फोन करके बताया था कि महिला और पिता ने उसे विषाख्त पदार्थ खिला दिया है। जिसके बाद दीपक का मोबाइल फोन बंद हो गया। कुछ देर के बाद महिला मित्र ने दीपक के परिजनों को फोन करके बताया था कि उनकी तबीयत खराब है। दातागंज के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर भर्ती किया गया है। परिजन मौके पर पहुंचे और दीपक को इलाज के लिए मुरादाबाद के अस्पताल ले जा रहे थे लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। परिजन शव गांव ले गए। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जिसकी रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दोस्त के साथ मिलकर पत्नी ने की थी पति की हत्या

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- दोनों हत्यारोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार, हत्यारोपियों ने वारदात को किया कबूल

अमृत विचार : सिविल लाइन कोतवाली क्षेत्र के गांव बहेड़ी में युवक की गला दबाकर हत्या मामले में पुलिस ने मृतक की पत्नी समेत दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। उनके पास से आलाकत्ल गमछा बरामद हुआ। पति के शराब के नशे में मारपीट करने की वजह से महिला ने अपने पड़ोस में रहने वाले दोस्त के साथ मिलकर गला दबाकर हत्या की थी। पुलिस ने उन्हें जेल भेज दिया है।

गांव बहेड़ी निवासी भूपेंद्र की बुधवार रात लगभग आठ बजे मौत हो गई थी। उसकी पत्नी राजकुमारी ने फंदा लगाकर आत्महत्या करने की अफवाह फैलाई थी। पोस्टमार्टम में गला दबाकर हत्या की पुष्टि हुई। पुलिस ने मृतक की मां गुड्डी देवी की तहरीर पर उनकी पुत्रवधु राजकुमारी और गांव निवासी बलवीर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की थी। शुक्रवार को प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार ने दोनों आरोपियों को शेखूपुर स्थित फायरिंग रेंज को जाने वाले मार्ग से आलाकत्ल गमछा के साथ गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में राजकुमारी ने बताया कि कुछ दिन पहले पति के खिलाफ रिपोर्ट भी दर्ज कराई थी। इसमें समझौता हो गया था। उसकी पड़ोस में रहने वाले बलवीर से दोस्ती हो गई थी। 17 सितंबर को भी पति ने उसके साथ शराब के नशे में मारपीट की। गुस्से में आकर उसने बलवीर के साथ मिलकर गमछा से गला दबाकर हत्या की थी।

निर्माणाधीन परियोजनाओं का किया निरीक्षण

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : डीएम अवनीश राय ने शुक्रवार को प्रशासनिक अधिकारियों के साथ तहसील दातागंज में निर्माणाधीन परियोजनाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने ब्लॉक उसावां में बन रहे राजकीय डिग्री कॉलेज, दातागंज नगर में डाली जा रही पेयजल योजना के साथ निर्माणाधीन अमृत सरोवर का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान डीएम ने कार्यदायी संस्थाओं को निर्धारित समय तक कार्य पूरा करने के आदेश दिए।

ब्लॉक उसावा स्थित निर्माणाधीन स्वर्गीय रामपाल सिंह राजकीय महाविद्यालय का निरीक्षण करने के दौरान डीएम ने कार्यदायी संस्था आवास विकास परिषद के अभियंताओं को 25 अक्टूबर तक कार्य पूर्ण करने का आदेश दिया। निरीक्षण के दौरान कार्यदायी संस्था के सहायक अभियंता पंकज गुप्ता ने बताया कि राजकीय महाविद्यालय का 5910 वर्ग मीटर क्षेत्रफल है। इसका निर्माण 912.35 लाख की लागत से किया जा रहा है। महाविद्यालय में 10 कक्षा कक्ष, चार लैब, एक कंप्यूटर हाल, एक लाइब्रेरी, एक प्राचार्य कक्ष, स्टाफ आदि अन्य कक्ष भी बनाए गए हैं। बताया कि अंतिम किस्त मिल चुकी है। इसके बाद डीएम दातागंज पहुंचे। यहां उन्होंने पेयजल योजना के निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। संबंधित अभियंताओं को 31 दिसंबर तक कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। सहायक अभियंता जल निगम शहरी मनोज कुमार ने बताया कि पेयजल योजना भारत सरकार की अमृत 2.0 के अंतर्गत स्वीकृत है। 24 करोड़ रुपए की लागत से कार्य होना है। एक ओवरहेड टैंक बनाया गया है जिसकी क्षमता 1500 किलो लीटर है। 6 ट्यूबवेल का निर्माण कराया जाना है। जिसमें से पांच का काम पूर्ण हो गया है। 54 किलोमीटर पाइपलाइन बिछाई जाएगी इसमें से 38 किलोमीटर का कार्य पूर्ण हो गया है। यह परियोजना पूर्ण होने पर दातागंज नगर पालिका परिषद क्षेत्र के 6126 घरों को शुद्ध व साफ जल की आपूर्ति की जाएगी।

दातागंज में डाली जा रही पेयजल योजना का स्थलीय निरीक्षण करते डीएम।

- समय पर कार्य पूरा करने के कार्यदायी संस्थाओं को दिए गए आदेश

मनरेगा योजना | जिले की छोड़ कर संभल जिले की फर्मों को कर रखा नामित

बीडीओ ने मनरेगा में नियमों का किया उल्लंघन

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : मनरेगा योजना में भ्रष्टाचार की जड़ें काफी मजबूत हैं। कर्मचारी से लेकर अधिकारी तक योजना में घपला कर रहे हैं। आसफपुर ब्लॉक का मामला सामने आया है। बीडीओ ने शासन से निर्धारित नियमों का उल्लंघन कर 10 लाख से अधिक भुगतान कर किया है। जिन फर्मों को भुगतान किया गया है इनमें पड़ोस के जनपद संभल की भी संस्थाएं शामिल हैं। इस मामले में डीसी मनरेगा ने बीडीओ को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

बीते वित्तीय वर्ष 2024-2025 में मनरेगा योजना के तहत जिले की ग्राम पंचायतों में कच्चे और पक्के काम कराए गए थे। शासन से बजट न मिलने के

> बीडीओ ने धनराशि का गबन नहीं किया है। आगामी पंचायत चुनाव के चलते प्रधानों के द्वारा भुगतान करने का दबाव सभी खंड विकास अधिकारियों पर बनाया जा रहा है। इसी दबाव के चलते अधिक भुगतान कर दिया। नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा है। साथ ही चेतावनी भी दी है।
>
> - अखिलेश चौबे, डीसी मनरेगा

कारण विभिन्न फर्मों का विभाग पर 31.0382 करोड़ का बकाया था। अगस्त माह के दौरान शासन स्तर से जिले को 4.35 करोड़ का बजट आवंटित किया। साथ ही सीमा निर्धारित करते हुए आदेश दिए थे कि जारी हुए बजट से सभी ब्लॉकों में 14 प्रतिशत का भुगतान किया जाए, लेकिन आसफपुर ब्लॉक के बीडीओ के द्वारा 14 प्रतिशत के स्थान पर 24 प्रतिशत का भुगतान विभिन्न फर्मों को कर दिया। बताया जा रहा है कई फर्म संभल जिले की हैं। जिन्हें भुगतान किया गया है। जिसकी जानकारी होने पर जिले पर हड़कंप मच गया। सीडीओ के आदेश पर डीसी मनरेगा द्वारा बीडीओ को नोटिस जारी करते हुए स्पष्टीकरण मांगा है। साथ ही चेतावनी जारी की है कि आगे से नियमों का उल्लंघन न किए जाए।

जिले की फर्मों को नहीं दी गई प्राथमिकता

आसफपुर ब्लॉक में मनरेगा योजना के तहत कार्य कराने के लिए संभल जिले की फर्म को नामित किया हुआ है। इनमें ईंट भट्ठा से लेकर सीमेंट सप्लायर तक शामिल हैं। जबकि नियम यह है कि योजना के तहत जिले की फर्मों को प्राथमिकता दी जाए। लेकिन आसफपुर ब्लॉक में कर्मचारियों और अधिकारियों के द्वारा शासन के नियमों को ताख में रखा हुआ है। शासन के आदेशों को उल्लंघन कर न सिर्फ अतिरिक्त भुगतान कर दिया गया। बल्कि स्थानीय फर्म के स्थान पर दूसरे जनपद की फर्म को प्राथमिकता दी जा रही है।

41 लाख रुपये का किया गया भुगतान

बताया जा रहा है कि मनरेगा योजना के तहत ब्लॉक पर पांच लाख रुपये का बजट पहले थे। लेकिन बीडीओ के द्वारा भुगतान नहीं किया जा रहा था। शासन से बजट आने के बाद 14 के स्थान पर 24 प्रतिशत का 36 लाख रुपये सहित कुल 41 लाख का भुगतान कर दिया गया। अब इस प्रकरण में जिला स्तर से बीडीओ के खिलाफ कार्रवाई करने के स्थान पर खानापूर्ति की जा रही है। अधिकारी नोटिस जारी स्पष्टीकरण मांग रहे हैं। साथ ही उनके द्वारा चेतावनी दी गई है।

विधायक ने किया शिलान्यास 18 करोड़ से चौड़ा होगा मार्ग

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : सदर विधायक ने 18 करोड़ की लागत से बनने वाले गांव किसरुआ से उतरना, औरंगाबाद माफी और घटपुरी के मार्ग का शिलान्यास किया। इससे दर्जनों गांवों के ग्रामीण लाभांवित होंगे।

विधायक ने कहा कि वास्तव में इस रोड के चौड़ीकरण की बहुत आवश्यकता थी। रोड से दर्जनों गांव के लोगों का आना जाना रहता है। रोड सकरा होने से वाहन वाले लोगों को आवागमन में असुविधा होती थी। रोड के चौड़ीकरण का शिलान्यास हुआ है। इस रोड के चौड़े होने के बाद क्षेत्र के लोगों का बेहतर आवागमन होगा। कहा कि उनका प्रयास है कि सदर विधानसभा क्षेत्र के हर गांव का विकास हो। विधानसभा क्षेत्र का सभी मुख्य मार्ग, लिंक रोड, सब अच्छे होने चाहिए। विकास की गति लगातार चल रही है। कार्यक्रम में पूर्व चेयरमैन वीरेंद्र लीडर, जिला पंचायत सदस्य कुलदीप वार्ष्णेय, रामचरण पाल, धीरेंद्र सिंह, अंकित शाक्य, विवेक सिंह, आदेश शर्मा, आर्येंद्र पटेल, दीपक, सुरेश मौर्य, शिवेंद्र पटेल, प्यारे लाल आदि उपस्थित रहे।

शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित करते सदर विधायक महेश चंद्र गुप्ता।

- गांव किसरुआ से उतरना, औरंगाबाद माफी और घटपुरी तक का मार्ग होगा चौड़ा

निधन/शवयात्रा

मेरी माता जी **श्रीमती लक्ष्मी सक्सेना** का स्वर्गवास आज दिनांक 19.09.25 को हो गया है। उनका **शवयात्रा** 20.09.25 प्रातः 9:00 बजे मेरे निवास स्थान **H -25, North City extension,** कुर्मांचल नगर के सामने से **संजय नगर शमशान भूमि** के लिए प्रस्थान करेगी।

शोकाकुल परिवार

गौतम सक्सेना - संगीता सक्सेना, विनय सक्सेना - मीनू सक्सेना, संजीव सक्सेना-मोनिका सक्सेना (पुत्र-पुत्रवधू), तरुणा सक्सेना - अशोक सक्सेना, तनुजा, सक्सेना-हमेश सक्सेना (बेटी-दामाद), इशिता-संकेत (पौत्री-पौत्री दामाद) आकांश-तान्या, (पौत्र -पौत्र बधू), स्पर्श, आयुष, साक्षी, खुशी (पौत्र -पौत्री)

● Digital computers, Bareilly
● Digital Informatics Pvt Ltd, Bareilly
● CAKE24 (Sai bakers india), Bareilly
Ph 9837890470,9458688333

अमृत विचार

बरेली, शनिवार, 20 सितंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

पुलिस लाइन में लगाया स्वास्थ्य शिविर

बदायूं, अमृत विचार : रिजर्व पुलिस लाइन स्थित पुलिस मॉडर्न स्कूल में स्वास्थ्य शिविर लगाया गया। जिसमें जिला अस्पताल के चिकित्सकों की टीम ने डेंगू, मलेरिया, टाइफाइड और फंगल इन्फेक्शन आदि बीमारियों के उपचार एवं निदान के बारे जानकारी दी गई। साथ ही दवाओं का निशुल्क वितरण किया।

भाजपा जिलाध्यक्ष ने किया सीएचसी का भ्रमण

उझानी, अमृत विचार : भाजपा जिला अध्यक्ष राजीव गुप्ता ने शुक्रवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का भ्रमण किया। उन्होंने यहां की व्यवस्थाओं को देखा। उन्होंने कहा कि पीएम के जन्मदिन पर स्वच्छ अभियान पखवाड़ा चलाया जा रहा है। साफ सफाई की जा रही है। रक्तदान शिविर लगाए जा रहे हैं। जिलाध्यक्ष को बताया कि कस्बे में कई अस्पताल बिना रजिस्ट्रेशन के चल रहे हैं जहां मरीजों को लूटा जा रहा है। इस पर कहा कि वह इस मामले में सीएमओ से बात करेंगे। कहीं भी बिना रजिस्ट्रेशन के अस्पताल नहीं चलने दिए जाएंगे। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री बीएल वर्मा के छोटे पुत्र हर्षवर्धन सिंह राजपूत, उझानी भाजपा नगर अध्यक्ष सचिन अग्रवाल, अन्य कई भाजपा पदाधिकारी मौजूद रहे।

जुड़वा नाबालिग बहनें लापता, दो पर रिपोर्ट

इस्लामनगर, अमृत विचार : थाना इस्लामनगर क्षेत्र के एक गांव में गुरुवार से जुड़वा नाबालिग बहनों के लापता होने का मामला सामने आया। परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस ने शक के आधार पर गांव के ही दो युवकों को हरियाणा के पानीपत से उठाया है और उनसे पूछताछ की जा रही है। जांच के दौरान पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी कैमरे खंगाले। जिसमें दोनों बहनें अकेले जाती हुई नजर आ रही हैं। इसके बावजूद दोनों का अब तक कोई पता नहीं चला है। परिजनों की शिकायत के बाद पुलिस की कई टीमें लगातार जगह-जगह दबिश दे रही हैं और बच्चियों की तलाश में जुटी हुई हैं। इस घटना से पूरे गांव और आसपास के इलाके में दहशत और चिंता का माहौल है। परिजन अपनी दोनों बेटियों की सकुशल वापसी की गुहार लगा रहे हैं, वहीं पुलिस पर जल्द से जल्द दोनों बहनों को बरामद करने का दबाव बढ़ गया है।

तटवर्ती इलाकों में कटान हुआ तेज

बाढ़ का कहर : नरौरा से छोड़ा जा रहा बेहिसाब पानी, ग्रामीणों को किया सावधान

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : पहाड़ों पर हो रही बारिश अब मैदानी इलाकों को खतरा बनती जा रही है। गंगा में छोड़ा जा रहा अधिक पानी तटवर्ती इलाकों में जनजीवन अस्त व्यस्त कर रहा है। कटान तेज गति से हो रहा है जिससे जिला प्रशासन भी अलर्ट हो गया है। ग्रामीणों को सुरक्षित स्थानों पर जाने को कहा गया है। बाढ़ की विभीषिका झेल रहे ग्रामीण भुखमरी के कगार पर हैं।

शुक्रवार को नरौरा बैराज से एक लाख 61 हजार 454 क्यूसेक पानी गंगा में छोड़ा गया, जबकि गुरुवार को डेढ़ लाख क्यूसेक पानी डिस्चार्ज किया गया। कल छोड़ा गया पानी शुक्रवार सुबह गंगा में पहुंच गया। इससे सहसवान और उसहैत क्षेत्र फिर जलमग्न हो गए। गांव टापू बन चुके हैं। सड़कों के ऊपर तीन फुट पानी पहुंच चुका है। पानी बढ़ने के साथ ही बाढ़ ने फिर से तबाही मचानी शुरू कर दी है। बाढ़ ने जटा गांव को टापू बना दिया है। गांव के लोग दो दिन पहले ही अपने घरों को छोड़ कर निकल गये। आधा दर्जन मकान पानी में समा चुके हैं। इस गांव को गंगा ने बर्बाद कर दिया है। इसी तरह प्रेमी नगला गांव में भारी नुकसान हुआ है। जो लोग चार दिन पहले गांव लौटे थे वह अब फिर वापस ऊंचे स्थानों पर पहुंच गए हैं। लेकिन जिला प्रशासन द्वारा अभी तक राहत सामग्री नहीं बांटी गयी है जिससे हजारों लोग भुखमरी के कगार पर हैं। असमिया रफतपुर में पानी भरा हुआ है। गांव के लोग पशुओं को लेकर बाहर निकल गए हैं। लेकिन उनके आगे भी खाने का संकट है। इस क्षेत्र में दूर दूर तक पानी भरा है जिससे लोग स्टीमर कर सहारा ले रहे हैं।

सहसवान की महावा नदी ने फिर से बांध को खतरा पैदा कर दिया है।

उसहैत क्षेत्र में कटान करती गंगा। ● अमृत विचार

खतरे के निशान से ऊपर बह रही कछला गंगा

कछला गंगा का जलस्तर शुक्रवार को 162.36 मीटर गेज मापा गया। बढ़ते जलस्तर को देखते हुए पुलिस ने गंगा में स्नान करने पर रोक लगा दी है। एक घाट पर ह लोगों को जाने की इजाजत दी गई है। गंगा के दोनो किनारों पर सुरक्षा की दृष्टि से पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। गंगा के पुल पर लोग खड़े होकर लहरों को मचलते देख रहे हैं। आज बढ़े पानी से इस क्षेत्र में हाहाकार मचा हुआ है।

● गंगा के कटान को लेकर जिला प्रशासन भी अलर्ट

पहाड़ों पर बारिश तेज हो रही जिससे हरिद्वार और बिजनौर बैराज में पानी बढ़ रहा है। पानी बढ़ने से नरौरा बैराज का जलस्तर भी बढ़ रहा है इसलिए अब नरौरा से पानी अधिक छोड़ा जा रहा है। अब दो तीन दिन तक यही स्थिति रहने वाली है। लोगों को अलर्ट कर दिया गया है। जिला प्रशासन को पल पल की सूचना दी जा रही है। – **नेशपाल**, सहायक अभियंता, बाढ़ खंड

गंगा पानी बांध से टकरा रहा है जिससे बांध की मिट्टी कटने लगी है। बांध को खतरा पैदा हो गया है। 14 किमी लंबा बांध पर कई जगह पर मिट्टी कट चुकी है जिससे बांध रिसने लगा है। बाढ़ खंड बांध पर मौजूद है। रामगंगा का जलस्तर बढ़ने से इस क्षेत्र की रामगंगा के किनारे वसे दर्जन भर गांव फिर से टापू बन चुके हैं। हर जगह पानी दिखाई दे रहा है। हजरतपुर से आगे पुल के दूसरी ओर करीब पांच फुट पानी सड़क पर भर गया है जिससे इस क्षेत्र में जल प्रलय जैसा नजारा दिखाई दे रहा है। दातागंज तहसील प्रशासन ने तटवर्ती इलाकों मे फिर से अलर्ट कर दिया है। बाढ़ग्रस्त गांवों से लोगों को बाहर निकलने को कहा गया है।

बच्चों ने सीखे आग से बचाव संबंधी उपाय

बिल्सी, अमृत विचार : बाबा इंटरनेशनल स्कूल में शुक्रवार को राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की ओर से फायर मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। तहसीलदार प्रभा सिंह, नायब तहसीलदार बदन सिंह यादव, पुलिस व दमकल विभाग की टीम की मौजूदगी में छात्रों को आग लगने की स्थिति में बचाव के तरीके बताए गए। दमकल कर्मियों ने आग बुझाने का व्यावहारिक प्रदर्शन किया और छात्रों को फायर एक्सटिंग्विशर चलाना भी सिखाया। निर्देशिका साधना वार्ष्णेय ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम बच्चों को आत्मनिर्भर व जागरूक नागरिक बनाने की दिशा में अहम कदम हैं। प्रधानाचार्या रूपा माहेश्वरी ने टीम का आभार जताते हुए कहा कि मॉक ड्रिल छात्रों को जीवन की चुनौतियों से निपटने की प्रेरणा देती है। इस मौके पर जेई गजेंद्र पाल सिंह, राजस्व निरीक्षक विजय कुमार, विनोद कुमार, सूरज भारती, पुलिस कन्ट्रोल रूम, सुरेन्द्र सिंह, नीरज मिश्रा, अंकित सिंह, सुरेन्द्र सिंह, राहुल सहवाग, सचिन, प्रशासक अमित माहेश्वरी एवं समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

मॉक ड्रिल कर आपदा से बचने के बताए उपाए

आग से बचाव के उपाय बताते अग्निशमन विभाग के अधिकारी।

संवाददाता, सहसबान

अमृत विचार: तहसील परिसर में अग्निशमन विभाग ने शुक्रवार को मॉक ड्रिल किया। तहसील कर्मचारियों को अग्निकांड जैसी आपदा की स्थिति में त्वरित और प्रभावी प्रतिक्रिया के लिए जागरूक किया गया।

एसडीएम साईं आश्रित शाखमुरी के नेतृत्व में मॉकड्रिल का आयोजन हुआ। अग्निशमन प्रभारी पीएल सोलंकी ने टीम के साथ किए अभ्यास के दौरान प्रायोगिक रूप से आग लगाकर आपातकालीन स्थिति में किए जाने वाले आवश्यक उपायों का प्रदर्शन किया। आग बुझाने की तकनीक सुरक्षित निकासी और प्राथमिक उपचार जैसी महत्वपूर्ण जानकारियां दी गई। मॉक ड्रिल में कर्मचारियों अग्निशमन उपकरणों के संबंध में अग्निशमन अधिकारियों से तकनीकी जानकारी भी प्राप्त की। इस दौरान अग्निशमन पीएल सोलंकी प्रभारी ने कहा कि इस प्रकार की मॉक ड्रिल से न केवल जागरूकता बढ़ती है, बल्कि आपदा की स्थिति में घबराने की बजाय सही निर्णय लेने की क्षमता भी विकसित होती है। इस मौके पर एसडीएम साईं आश्रित शाखमुरी, सीओ कर्मवीर सिंह, थाना प्रभारी राजेंद्र बहादुर सिंह, तहसीलदार यदि समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

महिला महाविद्यालय में आयोजित किया सेमिनार

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : गिन्दो देवी महिला महाविद्यालय में समाजशास्त्र विभाग की ओर से सामाजिक परिवर्तन के बदललते प्रतिमान में मीडिया की भूमिका विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। वक्ताओं ने कहा कि सोशल मीडिया वह माध्यम है जिसमें सभी अपने विचार, भावनाओं का आदान-प्रदान करते हैं।

शिक्षाशास्त्र विभाग की डॉ. वंदना वर्मा ने सोशल मीडिया का माध्यम व प्रयोग के तरीके बताए। अंग्रेजी विभाग की डॉ. अवनिशा वर्मा ने छात्राओं को मीडिया के प्रयोग व मस्तिष्क से जोड़ी बातों की चर्चा की। समाजशास्त्र विभाग की डॉ. शिल्पी तोमर और समाजशास्त्र विभाग की डॉ. इति अधिकारी ने समाजशास्त्र और मीडिया के संबंधों की चर्चा करने के अलावा कहा कि सोशल मीडिया के भ्रामक तत्वों के फैलाने से सतर्क रहने की आवश्यकता है। आईपीसी एक्ट की धारा के तहत इसमें सजा का भी प्रावधान है। प्राचार्य व समाजशास्त्र विभाग की प्रोफेसर डॉ. सरला देवी चक्रवर्ती ने कहा कि सोशल मीडिया का प्रयोग अपने विकास के लिए करें ना कि मनोरंजन के लिए। सोशल मीडिया खुद के विकास का एक महत्वपूर्ण साधन भी है। डॉ. इंदू शर्मा, डॉ. शुभी, डॉ. शिल्पी, डॉ. सोनी, डॉ. प्रीति आदि ने विचार व्यक्त किए। उनके अलावा छात्रा वेदांशी कुमारी, रिया पटेल, अनुष्का वर्मा, रूपा देवी, अनुष्का पटेल आदि मौजूद रही।

प्रबुद्धजन बनेंगे विकसित भारत के सारथी : बीएल वर्मा

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : सेवा पखवाड़ा के तहत उझानी के सिनेमा हॉल में जिला स्तरीय प्रबुद्ध गोष्ठी का आयोजन किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के व्यक्तिव एवं कृतित्व पर आधारित एक लघु फिल्म भी दिखाई गई।

गोष्ठी में जिले चिकित्सक, इंजीनियरिंग, प्रोफेसर, चार्टर्ड एकाउंटेंट, अधिवक्ता, व्यापारी आदि शामिल हुए। गोष्ठी के मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्यमंत्री बीएल वर्मा ने कहा आत्मनिर्भर भारत अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का वह दूरदर्शी दर्शन है। जिसके साकार होने से भारत वैश्विक स्तर पर एक मजबूत और प्रभावशाली राष्ट्र के रूप में अवतरित होकर अपनी छवि को निखारेगा। आत्मनिर्भर भारत को सफल बनाकर भारत अपनी बुलंदियों और उपलब्धियां को छूते हुए सदियों पुरानी अपने वसु कुटुंबकम के आदर्श को पुनर्स्थापित कर पूरे विश्व को प्रभावित करेगा। आत्मनिर्भर भारत से देश की अर्थव्यवस्था, बुनियादी ढांचा, प्रौद्योगिकी, जनसांख्यिकी तथा मांग की अवधारणा संबंधी पहल से सूक्ष्म, लघु, मध्यम उद्यम सहित अन्य देशी उद्योगों का जीर्णोद्धार होगा और रोजगार के नए अवसरों का सृजन होगा।

भाजपा जिलाध्यक्ष राजीव कुमार गुप्ता ने कहा कि 2047 में विकसित भारत की संकल्पना को पूरा करने के लिए देश और प्रदेश में नए-नए रोजगार के अवसर सृजन हो रहे हैं। जिसमें युवा उद्यमी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। सदर विधायक महेश चंद्र गुप्ता, बिल्सी विधायक हरीश शाक्य, सीए अश्वनी गोयल, वरिष्ठ अधिवक्ता मधुसूदन, पूर्व चेयरमैन दीपमाला गोयल, पूर्व ब्लॉक प्रमुख धीरज सक्सेना, कछला चेयरमैन जगदीश लोनिया, सुधीर श्रीवास्तव, एमपी सिंह राजपूत, शैलेंद्र मोहन शर्मा, धीरज पटेल, ब्लॉक प्रमुख शिशुपाल शाक्य, सचिन अग्रवाल, मोहित तोमर, अजय तोमर, रानी सिंह पुंडीर, किशन चंद्र शर्मा, आनंद मिश्रा, राजू प्रजापति, विनय पटेल, गुलशन प्रताप सिंह आदि उपस्थित रहे।

उझानी में आयोजित गोष्ठी को संबोधित करते केंद्रीय राज्यमंत्री बीएल वर्मा।

● उझानी के सिनेमा हॉल में जिला स्तरीय प्रबुद्ध गोष्ठी का आयोजन

सीएचसी की निर्माणाधीन बिल्डिंग का किया निरीक्षण

उसावां, अमृत विचार: सीडीओ ने सीएचसी की निर्माणाधीन बिल्डिंग का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कार्यदायी संस्था के अधिकारियों को अक्टूबर तक कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। शुक्रवार को मुख्य विकास अधिकारी केशव कुमार ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का निरीक्षण किया। उनके द्वारा स्वास्थ्य केंद्र पर निर्माणाधीन आवास, दूसरी मंजिल पर चल रहे निर्माण कार्य की गुणवत्ता को परखा। साथ ही कार्यदायी संस्था उत्तर प्रदेश राज्य निर्माण सहकारी संघ लिमिटेड के अधिशासी अभियंता अनिल पांडेय को अक्टूबर माह के अंत तक कार्य पूर्ण करने के आदेश दिए।

नायब तहसीलदार ने दिया समाधान का आश्वासन

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

● भूख हड़ताल पर बैठी विधवा की सुनी समस्या

अमृत विचार : ग्राम भरकुइयां निवासी गीता पत्नी स्वं ओमप्रकाश पिछले पांच दिन से कलेक्ट्रेट स्थित मालवीय आवास गृह पर धरने पर बैठी है। उनका आरोप है कि गांव के ही एक दबंग ने उसके मकान के आगे कूड़ा डाल कर कब्जा कर लिया है, जिससे उसे बाहर आने जाने में परेशानी हो रही है। दबंगों ने उसे धमकाते हुए चुप रहने की हिदायत दी। पुलिस ने भी कोई मदद नहीं की तो वह परेशान होकर 14 सितंबर को धरने पर बैठ गई। भूख हड़ताल की सूचना मिलने पर शुक्रवार को नायब तहसीलदार अमित कुमार और राजस्व निरीक्षक रविंद्र कुमार शर्मा भूख हड़ताल स्थल पर पहुंचे। नायब तहसीलदार ने समस्या सुनी। आश्वासन दिया कि कूड़ा हटा दिया जाएगा। भूख हड़ताल खत्म कर दो, लेकिन विधवा ने साफ कहा कि जब तक उसके घर के आगे से कूड़ा नहीं हटाया जाता तब तक वह भूख हड़ताल पर रहेगी। नायब तहसीलदार उनके गांव पहुंचे और मौका मुआयना किया। स्थिति का अवलोकन करने के बाद नायब तहसीलदार ने इसकी रिपोर्ट एसडीएम को सौंपी है। नायब तहसीलदार ने बताया कि जिस जगह पर कूड़ा डाला जा रहा है वह ग्राम समाज की भूमि है लेकिन विधवा उसी जगह से होकर अपने घर को आती जाती है इसलिए उसे दिक्कत हो रही है। अब इसकी रिपोर्ट एसडीएम को सौंप दी है। क्या होता है देखते हैं। मालवीय आवास गृह पर धरने पर बैठा दिव्यांग सुहैल ने बताया कि उसकी जमीन पर भी गांव के लोगों ने कब्जा कर लिया है। पुलिस ने उसकी मदद नहीं की इसलिए अब वह धरने पर बैठा है। दिव्यांग का कहना है कि वह कई दिनों से धरने पर बैठा है किसी ने उसकी पीड़ा नहीं सुनी।

प्रेम से पुकारने पर सभी की सुनते हैं भगवान

बिल्सी, अमृत विचार : नगर के ज्वाला प्रसाद जैन स्कूल में श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन हो रहा है। शुक्रवार को विश्राम दिवस पर कथा वाचक जगतगुरु रामचन्द्राचार्य ने उद्धव विदुर कथा का वर्णन किया।

कथा वाचक ने कहा कि उद्धव जी के माध्यम से विदुर जी को पता लगा कि भगवान इस धाम को छोड़कर चले गए। जिस पर वह उदास हो गए। कहते हैं कि हम लोग कितने भाग्यशाली हैं भगवान इतने दिन हमारे साथ रहे, लेकिन हम भगवान को पहचान न सके। कथा वाचक ने भगवान की कथा का बड़ा ही मार्मिक वर्णन किया। जिसे सुनकर भक्त आनन्दमय हुए। कथा के समापन पर प्रसाद का वितरण किया गया। इस मौके पर महंत मटरुमल शर्मा, संजीव शर्मा, प्रदीप शर्मा, यश भारद्वाज, रेनू शर्मा, राजीव शर्मा, दीपक माहेश्वरी बाबा स्वतंत्रा राठी सहित तमाम लोग उपस्थित रहे।

भागवत कथा सुनाते कथा वाचक।

छात्र-छात्राओं को बांटे टैबलेट

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के अंतर्गत आवास विकास स्थित राजकीय महाविद्यालय में टैबलेट बांटे गए। मुख्य अतिथि सदर विधायक महेश चंद्र गुप्ता ने 483 छात्र-छात्राओं को टैबलेट वितरित किए।

मुख्य अतिथि ने कहा कि युवाओं की तकनीकी दक्षता व बौद्धिक सशक्तिकरण की दिशा में टैबलेट लाभकारी सिद्ध होंगे। छात्र-छात्राओं का आह्वान किया कि वह टैबलेट के माध्यम से सूचना तकनीकी की दुनिया में छलांग लगाकर ज्यादा से ज्यादा ज्ञानवर्धन करें। इससे पहले डिजी शक्ति के जिला नोडल अधिकारी डॉ. अनिल कुमार ने हर लाभार्थी का डिजी शक्ति पोर्टल पर टेबलेट प्राप्त करते हुए फोटो अपलोड करके सत्यापन किया। प्राचार्य डॉ. श्रद्धा गुप्ता ने कहा कि छात्र-छात्राओं के तकनीकी सशक्तिकरण के लिए शासन का यह प्रयास सार्थिक सिद्ध हो, इसकी जिम्मेदारी छात्र-छात्राओं के साथ उनके अभिभावक और शिक्षकों की भी है। कहा कि विद्यार्थी इसका सदुपयोग कर अपने व्यक्तित्व का विकास करें। कार्यक्रम का संचालन डॉ. राकेश कुमार जायसवाल ने किया। डॉ. हुकुम सिंह, डॉ. दिलीप कुमार वर्मा, डॉ. गौरव कुमार सिंह, डॉ. जुनेद आलम ने तकनीकी सहायता दी।

समारोह में छात्र-छात्राओं के साथ मौजूद सदर विधायक महेश चंद्र गुप्ता।

आंगनबाड़ी श्रमिक संघ ने बैठक कर सौंपा ज्ञापन

बदायूं, अमृत विचार : उत्तर प्रदेश आंगनबाड़ी श्रमिक संघ ने बैठक कर विभिन्न समस्याओं पर चर्चा की और समस्या समाधान की मांग को लेकर जिला कार्यक्रम अधिकारी को ज्ञापन सौंपा।

शुक्रवार को विकास भवन परिसर में आंगनबाड़ी श्रमिक संघ ने बैठक की। बैठक में मांग की गई की पोषण टेकर कोड न बदला जाए। पीएलआई समय से खाते में भेजी जाए। सभी आंगनबाड़ी व सहायिकाओं के आयुष्मान कार्ड बनाए जाएं। केवाईसी के हिसाब से पोषाहार केंद्रों पर भेजा जाए। पोषण टेकर वाली सही सूची बैंकों को दी जाए। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने कहा किमांगें पूरी न होने पर आंदोलन किया जाएगा। आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों ने जिला कार्यक्रम अधिकारी को ज्ञापन दिया। इस दौरान जिलाध्यक्ष मिथलेश कुमारी शाक्य, जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष ममता भदौरिया,नीलम राठौर, रेखा रानी, राजेश्वरी, रीता, गीता, प्रेमलता, गायत्री, राधा, उर्मिला, शोभा इत्यादि मौजूद रही।

शिक्षा | यूपी बोर्ड की ओर से परीक्षा केंद्र निर्धारण में की जा रही सख्ती

बिना प्रयोगशाला वाले स्कूल नहीं बनेंगे परीक्षा केंद्र

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : आगामी वर्ष में होने वाली हाईस्कूल व इंटरमीडिएट परीक्षा के लिए केंद्र निर्धारण की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा केंद्र निर्धारण को लेकर नियम सख्त कर दिए हैं। इस बार परीक्षा में उन स्कूलों को केंद्र नहीं बनाया जा रहा है जिनमें प्रयोगशाला नहीं है या फिर क्रियाशील नहीं है। बोर्ड द्वारा ऐसे सभी स्कूलों का डाटा जिला विद्यालय निरीक्षक से मांगा गया है।

जिले में 304 माध्यमिक के विद्यालय संचालित हैं। इनमें 39 राजकीय और 46 सहायता प्राप्त विद्यालय शामिल हैं। इनमें से करीब 150 से अधिक विद्यालयों में प्रयोगात्मक विषयों की पढ़ाई भी होती है। लेकिन में से किसी भी विद्यालय में प्रयोगशाला होने के बाद भी क्रियाशील नहीं हैं। जिसकी माध्यमिक शिक्षा परिषद को लगातार शिकायतें मिल रही थी। शिकायतों का संज्ञान लेते हुए माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा आगामी बोर्ड परीक्षा के लिए केंद्र निर्धारण नीति को सख्त कर दिया है। माध्यमिक शिक्षा परिषद की ओर से प्रयोगशाला क्रियाशील होने की शर्त निर्धारित कर दी है। क्रियाशील प्रयोगशाला वाले विद्यालयों को ही आगामी परीक्षा के लिए केंद्र बनाया जाएगा। माध्यमिक शिक्षा परिषद सचिव ने डीआईओएस ऐसे सभी स्कूलों का डाटा मांगा है। जिनमें प्रयोगशाला होने के बाद भी क्रियाशील नहीं हैं। जिसकी तैयारी विभाग ने शुरू कर दी है।

राजकीय इंटर कॉलेज में सालों से बंद भूगोल की प्रयोगशाला। ● अमृत विचार

● डीआईओएस से क्रियाशील प्रयोगशाला वाले स्कूलों का मांगा डाटा

● यूपी बोर्ड के निर्देश पर परीक्षा केंद्र निर्धारण के लिए चल रही है प्रक्रिया

बिना प्रयोगशाला के क्रियाशील स्कूलों को केंद्र न बनाने का नियम लागू किया जा रहा है। इसी के तहत ऐसे स्कूलों का डाटा मांगा गया है। जिसे जल्द ही भेजा जाएगा। – **लालजी यादव**, डीआईओएस

स्कूलों में नहीं खरीदे जाते प्रयोगात्मक उपकरण

माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा प्रयोगशाला क्रियाशील होने की शर्त पर ही मान्यता दी जाती है। लेकिन जिले में संचालित स्कूल माध्यमिक शिक्षा परिषद की शर्त को पूरा नहीं करता है। स्कूलों में प्रयोगात्मक विषय विषय की मान्यता तो है लेकिन या तो उनमें प्रयोगशाला ही नहीं है या फिर वह क्रियाशील नहीं है। तमाम स्कूलों की प्रयोगशालाओं में आवश्यक उपकरण, केमिकल्स वगैरह की खरीद नहीं होती। प्रयोगशालाओं में बच्चों ने सालों से कदम नहीं रखा है। ऐसे में बच्चों को स्कूलों के द्वारा सैद्धांतिक ज्ञान भले ही दिया जा रहा हो लेकिन प्रयोगात्मक ज्ञान से पूरी तरह से वंचित हैं।

न्यूज ब्रीफ

बरेली में होने वाली महापंचायत को लेकर किया भ्रमण

बदायूं, अमृत विचार : भारतीय किसान यूनियन टिकैत के मंडल प्रवक्ता ने क्षेत्रों में भ्रमण कर 23 सितंबर को बरेली में होने वाली महापंचायत को सफल बनाने के लिए कार्यकर्ताओं से अपील की। बरेली की महापंचायत में राष्ट्रीय प्रवक्ता चौ. राकेश टिकैत आ रहे हैं। शुक्रवार को मंडल प्रवक्ता राजेश कुमार सक्सेना ने मालवीय आवास गृह व बिसौली तहसील में पदाधिकारियों से मुलाकात की। उन्होंने कहा इस समय किसान संकट में हैं, बिसौली तहसील के भरतपुर में किसान द्वारा की गई आत्महत्या पर भी उन्होंने अफसोस जताया। कहा कि आज कर्ज को लेकर किसान जान दे रहा है। सरकार मौन है। अब भाकियू संघर्ष करने को तैयार है। बिसौली में मंडल के वरिष्ठ उपाध्यक्ष चौधरी सौदान सिंह ने कहा कार्यकर्ताओं को 23 सितंबर को ज्यादा संख्या में बरेली पहुंचना है। उनके साथ वरिष्ठ कार्यकर्ता दानवीर सिंह यादव, पूर्व ब्लाक प्रमुख लाखन सिंह, हीरा लाल वर्मा, रामेश्वर यादव तथा केहरी लाल कुशवाहा, राजेश कुशवाहा, सूबेदार कुशवाहा, लीलाधर, भारत सिंह मौर्य, रिंकू पाल, शिवदयाल सागर, दयाराम पाली, धर्मपाल कुशवाहा, आदि लोग मौजूद रहे।

ऑटो चालक के खिलाफ रिपोर्ट

बरखेड़ा, अमृत विचार : सड़क हादसे में युवक की मौत के मामले में पुलिस ने कार्रवाई की है। दियोरियाकलां के गांव जगतपुर रामनगर निवासी ताराचंद ने पुलिस को तहरीर देकर बताया 18 सितंबर को उसका भाई दयाशंकर (25) गांव के ही दिनास के साथ प्रदीप के ऑटो पर बैठकर बरखेड़ा गया था। बरखेड़ा से लौटते समय चालक ऑटो को तेजी व लापरवाही से चला रहा था। जिस पर उसके भाई दयाशंकर व दिनेश ने उसे मना भी किया। शाम करीब 7 बजे गांव मूसेपुर खुर्द में रामस्वरूप के स्पेलर के पास पहुंचते ही चालक की लापरवाही से ऑटो से नीचे गिर गया। हादसे में दयाशंकर की मौत हो गई जबकि उसकी पत्नी सुनीता देवी घायल हो गई। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

परिवारिक विवाद में मारपीट,रिपोर्ट दर्ज

पीलीभीत,अमृत विचार : मोहल्ला पुरैना निवासी ओमकांति ने पुलिस को तहरीर देकर बताया 16 सितंबर को शाम 7 बजे उसके पति घर पर नहीं थे। इसी बीच मामूली कहासुनी को लेकर उसकी चचेरी ननद मधुरानी ने उसके साथ गाली गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर मधु और उसकी मां सोमवती ने उससे मारपीट की। जिससे वह घायल हो गई।

बिजली की लाइन पर गिरा पेड़, सप्लाई ठप

ककराला रोड के दर्जन भर गांवों में 24 घंटे तक सप्लाई ठप, बिजली विभाग ने दूसरे दिन जोड़ी लाइन

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : हाइडिल से आने वाली बिजली की लाइन पर पेड़ टूट कर गिर गया जिससे लाइन का तार टूट गया। तार टूटने से 24 घंटे तक करीब दर्जन भर गांवों की सप्लाई ठप रही। दूसरे दिन कर्मचारियों ने खंभे पर चढ़ कर तार जोड़ा जिसके बाद बिजली सप्लाई शुरू हो सकी।

शहर स्थित हाइडिल बिजली घर से ककराला रोड के कुछ गांवों व कुछ शहरी क्षेत्र को बिजली दी जाती है। इस लाइन के तार पर 18 सितम्बर की सुबह 10 बजे एक पेड़ टूट कर गिर गया। इससे लाइन क्षतिग्रस्त हो गई। बिजली की लाइन का तार टूटने से इस क्षेत्र की सप्लाई ठप हो गई। सप्लाई ठप होने से मंडी समिति, रसूलपुर, सिमरिया, दौरी, नरोत्तमपुर, पड़ौआ, हाइडिल कॉलोनी, मझिया रोड, और सिविल लाइन के कुछ हिस्से की बिजली गुल हो गयी। जिससे लोग भीषण गर्मी में परेशान हो गए। पेयजल संकट से जूझ रहे उपभोक्ताओं ने किसी तरी रात को समय बिताया। भारी गर्मी और उमस के चलते रात भर लोग जागते रहे। बिजली के बिना कूलर पंखे व अन्य उपकरण शोपीस बन कर रह गए। हजारों उपभोक्ताओं को कई तरह की समस्याओं से जूझना पड़ा। लाइन पर पेड़ गिरने की किसी को जानकारी नहीं थी इसलिए उपभोक्ता हाइडिल स्थित बिजली घर पर फोन करते रहे लेकिन किसी ने कोई जानकारी नहीं दी। शुक्रवार सुबह नौ बजे बिजली कर्मचारी मंडी समिति स्थित उक्त लाइन पर पहुंचे। पहले टूटा हुआ पेड़ हटाया उसके बाद खंभे पर चढ़ कर तार जोड़ा गया। करीब तीन घंटे की मशक्कत के बाद लाइन का तार जोड़ा गया। उसके बाद बिजली सप्लाई शुरू की गयी। शुक्रवार को पूर्वान्ह 11 से लेकर 1 बजे तक जिला अस्पताल में बिजली सप्लाई गुल रही जिससे मरीजों व तीमारदारों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

अनुरक्षण माह के तहत बदले जाएंगे 200 ट्रांसफार्मर : शासन के आदेश पर विद्युत विभाग ने 15 सितंबर से अनुरक्षण माह शुरू कर दिया है। जो 15 अक्टूबर तक जिले भर में चलेगा। अनुरक्षण माह के तहत 200 ट्रांसफार्मर बदले जाएंगे और जर्जर बिजली की लाइनों की मरम्मत की जाएगी। जनपद में शेड्यूल के अनुसार उपभोक्ताओं को बिजली मुहैया कराना एक बड़ी चुनौती है। जिले भर में करीब चार लाख अस्सी हजार विद्युत उपभोक्ता हैं। शुक्रवार को दातागंज क्षेत्र में बिजली विभाग ने एक नया ट्रांसफार्मर लगाया। उसके आसपास झाड़ियों को साफ किया। कुछ खंभों को भी ठीक किया। दातागंज कस्बे के परा मोहल्ला में कई खंभों पर तार ठीक किए गए। कस्बे के लोगों की शिकायत पर कुछ पेड़ काटे गए। इससे बिजली के तार दूर से दिखाई दे सकें। अनुरक्षण माह के तहत शहर में कुछ चिन्हित स्थानों पर काम किया जाएगा। अधीक्षण अभियंता अखिलेश कुमार ने बताया कि जिन क्षेत्रों से अधिक शिकायतें मिल रही हैं वहां पर लाइन ठीक कराई जाएगी। अनुरक्षण माह के तहत किए जाने वाले मरम्मत कार्य की साप्ताहिक समीक्षा कर शासन को रिपोर्ट भेजी जाएगी।

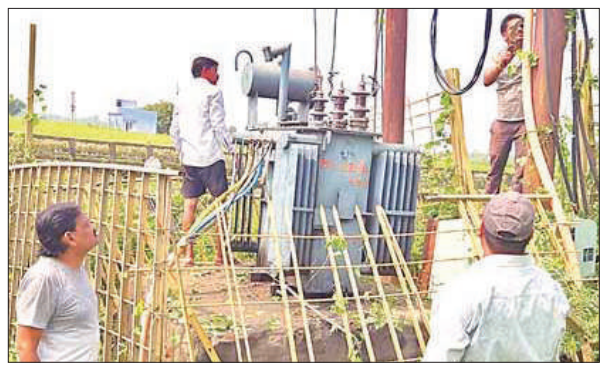

खम्बे पर लाइन का तार जोड़ता कर्मचारी। ● अमृत विचार

> लाइन पर पेड़ की टहनी टूट कर गिर गई जिससे कुछ गांवों की सप्लाई ठप रही। शुक्रवार को पेड़ को हटा कर लाइन का तार जोड़ दिया गया। इसके बाद सप्लाई शुरू कर दी गयी है। अब कहीं पर दिक्कत नहीं है। – संजीव कुमार, अधिशासी अभियंता प्रथम

50 हजार से ज्यादा बकाया होने पर काटे कनेक्शन

सहसवान, अमृत विचार : विद्युत विभाग ने शुक्रवार को कस्बे में बिजली चेकिंग अभियान चलाया। तीन सदस्यीय टीम ने 50 हजार से अधिक बकाया होने पर उपभोक्ताओं के कनेक्शन काटे। नगर के बाजार विल्सन गंज में विद्युत उपखंड अधिकारी विपिन गुप्ता के नेतृत्व में विद्युत चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान में लोड चेकिंग, जांच उपरांत घटाया और बढ़ाया गया व बकाएदार उपभोक्ताओं से बकाए की रकम भी वसूली गई। अवर अभियंता डीएन प्रसाद ने बताया कि 50 हजार रुपये से अधिक के बकायेदार उपभोक्ताओं के कनेक्शन काटे गए। कई उपभोक्ताओं के मीटर भी उतारे गए है। जिन उपभोक्ताओं की पूर्व में लाइन काटी गई थी, वे बिना बकाया जमा किए हुए बिजली जला रहे थे। उनके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। चेकिंग अभियान टीम में मुबारक अली, फैजान, सिद्दीकी, आजिम हुसैन उर्फ पप्पन, सुनील यादव आदि मौजूद रहे।

7.35 लाख वसूले, 77 के कनेक्शन काटे

बिल्सी, अमृत विचार : उपखंड कार्यालय पर शुक्रवार को विद्युत बिल सुधार मेगा कैंप का आयोजन किया गया। इस दौरान कुल 34 शिकायतें दर्ज की गईं। इनमें बिल संबंधी 19 शिकायतें आईं, जिनमें से 18 का मौके पर ही समाधान कर दिया गया।मीटर खराबी से जुड़ी आठ शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें छह का निस्तारण तुरंत किया गया। इसके अतिरिक्त एक मीटर नंबर अपडेट, एक लोड बढ़ाने और एक मोबाइल नंबर अपडेट करने की शिकायत का भी मौके पर निपटारा किया गया। वहीं चेक मीटर से संबंधित एक शिकायत को अग्रिम कार्रवाई के लिए सहायक अभियंता मीटर बिल्सी को भेजा गया। इसका निराकरण एक सप्ताह के अंदर सुनिश्चित किया जाएगा। शिविर में 144 उपभोक्ताओं से करीब सात लाख 35 हजार रुपये की वसूली भी की गई। इसके अलावा 77 उपभोक्ताओं के बकाए पर कनेक्शन काटे गए। इस मौके पर अधिशासी अभियंता मदनपाल सिंह, एसडीओ जयप्रकाश राजपूत, अवर अभियंता गजेंद्र पाल सिंह, बिलिंग लिपिक अभिषेक, मनोज कुमार, कुंवरपाल सिंह आदि मौजूद रहे।

पीजी के छात्रों के लिए डिजिटल लॉगबुक अनिवार्य

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : राजकीय मेडिकल कॉलेज मे अब डिजिटल लॉगबुक पीजी के छात्रों को अनिवार्य कर दिया गया है। कॉलेज प्रशासन ने शुक्रवार को एमओयू साइन कर एक नया कदम आगे बढ़ाया है।

राजकीय मेडिकल कॉलेज और डिजिटल लॉगबुक के बीच आज एक महत्वपूर्ण समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते के तहत अब कॉलेज के स्नातकोत्तर छात्रों को राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग की गाइडलाइन के अनुसार अपना डिजिटल लॉगबुक प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से मेंटेन करना होगा।

कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अरुण कुमार ने कहा कि राजकीय मेडिकल कॉलेज सदैव यह प्रयास करता है कि हमारे छात्र नवीनतम तकनीक और उच्चतम शैक्षणिक मानकों के अनुरूप शिक्षा प्राप्त करें। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग ने डिजिटल लॉगबुक को अनिवार्य किया है, और इसी को ध्यान में रखते हुए हमने गहन अध्ययन और समीक्षा के बाद इसको लागू करने का निर्णय लिया। यह पहल हमारे संस्थान को पेपरलेस, अधिक पारदर्शी और डिजिटल रूप से सक्षम बनाएगी। विश्वास है कि यह व्यवस्था छात्रों के संपूर्ण शैक्षणिक व क्लिनिकल रिकॉर्ड को सुरक्षित व व्यवस्थित रखने में एक मील का पत्थर साबित होगी।

एमओयू साइन करने के बाद लॉगबुक दिखाते प्राचार्य डा. अरुण कुमार व अन्य।

डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन की दिशा में कदम

डिजिटल लॉगबुक का नेतृत्व सुरज उपाध्याय कर रहे हैं। यह पहल मेडिकल शिक्षा में डिजिटल परिवर्तन की दिशा में एक बड़ा कदम है और भविष्य में देशभर के मेडिकल संस्थानों के लिए एक आदर्श मॉडल बनेगी।

डिजिटल लॉगबुक के लाभ के बारे में बताया गया कि एनएमसी द्वारा निर्धारित सभी मानकों के अनुरूप काम होगा।

वास्तविक समय पर निगरानी, कहीं भी, कभी भी उपयोग, पेपरलेस प्रबंधनः कागजी लॉगबुक की आवश्यकता समाप्त।ऑनलाइन मूल्यांकन सुविधाः संकाय को प्रगति ट्रैक करने में सहूलियत। सुरक्षित प्लेटफ़ॉर्मः डेटा का संपूर्ण संरक्षण।

पूरी पीजी यात्रा का रिकॉर्डःपहले दिन से सभी गतिविधियों का डिजिटल संग्रह।

भ्रष्टाचार की सभासदों ने डीएम से की शिकायत

संवाददाता, ओरछी

अमृत विचारः नगर पंचायत फैजगंज बेहटा बीते सालों से भ्रष्टाचार घोटाला के आरोप में घिरी हुई है। जिसका विरोध सभासदों द्वारा किए जाने के साथ ही शिकायत भी की जाती रही है। लेकिन आज तक ठोस कार्रवाई न हो सकी। शुक्रवार को फिर से सभासदों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर डीएम को शिकायती पत्र सौंपा।

नगर पंचायत फैजगंज बेहटा लाखों रुपये के गबन के आरोप में फंसी हुई है। जांच के बाद भी कार्रवाई न होने से सभासद और नगर के लोग मायूस हैं। उनके द्वारा लगातार शिकायत किए जाने के बाद भी ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी है। शुक्रवार को सभासदों के द्वारा की गई शिकायत की गई है। सभासदों का आरोप है नगर पंचायत अध्यक्ष द्वारा अपने भांजे सलीम खां द्वारा अप्रत्यक्ष रूप विकास कार्य कराए जाते हैं। पंचायत अध्यक्ष के भांजे द्वारा नगर अध्यक्ष की पॉवर को मशीनरी की तरह इस्तेमाल किया जाता है। जिसका परिणाम यह है कि नगर में हो रहे विकास कार्य में अनियमितताएं हो रही हैं। आरोप है नगर पंचायत अध्यक्ष द्वारा नगर पंचायत की सीमा से बाहर जाकर ब्लॉक इस्लामनगर की ग्राम पंचायत जगतुआ के मजरा गंगापुर में लगभग एक करोड़ से अधिक की राशि से सड़क निर्माण पथ प्रकाश जलापूर्ति का कार्य किया गया है।

आरोप है कि ऐसे कार्यों से नगर अध्यक्ष बाहर से आए मुसलमानों को बसाकर स्थानीय निकाय की डेमोग्राफी को बदलना चाह रहे हैं। जबकि शासन के दिए नियमों के अंतर्गत नगर पंचायत केवल अपने नगर सीमा ही सड़कों का निर्माण कार्य करा सकती है। अध्यक्ष द्वारा गांव में सड़क निर्माण पथ प्रकाश व्यवस्था तथा जलापूर्ति सहित अन्य विकास कार्य कराए गए हैं। अंत्येष्टि स्थल विकास कार्य योजना अंतर्गत 28.79 लाख रुपए की धनराशि प्राप्त हुई। उक्त धनराशि से एमएफ रोड पर स्थित श्मशान भूमि पर निर्माण कार्य कराया गया। जबकि अंत्येष्टि स्थल पूर्व में ही निर्मित था। जिस पर अध्यक्ष द्वारा अपने चहेते ठेकेदार को टेंडर देकर पूर्व में बनी दीवार पर नया प्लास्टर कराकर कार्य पूर्ण दिखाते हुए ठेकेदार को भुगतान कर दिया गया है। डीएम ने सभासदों को जांच का आश्वासन दिया है।

डीएम को ज्ञापन देते फैजगंज नगर पंचायत के सभासद। ● अमृत विचार

● नगर पंचायत चेयरमैन और ईओ पर आरोप लगाते हुए की जांच कराने की मांग

आरिफ रजा को मिली जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी

नव नियुक्त जिलाध्यक्ष आरिफ रजा का मार्ल्यापण करते लोग। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : भारतीय किसान यूनियन चढ़ूनी के मंडल अध्यक्ष और मंडल प्रभारी ने बैठक कर भ्रष्टाचार की शिकायत पर सतीश साहू को हटाते हुए आरिफ रजा को जिला अध्यक्ष नियुक्त किया है। साथ ही संगठन का विस्तार करने को कहा है।

भाकियू चढ़ूनी के जिलाध्यक्ष रहे सतीश साहू पर संगठन के किसानों ने भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे। इसकी जांच की गई। संगठन कार्यकर्ताओं का आरोप था कि सतीश साहू ने रसीद काट कर पैसा एकत्र किया उसका हिसाब नहीं दिया। शिकायतों को देखते हुए मंडल अध्यक्ष शिशुपाल सिंह व मंडल प्रभारी चौ. सुखवीर सिंह ने आम सहमति से आरिफ रजा को संगठन का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया है। नव नियुक्त जिलाध्यक्ष ने कहा कि वह संगठन का विस्तार करेंगे और किसानों के हित में संघर्ष करने से पीछे नहीं हटेंगे। किसान नेता जिला प्रभारी अजब सिंह ने कहा कि अब संगठन में किसी तरह का फेरबदल नहीं किया जाएगा। इस मौके पर भूपेंद्र पाठक, रहीस अहमद, सराफत खां, कासिम अली खां, बब्बू भाई, अनवर साहा,दिलशाद सैफी, इरशाद खां, सहित अनेक किसान मौजूद रहे।

5 अक्टूबर को होगा पतंजलि योग एवं कार्यकर्ता सम्मेलन

बदायूं, अमृत विचार : पतंजलि योगपीठ हरिद्वार के निर्देशन में पतंजलि परिवार द्वारा 5 अक्टूबर को डायट के ऑडिटोरियम हॉल में विशाल योग एवं कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर बैठक डायट प्रांगण में आयोजित हुई।

बैठक में पश्चिमी उत्तरप्रदेश के प्रभारी सुनील शास्त्री ने कहा कि कार्यक्रम में पश्चिमी उत्तरप्रदेश के बदायूं जनपद सम्भल, मुरादाबाद, अलीगढ़, कासगंज, एटा, पीलीभीत, बरेली, शाहजहांपुर, रामपुर के पतंजलि योगपीठ की विभिन्न समितियों के सैकड़ों पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में स्वामी रामदेव जी के शिष्य राकेश हरिद्वार से आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम अपने आप में एक अनूठा कार्यक्रम होगा। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए पतंजलि योग परिवार पूरी तन्मयता के साथ प्रयास करेगा। बैठक में वीरपाल सिंह, उपदेश सिंह एंड डॉ. जुगल किशोर, बृजेश कुमार , पुरुषोत्तम सिंह, अवधेश सिंह, महेंद्र पाल सिंह, सुरेंद्र सिंह, वीरेंद्र कुमार, मदनलाल पाल, ओमेन्द्र आर्य, जनवेद चौधरी आदि उपस्थित रहे।

मिलावटी खाद्य पदार्थ की रोकथाम को टीमें गठित

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

● सभी तहसीलों में दीपावली तक बाजार में दुकानों पर की जाएगी छापेमारी

अमृत विचार : नवरात्रि और आगामी त्योहारों को ध्यान में रखते हुए खाद्य सुरक्षा विभाग अलर्ट मोड पर आ गया है। खाद्य पदार्थों पर नजर रखने के लिए तहसीलवार टीमों का गठन किया गया है। टीमें जिले के अलग-अलग स्थानों पर खाद्य पदार्थों की जांच कर रही है। दुकानों से लिए जा रहे नमूनों को जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा जा रहा है। शुक्रवार को तहसील क्षेत्र दातागंज में टीमों ने छापेमारी कर खाद्य पदार्थ के सैंपल लिए हैं।

22 सितंबर से शारदीय नवरात्रि शुरू हो रहे हैं। पहले नवरात्रि से ही त्योहारी सीजन की भी शुरुआत हो रही है। जनपद वासियों को शुद्ध और सुरक्षित खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी अवनीश कुमार राय के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा विभाग अलर्ट मोड पर आ गया है। खाद्य सुरक्षा विभाग की ओर से खाद्य पदार्थ पर नजर रखने के लिए पांच टीमों का गठन किया है। गठित टीमों के द्वारा मिलावटी और अशुद्ध खाद्य पदार्थों की रोकथाम के लिए अभियान की शुरुआत कर दी गई है। अभियान के तहत जिले के विभिन्न क्षेत्रों में खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा छापेमारी कर संदिग्ध खाद्य पदार्थों के नमूने एकत्र किए जा रहे हैं। शुक्रवार को टीमों ने बिल्सी, बिसौली क्षेत्र में छापेमारी कर साबूदाना, कुट्टू के आटे और सिंघाड़े के आटे के नमूने लिए हैं। इन्हें जांच के लिए लैब में भेजा जा रहा है। खाद्य सुरक्षा विभाग का विशेष अभियान दीपावली त्योहार तक जारी रहेगा। खाद्य पदार्थों पर नजर रखने के लिए तहसीलवार टीमों का गठन किया गया है। टीमें जिले के अलग-अलग स्थानों पर खाद्य पदार्थों की जांच कर रही है।

> जनपद के लोग सही खाद्य पदार्थ की खरीदारी कर सके, इसके लिए विभाग द्वारा विशेष अभियान शुरू कर दिया है। नवरात्रि के दौरान खाद्य पदार्थों पर नजर रखने के लिए पांच टीमों का गठन किया गया है। टीमें जिले के अलग-अलग स्थानों पर खाद्य पदार्थों की जांच कर रही है। – सीएल यादव, सहायक खाद्य आयुक्त द्वितीय

बड़े सरकार की दरगाह पर गुल व चादरपोशी की

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर मनाए जा रहे सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष मोहम्मद शीराज आलम के नेतृत्व में लोगों ने बड़े सरकार की दरगाह पर गुल व चादरपोशी की।

दरगाह में अजमत पीर ने चादर पेश कराई। प्रधानमंत्री की सलामती और लंबी उम्र मांगी। साथ ही भारत विश्व गुरु बने और विश्व में अमन चैन कायम करने के लिए आध्यात्मिक नेतृत्व भारत करें उसके लिए भी दुआ की गई। जिला उपाध्यक्ष ने कहा कि नरेंद्र मोदी देश के पहले ऐसे प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने प्रधानमंत्री बनने के बाद कहा कि भारत के मुसलमानों के एक हाथ में कुरान और एक हाथ में कंप्यूटर होना चाहिए। मंडल अध्यक्ष नसीम खान, एजाज खान, बाबू अजीम अंसारी, शरीफ अल्वी, शराफत, मुशाहिद अली आदि रहे।

चादरपोशी करते भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष मो शीराज आलम।

बुखार पीड़ितों को बांटी दवा

संवाददाता, विजय नगला

अमृत विचार : क्षेत्र के गांव टिटोली में बुखार से किशोर सहित दो लोगों की मौत के बाद स्वास्थ्य विभाग की नींद टूटी। शुक्रवार को गांव में स्वास्थ्य विभाग ने टीम भेज कर लोगों को बुखार की दवा दी और ब्लड सैंपल लेकर मलेरिया की जांच की।

विकास खंड सलारपुर के गांव टिटौली में बीते दिनों से मलेरिया और बुखार फैला हुआ है। इससे गांव के किशोर और एक बुजुर्ग की मौत हो चुकी है। गांव में दर्जनों लोग बुखार और मलेरिया से पीड़ित हैं। ग्रामीण झोलाछापों से इलाज कराने को मजबूर हैं। गांव में बुखार का प्रकोप बढ़ने पर स्वास्थ्य विभाग की नींद टूटी। शुक्रवार को स्वास्थ्य विभाग की टीम ने गांव पहुंच कर कैंप लगाया और बुखार पीड़ितों की जांच कर दवा बाटी। कैंप में बुखार के 70 मरीज देखें गए। 45 लोगों की ब्लड स्लाइड बनाई गई। जांच में अधिकतर लोगों को बुखार और खांसी निकली। किट के द्वारा जांच करने पर कोई भी बुखार पीड़ित मलेरिया पॉजिटिव नहीं मिला।

स्वास्थ्य शिविर में चार सौ मरीजों की जांच कर दी दवा

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : राजकीय मेडिकल कॉलेज में स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान का दूसरे दिन शुक्रवार को करीब चार सौ महिला मरीजों को देखा गया। इनमें 71 महिलाएं एनीमिया पीड़ित और 28 को स्तन कैंसर की दवा दी गयी। जबकि अन्य महिला मरीजों को उनके स्वास्थ्य की जांच कर दवा दी गयी।

शुक्रवार को दूसरे दिन आयोजित निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में कुल 395 लाभार्थियों ने भाग लिया। विभिन्न विभागों द्वारा स्वास्थ्य जांच एवं परामर्श सेवाएं प्रदान की गईं। स्त्री एवं प्रसूति विभाग द्वारा कुल 71 महिला मरीजों (एनीमिया, हाइपरटेंशन, जीडीएम,सर्वाइकल स्क्रीनिंग, एंटीनेटल) की जांच कर दवा दी गयी। जबकि अन्य को प्रसव पूर्व देखभाल गर्भाशय ग्रीवा कैंसर जांच एवं परिवार नियोजन परामर्श दिया गया। सर्जरी विभाग द्वारा 28 महिलाओं की स्तन कैंसर की जांच की गयी। स्तन कैंसर पीड़ित महिलाओं को दवा के साथ ही अपनी देखभाल खुद करने की सलाह दी गयी।

टीबी एवं चेस्ट विभाग द्वारा 26 रोगियों की टीबी जांच कर दवा दी गयी। मेडिसिन विभाग ने 75 उच्च रक्तचाप व 21 मधुमेह रोगियों की जांच कर दवा दी। दंत विभाग द्वारा 14 ओरल कैंसर स्क्रीनिंग की गयी। नेत्र विभाग द्वारा 87 नेत्र संबंधी जांच व परामर्श दिया गया। बाल रोग विभाग द्वारा 8 बच्चों का टीकाकरण किया गया।

सीएचसी पर लगाए शिविर में कार्यकर्ताओं समेत 100 लोगों ने किया रक्तदान

संवाददाता, बिल्सी

अमृत विचार : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसका विधायक हरीश शाक्य ने फीता काटकर शुभारंभ किया।

शिविर में कार्यकर्ताओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और करीब सौ लोगों ने रक्तदान किया। विधायक ने कहा कि यहां तीन मंडलों के कार्यकर्ताओं ने रक्तदान किया है। उन्होंने प्रधानमंत्री की दीर्घायु के लिए ईश्वर से कामना की और केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में लोगों को जानकारी दी। समाज सेवी दीपक चौहान ने रक्तदान को महादान बताते हुए कहा कि सभी को रक्तदान करना चाहिए। जिससे रक्त की कमी के कारण जान गंवाने वाले लोगों की जान बचाई जा सके। इस मौके पर पूर्व चेयरमेन ओमप्रकाश सागर, सीएचसी प्रभारी डॉ अरविंद वर्मा, आदित्य माहेश्वरी, अवधेश लड्ढा, विवेक राठी, राहुल शाक्य, अर्जुन सिंह चौहान, निखिल सक्सेना, दीपक चौहान, पिंकू श्रीवास्तव, राहुल वाष्णेय आदि मौजूद रहे।

सीएचसी पर रक्तदान करता युवक। ● अमृत विचार

अमृत विचार एक समृद्ध अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
7906732664, 8445507002

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र अरूण शर्मा को गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगा। मेरा व मेरे परिवार से कोई वास्ता नही होगा। सुम्मेर लाल पुत्र ज्वाला प्रसाद निवासी ग्राम बकैनिया ता. महद तहसील बीसलपुर थाना गजरौला जिला पीलीभीत।

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पासपोर्ट सं. एन 3246642 में नाम तसलीम राजा खान (Tasaleem Raja Khan) पुत्र श्री नवाव दूल्हा खान (Navav Doolha Khan) दर्ज है जोकि गलत है जबकि मेरा वास्तविक सही नाम तसलीम रज़ा खान (Tasleem Raza Khan) पुत्र श्री नवाव दूल्हा खान (Navav Doolha Khan) है। आधार कार्ड व अन्य दस्तावेजों में भी यही नाम दर्ज है। तसलीम रज़ा खान पुत्र श्री नवाव दूल्हा खान निवासी 110, स्वाले नगर, जागृति नगर बस्ती, थाना किला, रामपुर रोड, जिला बरेली।

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपनी पत्नी सावित्री, पौत्रवधू लक्ष्मी पत्नी नरेश, नाती जोगेन्द्र पुत्र राजाराम व पौत्रवधू देवकी पत्नी जोगेन्द्र को गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में इनके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए यह स्वयं जिम्मेदार होंगे। जयलाल पुत्र चोखे लाल नि.ग्राम रूपपुर मजरा जोगी ठेर पर. तह. व जिला बरेली।

Indian's Academy
Nigohi Shahjahanpur
REQUIRED
Female Teachers
NC to VIII
Fluent in English
Conveyance Available
Salary 6000 to 10000
Interview School Working days
send your resume
9628425505

आवश्यकता है
अनुभवी कुक(रसोईया) की
वेतन योग्यतानुसार
सम्पर्क करें
एच.आर.ऑफिस, कमरा नं. 102, निकट ओ.पी.डी. गेट, वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखण्ड अस्पताल
एन.एच. 30, बन्थरा, शाहजहाँपुर
समय प्रातः 10 बजे से सायं 04 बजे तक
मो. 7521001986

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

अमृत विचार

बरेली, शनिवार, 20 सितंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

33,800 अभ्यर्थियों की मेरिट सूची जारी

अमृत विचार, लखनऊ : यूपी नीट यूजी 2025 की दूसरी काउंसिलिंग में रिक्त सीटों पर दाखिले के लिए चिकित्सा शिक्षा महानिदेशालय ने पंजीकरण कराने वाले 33,800 अभ्यर्थियों की मेरिट सूची जारी कर दी है, साथ ही प्रदेश के सभी सरकारी व निजी मेडिकल कॉलेज व डेंटल कॉलेजों में सीट का ब्यौरा भी वेबसाइट पर जारी कर दिया। मेरिट सूची में अभ्यर्थियों को कल से रिक्त सीटों को ध्यान में रखकर दाखिले के लिए कॉलेजों की प्राथमिकताएं देनी होंगी। नीट पीजी 2024-25 की स्ट्रे वैकेंसी राउंड एवं स्पेशल स्ट्रे वैकेंसी राउंड की काउंसिलिंग में एमडी-एमएस की सीट पाने के बाद, दाखिला न लेने वाले 148 अभ्यर्थियों को इस बार काउंसिलिंग 2025-26 में प्रतिबन्धित कर दिया गया है। चिकित्सा शिक्षा महानिदेशालय द्वारा काउंसिलिंग में प्रतिबन्धित किए गए अभ्यर्थियों की सूची जारी कर दी है।

निष्पक्ष चुनाव हो तो हारेगी भाजपा : अखिलेश

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि चुनाव निष्पक्षता और ईमानदारी से हो तो भाजपा का कोई प्रत्याशी प्रदेश में नहीं जीत सकता है। इसलिए पारदर्शी चुनाव और भाजपा को हराने के लिए लगातार काम करना होगा। सपा प्रमुख शुक्रवार को पार्टी मुख्यालय में शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र एवं स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव के सम्बंध में पार्टी पदाधिकारियों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने लोकतंत्र को कमजोर किया है। भाजपा और अधिकारियों में सांठगांठ हैं। इस सरकार ने शिक्षा का व्यवसायीकरण कर दिया है। पूरी शिक्षा व्यवस्था को बर्बाद कर दिया है। भाजपा गरीबों को शिक्षा से दूर करना चाहती है। फीस महंगी कर दी है। शिक्षा विभाग और शिक्षण संस्थानों में अध्यापकों की कमी से शिक्षा-व्यवस्था कमजोर हो गयी है।

विजय का आधार बनेगा त्रिशक्ति फार्मूला : धर्मपाल

अमृत विचार, लखनऊ : भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने कहा कि त्रिशक्ति फार्मूले से सशक्त शक्ति केन्द्र, मजबूत बूथ और प्रभावी मंडल भाजपा की निश्चित विजय का आधार बनेंगे। उन्होंने कहा कि विपक्ष के झूठ-फरेब को भाजपा कार्यकर्ता त्रिशक्ति फार्मूले से ध्वस्त करें। उन्होंने कहा कि पंचायत चुनाव, स्नातक व शिक्षक एमएलसी चुनाव के साथ ही विधानसभा चुनाव की तैयारी के लिए शक्ति केन्द्र की मजबूत संरचना तैयार करना है। धर्मपाल सिंह इटावा तथा औरैया में शक्ति केन्द्र संयोजक, मंडल अध्यक्ष, मोर्चा जिलाध्यक्ष एवं जिला पदाधिकारियों की बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। इसके साथ ही उन्होंने अनुसूचित जाति मोर्चा के पदाधिकारियों, मंडल अध्यक्षों, नेताओं एवं कार्यकर्ताओं के साथ संवाद किया। पार्टी के पूर्व एवं वर्तमान जनप्रतिनिधि, पूर्व जिलाध्यक्ष, अभियान के संयोजक तथा वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के साथ भी बैठक में चर्चा की।

संडे ऑन साइकिल का आयोजन कल

अमृत विचार, लखनऊ : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फिट इंडिया अभियान को गति प्रदान करने के लिए उप्र. पर्यटन विभाग 'संडे ऑन साइकिल' कार्यक्रम शुरू करेगा। राजधानी में गोमतीनगर स्थित पर्यटन भवन से 21 सितंबर (रविवार) 2025 को प्रातः 6.30 बजे इसकी शुरुआत होगी। इस कार्यक्रम से फिटनेस को बढ़ावा मिलने के साथ-साथ सक्रिय जीवनशैली, पर्यावरण संरक्षण और राज्य के पर्यटन स्थलों के प्रति जागरूकता बढ़ेगी। यह जानकारी पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने शुक्रवार को दी।

त्योहारों पर अपनाएं स्वदेशी उत्पाद, ताकि आतंक फैलाने वालों के पास न पहुंचे पैसा

मथुरा में पं. दीनदयाल उपाध्याय स्मृति महोत्सव के उद्घाटन समारोह में मुख्यमंत्री योगी ने की जनता से अपील

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/मथुरा

- कहा- पं. दीन दयाल उपाध्याय के मंत्र में असंभव को संभव बनाने की शक्ति

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपील की है कि आने वाले त्योहारों में हर नागरिक केवल स्वदेशी उत्पादों का ही उपहार दे। उन्होंने कहा कि विदेशी सामानों से बचकर हमें अपने स्थानीय उत्पादों को खरीदना चाहिए, ताकि पैसा हमारे कारीगरों और किसानों तक पहुंचे, न कि आतंकवाद और नक्सलवाद फैलाने वाली ताकतों के पास। उन्होंने कहा कि स्वदेशी है तो स्वावलंबन है, स्वावलंबन हैं तो स्वाधीनता बनी हुई है और स्वाधीनता है तो हमें सशक्त होने से कोई रोक नहीं सकता। यही पंडित दीन दयाल का मंत्र है।

मथुरा में शुक्रवार को अन्त्योदय के प्रणेता और एकात्म मानव दर्शन के प्रखर वक्ता पंडित दीनदयाल उपाध्याय की स्मृति में आयोजित चार दिवसीय स्मृति महोत्सव में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि पंडित जी का सपना आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में साकार हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंडित उपाध्याय जी ने 1950 के दशक में भारत के राजनीतिक नेतृत्व को जो दृष्टि दी थी, वही आज वोकल फॉर लोकल और स्वदेशी के रूप में मूर्तरूप ले चुकी है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में असंभव को संभव बनाया गया है, चाहे कश्मीर से धारा 370 हटाना हो, अयोध्या में भव्य राममंदिर का निर्माण हो या 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन उपलब्ध कराना हो। सीएम ने कहा कि जो कभी असंभव लगता था, वही आज देश की ताकत बन चुका है। यही पंडित जी के मंत्र का प्रभाव है कि भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और जल्द ही तीसरे स्थान पर पहुंचेगा।

इस मौके पर केंद्रीय मंत्री प्रो. एसपी सिंह बघेल, प्रदेश सरकार में मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायण सिंह, जयवीर सिंह, मधुसूदन, सोहनलाल, मनीष अग्रवाल, नरेन्द्र पाठक, सविता, राज्य महिला आयोग अध्यक्ष बबीता चौहान सहित बड़ी संख्या में जनता उपस्थित रही।

मथुरा में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की स्मृति में आयोजित चार दिवसीय स्मृति महोत्सव में लोगों को संबोधित करते मुख्यमंत्री योगी।

पिछली सरकारों से जुड़ा था 'असंभव' शब्द

योगी ने कांग्रेस और सपा पर हमला बोलते हुए कहा कि पिछली सरकारों में भारत को ताकतवर बनाने की दिशा में 'असंभव' शब्द जुड़ा था। यूपी की स्थिति इतनी बिगड़ गई थी कि आजादी के समय जीडीपी में 14 प्रतिशत हिस्सेदारी रखने वाला राज्य 2017 तक देश की आठवीं अर्थव्यवस्था बनकर रह गया। लेकिन डबल इंजन सरकार ने यूपी को फिर से देश की नंबर दो की अर्थव्यवस्था बनाने का संकल्प पूरा किया है।

मरम्मत का काम वहां भी हो, जहां बिल नहीं दे रहे उपभोक्ता : एके शर्मा

ऊर्जा मंत्री ने समीक्षा बैठक में कहा- बिजली चोरी रोकने के नाम पर न हो उत्पीड़न

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि विजिलेंस एक्शन के दौरान गरीब एवं छोटे उपभोक्ताओं को बिल्कुल भी परेशान न किया जाए। विद्युत चोरी रोकने के नाम पर किसी का भी उत्पीड़न न किया जाए। ऊर्जा मंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि हाई लॉस एरिया में भी ट्रांसफार्मर समय पर बदले जाएं। उन्होंने कहा कि बिल चुकाने वाले उपभोक्ताओं को किसी भी तरह की असुविधा न हो, इसके लिए समयबद्ध तरीके से मरम्मत और बदलने की कार्रवाई की जाए। ऊर्जा मंत्री ने स्पष्ट तौर पर कहा कि जहां पर 90 प्रतिशत उपभोक्ता विद्युत बिल नहीं दे रहे हैं, वहां पर भी मरम्मत एवं ट्रांसफार्मर बदलने का काम ससमय सुनिश्चित हो ताकि बिल देने वाले 10 प्रतिशत उपभोक्ताओं को दिक्कत का सामना न करना पड़े।

ऊर्जा मंत्री ने कहा कि विजिलेंस टीम अपनी मर्जी से छापेमारी रोकने के प्रभावी उपाय करे। विद्युत चोरी रोकने को सबसे पहले उन फीडरों पर कार्रवाई हो, जहां 50 प्रतिशत से अधिक बिजली चोरी हो रही है। ऐसे फीडरों पर स्मार्ट मीटर लगाना प्राथमिकता में रखा जाए। ऊर्जा मंत्री ने शक्ति भवन स्थित सभागार में शुक्रवार को विद्युत विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विभागीय समीक्षा बैठक की। बैठक के दौरान ऊर्जा मंत्री ने 50 प्रतिशत से अधिक नुकसान वाले फीडरों पर प्राथमिकता से स्मार्ट मीटर लगाने, बिजली चोरी रोकने, विजिलेंस की कार्यवाही को प्रभावी बनाने, पुराने कुशल संविदाकर्मियों को निकालकर उनकी जगह अकुशल लोगों को रखने की जांच कराने और आगामी त्योहारी सीजन में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश दिए।

लखनऊ में बिजली विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक करते ऊर्जा मंत्री एके शर्मा।

कार्रवाई वहीं हो, जहां नुकसान ज्यादा

बैठक के दौरान एके शर्मा ने कहा कि विजिलेंस एक्टिविटी को और अधिक प्रभावी बनाया जाए। उन्होंने दो टूक कहा कि विजिलेंस की कार्रवाई केवल उन्हीं फीडरों पर होनी चाहिए, जहां नुकसान ज्यादा है। विजिलेंस टीमें अपनी मर्जी से कहीं भी छापेमारी न करें। उन्होंने अधिकारियों को यह भी हिदायत दी कि जहां विद्युत चोरी अधिक है, वहां कार्रवाई अवश्य की जाए परंतु कार्रवाई करते समय पारदर्शिता और जवाबदेही का पालन अवश्य किया जाए।

विधान परिषद चुनाव के लिए मतदाता सूची का पुनरीक्षण 30 से

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश विधान परिषद के 11 सदस्यों का कार्यकाल 6 दिसंबर 2026 को समाप्त हो रहा है। इनमें से पांच स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों, जबकि छह शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के सदस्य हैं। रिक्त होने जा रही सीटों पर चुनाव के लिए मतदाता सूची का पुनरीक्षण 30 सितंबर से शुरू हो जाएगा। इस क्रम में निर्वाचक नामावलियों का अंतिम प्रकाशन 30 दिसंबर को किया जाएगा।

- अगले साल 11 सदस्यों का कार्यकाल होगा समाप्त

परिषद में स्नातक निर्वाचन क्षेत्र की रिक्त हो रहीं 5 सीटों में लखनऊ, वाराणसी, आगरा, मेरठ एवं इलाहाबाद-झांसी शामिल हैं। वहीं, शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र की जो 6 सीटें रिक्त हो रही हैं, उसमें लखनऊ, वाराणसी, आगरा, मेरठ, बरेली-मुरादाबाद एवं गोरखपुर-फैजाबाद हैं।

स्नातक निर्वाचन क्षेत्र : मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों में लखनऊ स्नातक निर्वाचन क्षेत्र का विस्तार लखनऊ, हरदोई, खीरी, सीतापुर, बाराबंकी, रायबरेली एवं प्रतापगढ़ जनपद तक। वाराणसी स्नातक निर्वाचन क्षेत्र का विस्तार बलिया, गाजीपुर, जौनपुर, वाराणसी, चंदौली, भदोही, मिर्जापुर एवं सोनभद्र जनपद तक। आगरा स्नातक निर्वाचन क्षेत्र का विस्तार आगरा, फिरोजाबाद, मथुरा, अलीगढ़, हाथरस, एटा, मैनपुरी, इटावा, कन्नौज, औरैया, फर्रुखाबाद एवं कासगंज जनपद तक। मेरठ स्नातक निर्वाचन क्षेत्र का विस्तार बुलंदशहर, गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर, मेरठ, बागपत, मुजफ्फरनगर, सहारनपुर, शामली एवं हापुड़ जनपद तक। इलाहाबाद झांसी स्नातक निर्वाचन क्षेत्र का विस्तार प्रयागराज, कौशांबी, फतेहपुर, बांदा, चित्रकूट, हमीरपुर, महोबा, जालौन, झांसी एवं ललितपुर जनपद तक होगा।

शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र : शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों में लखनऊ शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र का विस्तार लखनऊ, हरदोई, खीरी, सीतापुर, बाराबंकी, रायबरेली एवं प्रतापगढ़ तक। वाराणसी शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र का विस्तार बलिया, गाजीपुर, जौनपुर, वाराणसी, चंदौली, भदोही, मिर्जापुर, एवं सोनभद्र तक। आगरा शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र का विस्तार आगरा, फिरोजाबाद, मथुरा, अलीगढ़, हाथरस, एटा, मैनपुरी, इटावा, कन्नौज, औरैया, फर्रुखाबाद एवं कासगंज तक। मेरठ शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र का विस्तार बुलंदशहर, गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर, मेरठ, बागपत, मुजफ्फरनगर, सहारनपुर, शामली एवं हापुड़ तक। बरेली-मुरादाबाद शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र का विस्तार बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, बदायूं, रामपुर, मुरादाबाद, अमरोहा, बिजनौर एवं संभल जनपद तक। गोरखपुर-फैजाबाद शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र का विस्तार बहराइच, श्रावस्ती, गोंडा, बलरामपुर, बस्ती, सिद्धार्थनगर, संतकबीरनगर, गोरखपुर, महाराजगंज, देवरिया, कुशीनगर, आजमगढ़, मऊ, सुल्तानपुर, अयोध्या, अमेठी एवं अंबेडकर नगर शामिल हैं।

भारत-रूस में आर्थिक संबंध होंगे मजबूत

युवाओं को इनोवेटिव बिजनेस आइडियाज से आकर्षित करेगा यूपीआईटीएस

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : उप्र. फिर एक बार अंतरराष्ट्रीय निवेश और साझेदारी को अपना मंच देने जा रहा है। इसी कड़ी में रूस-इंडिया बिजनेस डायलॉग का आयोजन 26 सितंबर को यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो के दौरान इंडिया एक्सपोज़िशन मार्ट, ग्रेटर नोएडा में किया जाएगा। खास बात यह है कि इस वर्ष रूस पार्टनर कंट्री के रूप में शामिल हो रहा है, जिससे उत्तर प्रदेश और भारत को नए व्यापारिक अवसरों की बड़ी सौगात मिलेगी।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य भारत और रूस के बीच व्यापारिक और आर्थिक सहयोग को नई ऊंचाई पर ले जाना, तकनीकी सहयोग को बढ़ावा देना और संयुक्त उपक्रमों को प्रोत्साहित करना है। बैंकिंग एवं निवेश, बीमा, शिक्षा और सामान्य व्यापार जैसे क्षेत्रों पर विशेष चर्चा होगी। इससे दोनों देशों के बीच न केवल आर्थिक संबंध मजबूत होंगे, बल्कि प्रदेश के उद्योग और कारोबारी भी लाभान्वित होंगे। संवाद में तकनीकी हस्तांतरण, क्षमता निर्माण और नए निवेश मॉडल पर भी विचार किया जाएगा। विशेषज्ञों का मानना है कि रूस और भारत की साझेदारी शिक्षा, बीमा और निवेश क्षेत्रों में नई संभावनाओं को जन्म देगी। साथ ही, उत्तर प्रदेश में चल रही औद्योगिक नीतियों और मेगा प्रोजेक्ट्स में रूस की कंपनियों की भागीदारी से रोजगार और विकास के अवसर और बढ़ेंगे।

- 26 को यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो के दौरान इंडिया एक्सपोजिशन मार्ट का होगा आयोजन
- 27 को सीएम युवा और 27 शैक्षिक संस्थानों के बीच होगा एमओयू हस्तांतरण
- गलगोटिया, जीएल बजाज, शारदा, एमिटी सहित प्रमुख यूनिवर्सिटी जुड़ेंगी योजना से

हुनर और उत्पादों को मिलेगा वैश्विक मंच

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो मार्ट सभागार पहुंच कर निर्देश दिए कि आगामी यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में प्रदेश के प्रत्येक जिले की सक्रिय और प्रभावी भागीदारी सुनिश्चित की जाए। प्रत्येक जिले के वन डिस्टिक्ट वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) से जुड़े उत्पादों के लिए विशेष स्टॉल स्थापित किए जाएंगे, ताकि स्थानीय हस्तशिल्प, खाद्य, हस्तकला और उद्योग संबंधी उत्पादों को वैश्विक खरीदारों और निवेशकों के सामने प्रदर्शित किया जा सके। उन्होंने कहा कि यह केवल प्रदर्शनी नहीं होगी, बल्कि यूपी की विविधता, सांस्कृतिक विरासत और व्यावसायिक प्रतिभा को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तुत करने का महत्वपूर्ण अवसर होगी।

खादी वस्त्रों में मॉडल करेंगे कैटवॉक

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो के अंतर्गत आयोजित होने वाले फैशन शो में देशभर की फिल्म सिटी से जुड़े विशेषज्ञों को भी शामिल किया जाए। फैशन शो में खादी और ग्रामोद्योग के उत्पादों को पेश करने के लिए विशेष कैटवॉक और प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी, जिससे इन उत्पादों की गुणवत्ता और सौंदर्य का प्रभाव वैश्विक स्तर पर दिखाया जा सके।

फोरेंसिक विशेषज्ञ पोस्टमार्टम ड्यूटी से बाहर, उठे सवाल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- चिकित्सकों में रोष, सीएमओ पर लगाए आरोप

अमृत विचार : पोस्टमार्टम के लिए नई गाइडलाइन में 60 साल आयु तक के सभी डॉक्टरों की ड्यूटी तो लगा दी गयी है, मगर फोरेंसिक विशेषज्ञों को पोस्टमार्टम ड्यूटी से बाहर रखने का मामला बड़ा विवाद बनता जा रहा है। प्रांतीय चिकित्सा सेवा संवर्ग (पीएमएस) के चिकित्सक, जिन्हें हर माह पोस्टमार्टम का बोझ उठाना पड़ रहा है, विरोध जता रहे हैं। राजधानी समेत कई जिलों में चिकित्सकों ने इस व्यवस्था पर सवाल खड़े किये हैं।

जून 2025 में जारी गाइडलाइन में भले ही मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) व अपर मुख्य चिकित्साधिकारी को छोड़कर 60 साल आयु तक के डॉक्टरों से पोस्टमार्टम कराने की अनिवार्यता रखी गयी है, मगर जिला स्तर पर पूरा अनुपालन नहीं हो रहा है। क्रमानुसार पोस्टमार्टम में ड्यूटी करने के लिए जिलों में मौजूद डॉक्टरों की कॉमन सूची नहीं तैयार की गयी है। सीएमओ का तर्क है कि व्यवस्थातंर्गत ग्रामीण क्षेत्र के डॉक्टरों को पोस्टमार्टम में नहीं बुलाया जाता है, क्योंकि ग्रामीण क्षेत्र के अस्पताल प्रभावित होते हैं। साथ ही केजीएमयू में फोरेंसिक विभाग के अध्यक्ष प्रो. अनूप वर्मा का कहना है कि 2015 तक लावारिस शवों का पोस्टमार्टम हमारे यहां के चिकित्सकों द्वारा किया जाता था, उसके बाद सीएमओ द्वारा रोक लगा दी गयी थी। उन्होंने बताया कि 2015 के शासनादेश के अनुसार, व्यवस्था लागू करने के लिए चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक एवं स्वास्थ्य महानिदेशक स्तर पर, संयुक्त योजना बनाकर अमल कराना चाहिए, ताकि जिन जिलों में फोरेंसिक शिक्षक हैं, वहां पर पोस्टमार्टम करने का मौका फोरेंसिक एक्सपर्ट को मिल सके, क्योंकि विभाग में पोस्टमार्टम भी विषय है।

चिकित्सकों पर दोहरी जिम्मेदारी

पीएमएस संवर्ग के कई चिकित्सकों का कहना है कि पहले से ही अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों पर मरीजों का बोझ संभालना मुश्किल हो रहा है। ऐसे में लगातार हर माह पोस्टमार्टम ड्यूटी करने से उन पर दोहरी जिम्मेदारी आ गई है। एक चिकित्सक ने नाम न उजागर करने की शर्त पर बताया कि फोरेंसिक विशेषज्ञ, जो इस क्षेत्र के विशेषज्ञ हैं, उन्हें पूरी तरह अलग कर दिया गया है।

न्यायालय जाने की चेतावनी

बीते दिनों बागपत जिले में पोस्टमार्टम करने वाले चिकित्सकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज हुई है, जिसके बाद पीएमएस चिकित्सकों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही शासनादेश की समीक्षा नहीं की गई और फोरेंसिक विशेषज्ञों को पोस्टमार्टम ड्यूटी में शामिल नहीं किया गया तो न्यायालय की शरण लेंगे।

बुलंदशहर की डीएम ने शिवपाल से मांगी माफी

अमृत विचार, लखनऊ : समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव की शिकायत के बाद बुलंदशहर की जिलाधिकारी (डीएम) श्रुति सिंह को बैकफुट पर आना पड़ा और सार्वजनिक तौर पर माफी मांगनी पड़ी। जानकारी के अनुसार, सपा के वरिष्ठ नेता शिवपाल सिंह यादव ने किसी मामले को लेकर बुलंदशहर की डीएम श्रुति सिंह से संपर्क करने की कोशिश की। उन्होंने जिलाधिकारी को लगभग 20 से 25 बार कॉल किए, लेकिन कॉल रिसीव न होने पर नाराज होकर सीधे विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना से इसकी शिकायत दर्ज कर दी। शिकायत पर विधानसभा अध्यक्ष ने बुलंदशहर की डीएम को नोटिस जारी किया। इसके बाद शिवपाल सिंह से फोन पर माफी मांग ली।

पीडीए में 'पी' का मतलब पिछड़ा या पंडित

अमृत विचार, लखनऊ : सपा के पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) गठबंधन को लेकर पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य ने समाजवादी पार्टी पर करारा वार किया है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि पीडीए में 'पी' का मतलब पिछड़ा है या पंडित। मौर्य के इस बयान को सपा नेतृत्व पर सीधा निशाना माना जा रहा है। एक कार्यक्रम के दौरान मऊ जिले में शुक्रवार को स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव खुद यह तय नहीं कर पा रहे हैं कि 'पी' का मतलब पिछड़ा है या पंडित, 'डी' का मतलब दलित है या डिंपल यादव और 'ए' का अर्थ अल्पसंख्यक है या आधी आबादी। दूसरी तरफ उन्होंने बसपा को लेकर नरमी बरती है, जिससे राजनीतिक घर वापसी के कयास लगाये जा रहे हैं।

रामभद्राचार्य के खिलाफ अपमानजनक वीडियो तत्काल रोके जाएं : हाईकोर्ट

विधि संवाददाता, लखनऊ

- सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को आदेश, दोषियों पर करें कार्रवाई

अमृत विचार : हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने चित्रकूट के जगतगुरु स्वामी रामभद्राचार्य दिव्यांग विश्वविद्यालय के कुलपति स्वामी राम भद्राचार्य के खिलाफ एक यूट्यूब चैनल और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर चल रहे कथित आपत्तिजनक वीडियो को तत्काल रोकने का आदेश फेसबुक, इंस्टाग्राम, गूगल और यूट्यूब के शिकायत निवारण अधिकारियों को दिया है। साथ ही इन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को नोटिस जारी करने का भी आदेश दिया है। कोर्ट ने दिव्यांगों के लिए कार्य करने वाले स्टेट कमिश्नर को भी सोशल मीडिया चैनल चलाने वाले शशांक शेखर के विरुद्ध यथोचित कार्रवाई करने का आदेश दिया है। मामले की अगली सुनवाई 8 अक्टूबर को होगी।

यह आदेश न्यायमूर्ति संगीता चंद्रा और न्यायमूर्ति बृजराज सिंह की खंडपीठ ने शरद चंद्र श्रीवास्तव व अन्य की ओर से दाखिल रिट याचिका पर पारित किया है। याचिका में यह भी मांग की गयी है कि केंद्र व राज्य सरकार विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर लगाम लगाने के लिए नियम बनाएं और उनका सख्ती से पालने करायें। कहा गया है कि यूट्यूबर शशांक शेखर सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर स्वामी राम भद्राचार्य के खिलाफ अपमानजनक वीडियो चला रहे हैं। आपत्ति के बावजूद न तो वीडियो को हटाया गया है और न ही संबधित सोशल मीडिया प्लेटफार्म ने ही अपने स्तर से कार्यवाही करके उक्त वीडियो को हटाया है। कहा गया कि स्वामी राम भद्राचार्य के आंखों की रोशनी बचपन में ही चली गई थी, उक्त वीडियो में उनकी इसी दिव्यांगता को लेकर अपमानजनक टिप्पणियों वाला वीडियो चलाया जा रहा है।

सुविधा | 10 टन केले से की शुरुआत, फिलहाल किसानों से शुल्क नहीं लिया जाएगा, देना होगा सिर्फ बिजली खर्च

लखनऊ के मैंगो पैक हाउस में पकेंगे केले, मिलेगा बाजार

प्रशांत सक्सेना, लखनऊ

लखनऊ के रहमान खेड़ा स्थित मैंगो पैक हाउस में रखे केले।

अमृत विचार : रहमान खेड़ा में संचालित मंडी परिषद के मैंगो पैक हाउस में अब केला भी पकाया जाएगा। यहां किसानों को केला बिक्री के लिए बाजार भी मिलेगा। लखनऊ व आसपास के किसान पैक हाउस में केला लाएंगे। यहां बिना शुल्क तीन से चार दिन में कोल्ड रूम में राइपनिंग यानी पकाकर दिया जाएगा।

पैक हाउस में केला पकाने की शुरुआत शुक्रवार से कर दी है। लखनऊ व आसपास जिलों के किसानों ने 10 टन केला पकाने के लिए रखा है। पैक हाउस शुरुआती दौर में किसानों से सिर्फ बिजली का खर्च लेगा। जिले में यह सुविधा अब तक न होने की वजह से किसान अन्य उपाय व संसाधनों का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन इस नई सुविधा से उन्हें फायदा और बचत होगी। साथ ही आम के सीजन में दो माह संचालित होने वाला पैक हाउस अन्य सीजन में काम करने से मंडी परिषद को फायदा होगा। क्योंकि आम का सीजन जाने के बाद हर माह किराया व बिजली समेत लाखों रुपये खर्च होता है। अब इन्हीं मशीनों, उपकरण और संसाधन का केला में इस्तेमाल करेंगे।

गैर प्रांतों में ढूंढ रहे बाजार, अगले वर्ष से निर्यात

पैक हाउस अभी किसानों का केला पकाकर उन्हें देगा, जिसकी बिक्री किसान स्वयं करेंगे। इसी के साथ पैक हाउस खुद गैर प्रांतों में केला की बिक्री करने का बाजार ढूंढ रहा है। इससे पैक हाउस की क्षमता बढ़ेगी और बराबर संचालन होगा। किसानों को भी सीधा फायदा होगा। यदि सफल हुए तो अगले वर्ष आम की तरह केला का निर्यातकों को प्रोत्साहित करके निर्यात भी किया जाएगा।

पैक हाउस की क्षमता

- अभी क्षमता 20 टन
- 40 टन तक बढ़ाएंगे

पैक हाउस में सिर्फ किसानों का केला पकाकर देंगे, जो स्वयं बिक्री करेंगे, लेकिन इसमें वृद्धि करने के लिए गैर प्रांतों में बाजार तलाश रहे हैं। इससे कि किसानों को भी फायदा हो सके। इसके अलावा निर्यातकों के माध्यम से केले का निर्यात भी करेंगे।

– अमित अग्रवाल, संचालक मैंगो पैक हाउस

न्यूज ब्रीफ

छात्रों ने अंक अपलोड न होने पर किया हंगामा

बरेली, अमृत विचार : रुहेलखंड विश्वविद्यालय में शुक्रवार को संभल से आए कुछ विद्यार्थियों ने अंक अपलोड न होने पर हंगामा किया। छात्रों से अधिकारी ने कहा कि कॉलेज से जाकर संपर्क करें, इससे दूर से आए छात्र नाराज हो गए। छात्रों को परीक्षा नियंत्रक के पास ले जाया गया, जहां मामले का निस्तारण किया गया। पूछताछ में सामने आया कि पहले कॉलेज ओर से विश्वविद्यालय में छात्रों को अनुपस्थित दिखाया गया था। अब छात्र मैनुअल अंक लेकर आए थे लेकिन उसपर प्राचार्य के हस्ताक्षर नहीं थे। इसके अलावा जिस शिक्षक ने अंक दिए थे, उसका स्थानांतरण हो गया है और दूसरे शिक्षक की ओर से अंक दिए गए थे।

मायावती की रैली को सफल बनाने की तैयारी

बरेली, अमृत विचार : पीलीभीत रोड स्थित बहुजन समाज पार्टी के मंडल कार्यालय में शुक्रवार को समीक्षा बैठक हुई। इसका मुख्य उद्देश्य 9 अक्टूबर को लखनऊ में होने वाली कांशीराम के परिनिर्वाण दिवस पर आयोजित जनसभा की तैयारियों की समीक्षा की। इस जनसभा को बसपा मुखिया मायावती संबोधित करेंगी। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में मुनकाद अली, गिरीश चंद्र जाटव, रणवीर सिंह कश्यप और अन्य वरिष्ठ नेता उपस्थित थे। बैठक में रैली को सफल बनाने की तैयारी की जानकारी ली गई। इस दौरान हज्जान राबिया अख्तर ने अपने समर्थकों के साथ पीस पार्टी छोड़कर बहुजन समाज पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। महानगर अध्यक्ष डॉ. हसरत अली ने उन्हें सदस्यता दिलाई।

दिशा पाटनी के घर फायरिंग में शामिल 5वां बदमाश गिरफ्तार

बदमाशों से शाही क्षेत्र में हुई मुठभेड़, मुख्य शूटर रविंद्र का डमी बनकर आया था बरेली

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- पैर में गोली लगने से हुआ जख्मी साथी को भी दबोचा
- रेकी की दी गई थी जिम्मेदारी, 25 हजार का था इनाम

अमृत विचार : फिल्म अभिनेत्री दिशा पाटनी के घर पर फायरिंग करने वाले शूटरों की मदद करने, रेकी करने और साजिश में शामिल रहे पांचवें बदमाश को शुक्रवार की देर शाम शाही थाना क्षेत्र में मुठभेड़ के दौरान उसके साथी संग गिरफ्तार कर लिया गया।

25 हजार के इनामी आरोपी के पैर में गोली लगी है। दोनों आरोपी नेपाल भागने की फिराक में थे। गिरफ्तार बदमाशों की पहचान ग्राम बेडकला थाना जैतारण जिला बियावर राजस्थान निवासी घायल रामनिवास उर्फ दीपक उर्फ दीपू और ग्राम राजपुर थाना बड़ी सोनीपत हरियाणा के अनिल के रूप में हुई है। अभिनेत्री दिशा पाटनी के सिविल लाइन्स चौपुला स्थित आवास पर दो दिन फायरिंग की गई थी। बाइक से आए अलग-अलग बदमाशों ने 11 और 12 सितंबर को तड़के ताबड़तोड़ कई राउंड फायरिंग कर दहशत फैलाई थी। पुलिस जांच में सामने आया कि फायरिंग के मामले में चार नहीं बल्कि पांच शूटर शामिल थे। वारदात को अंजाम देने वाले मुख्य शूटर रविन्द्र और अरुण को गाजियाबाद में एसटीएफ और दिल्ली की सीआई यूनिट के संयुक्त टीम ने मार गिराया था। जबकि, इन्हीं शूटरों में शामिल रहे नाबालिग बदमाशों को दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। वारदात में शामिल पांचवां आरोपी दीपू फरार चल रहा था। एसओजी इसकी तलाश कर रही थी। इसी बीच जानकारी हुई कि वह नेपाल भागने की फिराक में है। एसएसपी अनुराग आर्य ने बताया कि पुलिस टीम ने शुक्रवार की देर शाम शाही क्षेत्र के बिहारीपुर नदी पुल के पास घेराबंदी करके गिरफ्तार करने का प्रयास किया। बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। एसओजी और कोतवाली पुलिस टीम ने जवाबी कार्रवाई करते हुए गोली चलाई। जो रामनिवास के पैर में जा धंसी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। इसके साथ अनिल को भी गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने बताया कि दीपू शहर में शूटरों के साथ आया था। जो फिल्म अभिनेत्री के घर की रेकी करने समेत पूरे प्रकरण की साजिश में शामिल था। दीपू के कब्जे से पिस्टल, चार जिंदा कारतूस, और अनिल के पास से तमंचा तथा दो जिंदा कारतूस समेत एक मोटरसाइकिल बिना नंबर प्लेट की बरामद हुई है।

झुमका तिराहे पर तीन घंटे सोया था दीपू

बॉलीवुड अभिनेत्री दिशा पाटनी के घर फायरिंग प्रकरण में मुख्य शूटर की भूमिका निभाने वाले रविन्द्र की डमी बनकर रामनिवास उर्फ दीपू 10 सितंबर को ही बरेली आ गया था। उसने ही फिल्म अभिनेत्री के घर की रेकी की थी। साथ ही वह रविन्द्र की तरह शर्ट पहन कर झुमका तिराहे पर यात्रियों के लिए बने शेड में तीन घंटे तक सोया था, जबकि, रविन्द्र शहर में भ्रमण कर रहा था। इतना ही नहीं चारों शूटरों के साथ वह सोनीपत स्थित एक पेट्रोल पंप पर अपाचे में पेट्रोल डलवाते समय भी सीसीटीवी कैमरे में कैद हुआ था। दीपू को चारों शूटरों ने बाइक चोरी करने की भी जिम्मेदारी दी गई थी, जिससे वह चोरी की बाइक से वारदात को अंजाम देकर बाइक यहीं छोड़ कर फरार हो जाएं और पुलिस उन्हें ट्रेस न कर सके। लेकिन, वह बाइक चोरी करने में असफल रहा।

फुटबॉल छात्रावास ने एमईएस एफसी को 4-0 से हराया

बरेली, अमृत विचार: स्पोर्ट्स स्टेडियम में जिला फुटबॉल लीग में शुक्रवार को फुटबॉल छात्रावास ने एमईएस एफसी को 4-0 से पराजित किया। मैच की शुरुआत से ही दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने दमदार खेल दिखाया। एमईएस एफसी के नीरज सोनकर और निखिल गुप्ता ने बेहतरीन तालमेल के साथ आक्रामक मूव बनाया। नीरज सोनकर ने विपक्षी डिफेंस को छकाते हुए जोरदार शॉट लगाया, जिसे छात्रावास के गोलकीपर पांजल कुमार ने रोक लिया। इसके बाद टीम ने तालमेल और आक्रामकता दिखाते हुए लगातार तीन गोल दागे। 14वें मिनट में अभिषेक, 27वें मिनट में विनय कुमार और 30वें मिनट में प्रशांत सिंह ने शानदार गोल कर स्कोर 3-0 कर दिया। इंटरवल तक छात्रावास पूरी तरह हावी रहा। दूसरे हाफ में फुटबाल छात्रावास को पेनल्टी का मौका मिला, जिसे यासीन ने आसानी से गोल कर विपक्षी टीम की उम्मीदें तोड़ दीं और फुटबॉल छात्रावास ने 4-0 से जीत अपने नाम की। मैच में रेफरी की भूमिका निष्कर्ष कंदारी, मानवेंद्र, हर्षित ने निभाई।

शिक्षिका से अभद्रता पर छात्र का प्रवेश प्रतिबंधित

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- शिक्षिका ने शुक्रवार को कुलपति कार्यालय के बाहर कार्रवाई न होने पर जताया विरोध

अमृत विचार: रुहेलखंड विश्वविद्यालय में विधि विभाग की शिक्षिका ने शुक्रवार को कुलपति के समिति कार्यालय के बाहर धमकी देने वाले छात्र पर कार्रवाई न होने पर विरोध जताया। कुलपति ने शिक्षिका की शिकायत सुनकर तीन सदस्यीय जांच समिति का गठन किया। इस मामले में शिक्षिका की पूर्व शिकायत पर जांच समिति की रिपोर्ट पर चीफ प्रॉक्टर प्रो. रविंद्र कुमार ने छात्र का विवि परिसर से जांच पूरी होने तक प्रवेश प्रतिबंधित कर दिया है।

चीफ प्रॉक्टर के मुताबिक विधि विभाग की शिक्षिका ने 18 अगस्त को शिकायत की थी कि एलएलएम द्वितीय सेमेस्टर के छात्र पवन ने व्हाट्सएप पर धमकी भरे मेसेज भेजे। उसने 2 सितंबर को तीन अज्ञात लोगों के साथ एक एंबुलेंस से उनके विश्वविद्यालय परिसर में बने आवास पर आकर नशे में गाली गलौज की। यह एंबुलेंस विधि विभाग के सामने भी देखी गई थी। इस कारण वह काफी परेशान हैं। उसने कई बार रास्ता भी रोककर धमकी दी।

उनकी शिकायत को गंभीरता से लेते हुए छात्र को निलंबित कर प्रो. यतेंद्र कुमार, प्रो. रविंद्र कुमार और डॉ. रामबाबू की जांच समिति बनाई गई थी। समिति ने छात्र की ओर से शिक्षिका के साथ की गई अभद्रता को गंभीर अनुशासनहीनता माना है और कड़ी कार्रवाई करने की संस्तुति की। शिक्षिका ने कुलपति प्रो. केपी सिंह को बताया कि छात्र ने दोबारा अपने कुछ साथियों के साथ मिलकर उनके साथ अभद्रता की। इससे वह काफी डरी हुई हैं। शिक्षिका की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए छात्र को निलंबित कर महिला ग्रीवांस सेल की प्रो. संतोष अरोड़ा, डीएसडब्ल्यू प्रो. पीबी सिंह और चीफ प्रॉक्टर प्रो. रविंद्र कुमार की तीन सदस्यीय उच्च स्तरीय जांच समिति बनाई गई है और जांच पूरी होने तक छात्र का तत्काल प्रभाव से विश्वविद्यालय परिसर में प्रवेश प्रतिबंधित किया गया। बता दें कि छात्र ने कुछ दिनों पहले शिक्षिका पर आरोप लगाते हुए कई जगह शिकायत की है, जिसकी जांच चल रही है।

मंडल में कानून-व्यवस्था दुरुस्त रखना प्राथमिकता : कमिश्नर

कार्यालय संवाददाता, बरेली

डीएम और सीडीओ से जिले में कानून व्यवस्था की जानकारी लेते नवनियुक्त कमिश्नर।

- नवागत कमिश्नर भूपेंद्र एस. चौधरी पहुंचे, कार्यभार ग्रहण कर गिनाईं प्राथमिकताएं

अमृत विचार : नवनियुक्त कमिश्नर भूपेंद्र एस चौधरी ने शुक्रवार की शाम करीब 6.30 बजे बरेली पहुंचकर पदभार ग्रहण कर लिया। सर्किट हाउस पहुंचने पर जिलाधिकारी अविनाश सिंह, सीडीओ देवयानी और अपर आयुक्त (प्रशासन) प्रीति जायसवाल आदि ने बुके देकर कमिश्नर का स्वागत किया।

कमिश्नर ने अपर आयुक्त प्रीति जायसवाल से मंडल के जिलों में कानून व्यवस्था और बाढ़ की स्थिति जानी, साथ ही अपनी प्राथमिकताएं बताईं। कार्यभार संभालते ही नवागत मंडलायुक्त मुख्यमंत्री की वीडियो क्रांफ्रेंसिंग में शामिल हुए। अपर आयुक्त ने बताया कि बरेली छोड़कर बदायूं, पीलीभीत और शाहजहांपुर में कुछ जगहों पर बाढ़ जैसे हालात बने थे, लेकिन अब ठीक है। कमिश्नर ने जिलाधिकारी से कल्याणकारी योजनाओं की प्रगति और कानून व्यवस्था की जानकारी ली। कमिश्नर ने कहा है कि मंडल में कानून व्यवस्था दुरुस्त रखने के साथ मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप राज्य सरकार की योजनाओं का सही से क्रियान्वयन कराना प्राथमिकता रहेगी। आगामी त्योहारों पर कानून व्यवस्था दुरुस्त रखी जाएगी। अमेठी निवासी कमिश्नर 2009 बैच के आईएएस हैं। पहली बार कमिश्नर बनाए गए हैं। इससे पहले खाद्य एवं रसद आयुक्त थे। प्रशासनिक सेवा में आने के बाद से उन्होंने मेहनती और नतीजों पर फोकस करने वाले अफसर के रूप में अपनी पहचान बनाई है। संत कबीर नगर, बिजनौर और मऊ जैसे जिलों में बतौर डीएम रह चुके हैं। खाद्य एवं रसद आयुक्त रहते हुए सार्वजनिक वितरण प्रणाली और आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति व्यवस्था को बेहतर बनाया है।

अब तक 71 सौ से अधिक प्रवेश, सीटें लॉक होनी शेष

बरेली, अमृत विचार: बरेली कॉलेज में स्नातक और परास्नातक में अब तक 71 सौ से अधिक प्रवेश हो चुके हैं लेकिन अब तक स्नातक और परास्नातक के विद्यार्थी सीट लॉक कराने के लिए आ रहे हैं, जबकि विश्वविद्यालय की ओर से बार-बार तिथि बढ़ाने के बाद अंतिम अवसर 16 सितंबर को ही समाप्त हो गया। अब कॉलेज प्रशासन विश्वविद्यालय की ओर से तिथि बढ़ने पर ही सीट लॉक की बात कहकर छात्रों को भेज रहा है।

कॉलेज के सेमिनार हाल में शुक्रवार को एक साथ कई-छात्र छात्राएं पहुंचे। उन्होंने वहां मौजूद प्रवेश समिति के सदस्यों से सीट लॉक कराने की बात कही तो बताया कि अंतिम तिथि 16 सितंबर निकल चुकी है। विद्यार्थियों से कहा कि बार-बार सूचना देने के बाद भी सीट लॉक कराने क्यों नहीं आए तो कई सूचना न मिलने की बात कहने लगे। पोर्टल पर चेक किया तो सूचना भेजी गई थी।

24वें गवाह का बयान दर्ज, टैटू टिप्पणी पर कोर्ट परिसर में गरमाई बहस

तिकुनिया हिंसा

संवाददाता, लखीमपुर खीरी

- गवाह के हाथ पर बने टैटू पर टिप्पणी करने से हुआ हंगामा

अमृत विचार: बहुचर्चित तिकुनिया हिंसा कांड की सुनवाई शुक्रवार को एक बार फिर सुर्खियों में रही। एडीजे देवेंद्र नाथ सिंह की अदालत में अभियोजन पक्ष के 23वें गवाह बलजीत सिंह से लगातार तीन दिन से चल रही जिरह पूरी हुई। इसके तुरंत बाद अदालत ने 24वें गवाह राम सिंह का बयान दर्ज किया। हालांकि अदालत का समय समाप्त हो जाने से उनकी जिरह अब 22 सितंबर को होगी। अदालत ने अगली सुनवाई के लिए यह तारीख निर्धारित कर दी है। कोर्ट परिसर में हाथ पर बने टैटू को लेकर हंगामा खड़ा हो गया।

3 अक्टूबर 2021 को लखीमपुर खीरी के तिकुनिया कस्बे में केंद्रीय मंत्री के दौरे के दौरान किसानों का विरोध प्रदर्शन चल रहा था। तभी प्रदर्शनकारियों पर तेज रफ्तार थार गाड़ी चढ़ा दी गई थी। इस दर्दनाक घटना में कई किसानों समेत अन्य लोगों की मौत हुई और इलाके में अचानक हिंसा भड़क उठी। घटना ने पूरे देश में सनसनी फैला दी थी और मामले की गंभीरता को देखते हुए उच्चस्तरीय जांच और सुनवाई जारी है। अब अदालत 22 सितंबर को 24वें गवाह राम सिंह से जिरह करेगी। इस बीच, अभियोजन और बचाव पक्ष दोनों ही अगले गवाह से पूछताछ को लेकर अपनी तैयारी में जुट गए हैं। तिकुनिया हिंसा कांड की यह सुनवाई लगातार प्रदेश और देश की निगाहों में बनी हुई है, क्योंकि इसका राजनीतिक और सामाजिक दोनों ही स्तरों पर गहरा असर माना जा रहा है।

उधर शुक्रवार की सुनवाई के बाद अदालत परिसर का माहौल उस समय अचानक गर्म हो गया। जब गवाह बलजीत सिंह के हाथ पर बने टैटू को लेकर किसी ने आपत्तिजनक टिप्पणी कर दी। बलजीत सिंह का कहना है कि टैटू उनके धार्मिक विश्वास का प्रतीक चिन्ह है। आरोप है कि टिप्पणी करने वाले ने उन्हें खालिस्तानी समर्थक करार देने की कोशिश की। बलजीत सिंह ने कहा कि धार्मिक प्रतीकों को किसी भी राजनीतिक या अलगाववादी विचारधारा से जोड़ना गलत और अपमानजनक है। उन्होंने साफ कहा कि यह धार्मिक बेअदबी है और वे इस पर अपनी आपत्ति दर्ज कराएंगे। मौके पर मौजूद लोगों के हस्तक्षेप के बाद स्थिति को शांत किया गया और कहासुनी आगे नहीं बढ़ पाई।

सूचना

अमृत विचार के 17 सितम्बर के अंक में वअदालत उपजिलाधिकारी के मुकदमा नं0 T20251231 के सम्मन मुद्रालय में प्रतिवादी का नाम भूलवश जसदीप सिंह गलत प्रकाशित हो गया है । प्रतिवादी का सही नाम जसवीर सिह है अत: जसदीप के स्थान पर जसवीर सिंह आदि पढ़ा जाए ।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैसर्स डी.पी. गुड्स फारवरडिंग एजेन्सी पता जरी बिल्डिंग श्यामगंज बरेली उत्तर प्रदेश जिसकी पंजीकरण सं. B-10194 है, यह उपरोक्त फर्म दिनांक 01.04.2012 से निरन्तर सुचारू रूप से कार्य कर रही है, उपरोक्त फर्म से दिनांक 01.04.2017 को तीन साझेदार 1. धमेन्द्र पाण्डेय 2. खस्ती नन्दन जोशी 3. मदन सिंह व दिनांक 01.04.2025 को साझेदार 4. गौरी दत्त पाण्डेय 5. गविन्दी देवी पाण्डेय निवासीगण जरी बिल्डिंग श्यामगंज बरेली उ. प्र. स्वेच्छा से सेवानिवृत्त/रिटायर हो रहे हैं, तथा सेवानिवृत्त साझेदार का फर्म पर व फर्म का सेवानिवृत्त साझेदार पर कोई शेष बकाया नहीं है। उपरोक्त फर्म में वर्तमान में कुल तीन साझेदार क्रमश: 1. श्री दिनेश चंद्रा पाण्डेय 2. श्री हेमन्त पाण्डेय 3. श्रीमती दीपा पाण्डेय साझेदार है।

एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि उक्त साझेदारी फर्म के संशोधन के सम्बन्ध में समस्त विधिक औपचारिकताएं मेरे द्वारा पूर्ण कर ली गई।

दिनेश चंद्र पाण्डेय
साझेदार

माल बेच कर ट्रक में लगाई आग, रिपोर्ट

बरेली,अमृत विचार : प्रेमनगर थाना क्षेत्र में 1.36 करोड़ रुपये का माल भर कर ट्रक चालक लखनऊ के लिए निकला। उसने रास्ते में ट्रक मालिक के साथ मिलकर माल को बेच दिया और उसके बाद ट्रक में आग लगा दी ताकि बीमा क्लेम कर भी रुपये ले सके।

गोली कांड के आरोपी चुन्नू पंडित ने सीएम पर की अभद्र टिप्पणी

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर शुरू की तलाश

अमृत विचार : पीलीभीत बाईपास स्थित बेशकीमती प्लाट पर कब्जा करने को लेकर दिनदहाड़े 100 राउंड फायरिंग करने के आरोपी आदित्य उपाध्याय उर्फ चुन्नू ने सोशल मीडिया पर मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ और क्षत्रिय समाज के लोगों को लेकर अभद्र टिप्पणी की। कुछ लोगों ने विरोध किया तो उनको भी जान से मारने की धमकी दी।

मामले में युवक ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है कैंट थाना क्षेत्र निवासी सर्वेश्वर सिंह ने बताया कि आदित्य उपाध्याय उर्फ चुन्नू पंडित ने सोशल मीडिया पर 16 सितंबर को मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ समेत प्रदेश के क्षत्रिय समाज को लेकर अभद्र और अपमानजनक शब्दों का प्रयोग किया। इससे क्षत्रिय समाज के सम्मान को ठेस पहुंची है। यह कृत्य सोची समझी साजिश के तहत किया गया है। समाज के कुछ संभ्रांत लोगों ने समझाने का प्रयास किया तो आरोपी ने उन्हें जान से मारने की धमकी दी। आदित्य की विवादित टिप्पणी से समाज में रोष है। पुलिस ने मामले में रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ध्यान रहे कि पिछले दिनों प्लाट पर जेसीबी लेकर कब्जा करने के दौरान दो पक्षों में दिनदहाड़े 100 राउंड से अधिक गोलियां चलाई गई थीं। मामला प्रदेश स्तर तक गूंजा था। इस पर शासन ने संज्ञान लेते हुए तत्कालीन एसएसपी घुले सुशील चंद्रभान का तबादला कर दिया था। साथ ही एसएसपी ने तत्कालीन इंस्पेक्टर इज्जतनगर जय शंकर सिंह, हल्का इंचार्ज दरोगा राजीव प्रकाश, सिपाही सनी कुमार, विनोद, राजकुमार व अजय कुमार को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया था।

गणित विभाग में आपत्तिजनक हालत में पकड़े विद्यार्थी

बरेली, अमृत विचार: बरेली कॉलेज के गणित विभाग की कक्षा में छात्र-छात्रा आपत्तिजनक हालत में पकड़े गए। जब एक शिक्षक ने देखा तो दोनों को डांटा, इस पर दोनों शिक्षक से ही उलझ गए। इस पर अन्य शिक्षक मौके पर बुलाए गए तो छात्र-छात्राओं की सिफारिश आने लगी। इस पर दोनों को प्रॉक्टोरियल बोर्ड के समक्ष किया गया। कॉलेज में कुछ दिनों पहले भी इसी तरह का एक मामला सामने आया था, हालांकि इसकी कहीं कोई शिकायत नहीं की गई। चीफ प्रॉक्टर प्रो. आलोक खरे ने बताया कि उनकी संज्ञान में मामला नहीं है। दूसरे प्रॉक्टर के पास मामला पहुंचा होगा तो उन्होंने ही निस्तारण किया होगा।

मुस्लिम बहनों के धर्म परिवर्तन पर नहीं हो रही कार्रवाई

कार्यालय संवाददाता बरेली

- आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा बोले, मुसलमान सड़क से लेकर संसद तक सुरक्षित नहीं

अमृत विचार : आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खान ने शुक्रवार को कहा कि मुस्लिम बहन-बेटियों के धर्म परिवर्तन पर कार्रवाई नहीं हो रही है। मुसलमान सड़क से लेकर संसद तक में सुरक्षित नहीं है। अगर मुसलमान सड़कों पर आ गया तो देश के क्या हालात बनेंगे, इसका जिम्मेदार कौन होगा।

दरगाह आला हजरत स्थित अपने आवास पर पत्रकारों से बात करते हुए तौकीर रजा ने कहा कि हिंदूवादी संगठन और कथित हिंदूवादी नेता मुस्लिम मुस्लिम बहन-बेटियों पर लंबे वक्त से कमेंट्स करते रहे हैं। संसद के अंदर मुसलमान को खुले आम गालियां दी जाती हैं। पैगम्बर ए इस्लाम की शान में गुस्ताखियां की जा रही हैं, दुनिया का मुसलमान सब कुछ सहन कर सकता है मगर रसूल आजम की शान में गुस्ताखी बर्दाश्त नहीं कर सकता। रसूल आजम के लिए आई लव मोहम्मद कहने पर जुर्म बना दिया गया है इस पर मुकदमा लिखा जा रहे हैं। धर्म परिवर्तन के नाम पर एकतरफा कार्रवाई की जा रही है। हद हो चुकी है, हम अपने देश को नेपाल, बांग्लादेश या श्रीलंका नहीं बनने देना चाहते हैं, क्योंकि हम अपने मुल्क से मोहब्बत करते हैं

कार्यालय ग्राम पंचायत जगराजपुर विकास खण्ड भदपुरा बरेली

निविदा सूचना

समस्त पंजीकृत फर्मों एवं विक्रेताओं को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत जगराजपुर की कार्य योजना 2025-26 के अन्तर्गत मनरेगा योजना एवं ग्राम निधि योजना के अन्तर्गत निम्न कार्यों को कराये जाने हेतु ईंट, रेता, रोड़ी, सीमेन्ट, बजरी, बजरफुट, पन्नी, सरिया इत्यादि सामान की आवश्यकता है। उक्त सामग्री की सीलबन्द निविदायें निम्न दिनांक 20.9.2025 को ग्राम पंचायत कार्यालय पर सायं 5 बजे तक आमंत्रित की जायेगी जो दिनांक 22.09.2025 को प्रात: 10 बजे ग्राम पंचायत कार्यालय पर खोली जायेगी। निविदा को स्वीकृत एवं अस्वीकृत करने का अधिकार केवल ग्राम पंचायत को होगा।

क्र.सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत
1.	दिनेश गिरि के घर से विकास गिरि के घर तक सी सी रोड व नाली निर्माण कार्य।	207308/-
2.	महेश के घर से होली चौराहे तक सी सी रोड व नाली निर्माण कार्य	2405670/-

ग्राम प्रधान-ओमशीला गंगवार सचिव-विवेक चौधरी

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
पंचम मण्डल सिंचाई कार्य,
बरेली
ई–निविदा सूचना संख्या–02 / अधी0अभि0 / 2025–26

महामहिम राज्यपाल उत्तर प्रदेश की ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु ऑनलाइन http://etender.up.nic.in के माध्यम से प्री–क्वालीफिकेशन टेक्निकल बिड एवं प्राईस–बिड / फाइनेन्शियल बिड, सिंचाई विभाग में वर्गीकृत श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से दिनांक–22.09.2025 को पूर्वान्ह 11.00 बजे से दिनांक–04.10.2025 अपरान्ह 03.00 बजे तक आमन्त्रित की जाती है। प्री–क्वालीफिकेशन टेक्निकल बिड / दिनांक–04.10.2025 को अपरान्ह 04.00 बजे अधीक्षण अभियन्ता, पंचम मण्डल सिंचाई कार्य, बरेली उत्तर प्रदेश के कार्यालय में मुख्य अभियन्ता, (शारदा) सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, उ0प्र0 बरेली द्वारा गठित समिति के समक्ष ऑनलाइन खोली जायेगी एवं प्री–क्वालिफिकेशन टेक्निकल बिड में उपयुक्त पाये गये निविदादाताओं के प्राइस–बिड / फाइनेन्सियल बिड खोलने की तिथि कुल प्राप्त निविदाओं की संख्या के आधार पर नोटिस बोर्ड / ई–पोर्टल पर सूचित किया जायेगा। कार्यालय बन्द होने या छुट्टी होने की दशा में यह बिड अगले कार्यालय दिवस में उसी समय प्राप्त की जायेगी।

लाट सं0	कार्यों का विवरण	कार्य से सम्बन्धित खण्ड का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (जी0एस0टी0 रहित) (लाख रू0 में)	धरोहर धनराशि (लाख में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू0 में)	ठेकेदार के पंजीकरण की श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8
1	दूनी बैराज के नवीनीकरण का कार्य	शारदा सागर खण्ड, पीलीभीत	238.75	4.78	12 माह	2715.00	सिंचाई विभाग में "ए" अथवा उच्च पंजीकृत श्रेणी

अधीक्षण अभियन्ता
पंचम मण्डल सिंचाई कार्य,
बरेली

UP-237865 दिनांक 18.09.2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

कार्यक्रम रोहिलखंड मेडिकल कालेज एंड हॉस्पिटल में तीन दिवसीय राज्य स्तरीय ईएनटी कांफ्रेंस हुई शुरू

नाक, कान और गले के इलाज की आधुनिक पद्धतियों को किया साझा

कार्यालय संवाददाता, बरेली

कार्यशाला को संबोधित करते वक्ता।

कार्यशाला में मौजूद डॉक्टर व स्टॉफ। ● अमृत विचार

- कांफ्रेंस में देशभर से 200 से अधिक डॉक्टर्स की रही भागीदारी

अमृत विचार: रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के ईएनटी विभाग की ओर से आयोजित तीन दिवसीय भारतीय ओटोरहिनोलैरिंगोलॉजिस्ट एसोसिएशन के उत्तर प्रदेश चैप्टर का 42वां वार्षिक सम्मेलन शुक्रवार से शुरू हुआ। पहले दिन ईएनटी के इलाज में आई आधुनिकता विषय पर कांफ्रेंस में अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय ईएनटी विशेषज्ञों ने बात रखी। सर्जरी के विभिन्न पहलुओं और उसके इलाज की आधुनिक पद्धतियों के बारे में डॉक्टरों को बताया।

ईएनटी के विभागाध्यक्ष डॉ. अभिनव श्रीवास्तव ने कहा कि कांफ्रेंस का लक्ष्य कान, नाक और गला की चिकित्सा में नए और बेहतर रास्ते तलाशने और उनके लाभों को ईएनटी विशेषज्ञों के साथ साझा करना है। कांफ्रेंस में करीब 200 डॉक्टरों ने भाग लिया। गाजियाबाद से आए वरिष्ठ ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. ओमवीर ने बताया कि इस कांफ्रेंस में कान, नाक और गला के इलाज से जुड़ी विभिन्न प्रकार की सर्जरी में अत्याधुनिक मेडिकल उपकरणों और तकनीक पर विस्तार से चर्चा की गई। कांफ्रेंस में एसजीपीजीआई के विशेषज्ञ डॉ. अमित केसरी ने ईएनटी की नई तकनीकों की चर्चा की। चंडीगढ़ के मोहाली के डॉ. अशोक गुप्ता ने कहा कि इस प्रकार की कांफ्रेंस आधुनिक मेडिकल तकनीक के प्रचार और प्रसार के लिए बहुत कारगर साबित होती हैं। इसका फायदा मरीज को बेहतर चिकित्सा परिणाम के रूप में मिलता है। कार्यशाला में काठमांडू समेत भारत के सभी प्रांतों से करीब 300 विशेषज्ञ शामिल होंगे। ईएनटी एसोसिएशन के सचिव डॉ. रोहित शर्मा, डॉ. मंगल सिंह, डॉ. अहिला सैमी आदि मौजूद थे।

तीन दिन चलेगी कार्यशाला, आज डीएम करेंगे उद्घाटन: तीन दिन तक चलने वाली कार्यशाला में सुनने की क्षमता कम होने के अनुवांशिक कारण, चेहरा घुमाने पर चक्कर आना, कान के रास्ते से ब्रेन ट्यूमर की सर्जरी, चेहरे के लकवा के इलाज, जन्मजात मूकबधिर बच्चों के काक्लियर इम्प्लांट, एंडोस्कोपिक कान की सर्जरी, कान से स्राव होने पर उसके इलाज, टीबी के कारण कान में संक्रमण, एलर्जी के कारण सर्दी जुकाम की समस्या सहित अन्य बीमारियों पर चर्चा की जाएगी। कांफ्रेंस का विधिवत उद्घाटन शनिवार को डीएम अविनाश सिंह, बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति डॉ. केशव अग्रवाल आदि करेंगे। मुख्य वक्ता ऑन्कोलॉजी निदेशक अपोलो अस्पताल डॉ. अनिल के डी क्रूज भी नाक, कान और गले के रोगों पर विस्तृत बताएंगे। उन्हें नाक, कान और गले के इलाज में व्यापक अनुभव है। वह रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में 'गामा कैमरा, उच्च खुराक' चिकित्सा एवं अस्थि सज्जा प्रत्यारोपण केंद्र की आधारशिला भी शनिवार दोपहर 1 बजे रखेंगे।

अमृत विचार

शनिवार, 20 सितंबर 2025

तुम्हारा अधिकार केवल कर्म करने में है, फल पर नहीं।
–भगवद् गीता

निवेश और आत्मनिर्भरता

भारत की अर्थव्यवस्था आज ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां उद्योगों में निवेश और क्षमता विस्तार का प्रश्न केवल आर्थिक वृद्धि तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन और युवाओं के भविष्य से भी गहराई से जुड़ा हुआ है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का यह कहना बिल्कुल प्रासंगिक है कि अब उद्योग जगत को और अधिक निवेश करना चाहिए तथा उत्पादन क्षमता का विस्तार करना चाहिए। सरकार की नीतियों ने उद्योगों के लिए एक अनुकूल वातावरण तैयार किया है और अब यह उद्योग जगत की जिम्मेदारी है कि वे इसका उपयोग कर देश के आर्थिक विकास में तेजी लाएं। सरकार लगातार उद्योग और व्यापार जगत से संवाद कर रही है। भारतीय गुणवत्ता प्रबंधन प्रतिष्ठान जैसे संस्थान उद्योगों को केवल उत्पादन तक सीमित नहीं रखना चाहते, बल्कि युवाओं को कौशल विकास के अवसर उपलब्ध कराने पर भी जोर दे रहे हैं। यह प्रयास उल्लेखनीय है, क्योंकि आज भारत की सबसे बड़ी पूंजी उसका युवा वर्ग है। यदि उद्योग इन युवाओं को प्रशिक्षण और रोजगार देंगे, तो यह न केवल कंपनियों की उत्पादकता बढ़ाएगा बल्कि देश की समग्र प्रगति में भी योगदान देगा।

वित्त मंत्री ने यह भी स्पष्ट किया है कि उद्योग केवल सरकार से अपेक्षाएं न रखें, बल्कि साझेदारी की भावना से आगे आएं। जब प्रधानमंत्री स्वयं समय-समय पर सुधारों के लिए ठोस कदम उठाते रहे हैं, तो यह अपेक्षित है कि उद्योग जगत भी अपने निवेश और जोखिम लेने की क्षमता को मजबूत बनाए। केवल बजट भाषण या घोषणाओं तक सीमित रहना पर्याप्त नहीं है। आज की वैश्विक प्रतिस्पर्धा में भारत को आगे बढ़ने के लिए निरंतर निवेश और नई तकनीक अपनानी होगी। जीएसटी सुधारों के माध्यम से कर संरचना को सरल और पारदर्शी बनाने का प्रयास पहले ही किया जा चुका है। वित्त मंत्री ने स्पष्ट किया है कि इस प्रणाली से अर्थव्यवस्था में दो लाख करोड़ रुपये तक का लाभ संभावित है। उद्योगों के लिए यह अवसर है कि वे इस सरलीकृत कर प्रणाली का लाभ उठाएं और अपने व्यापार विस्तार में इसे सहायक बनाएं। हालांकि अभी 'एकल दर वाली प्रणाली' लागू होने में समय लगेगा, लेकिन यह दिशा सही है और उद्योगों को भी दीर्घकालिक दृष्टि से इसकी तैयारी करनी चाहिए।

आज की सबसे बड़ी आवश्यकता यह है कि उद्योग निवेश करने में संकोच न दिखाएं। भारतीय अर्थव्यवस्था एक ऐसे मुकाम पर है, जहां घरेलू मांग, युवा श्रमशक्ति और सरकारी नीतियों का त्रिकोण अभूतपूर्व अवसर प्रदान कर रहा है। यदि इस अवसर का सही उपयोग हुआ तो भारत अगले दशक में न केवल पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनेगा बल्कि वैश्विक विनिर्माण और सेवाओं का भी केंद्र बन सकता है। उद्योगों को चाहिए कि वे पारंपरिक लाभ-हानि के गणित से ऊपर उठकर दीर्घकालिक दृष्टिकोण अपनाएं। नवाचार, अनुसंधान एवं विकास, और कौशल निर्माण पर निवेश को केवल खर्च न मानकर भविष्य की नींव के रूप में देखा जाए। साथ ही, सरकार और उद्योग जगत के बीच भरोसे और साझेदारी की भावना को और गहरा करने की आवश्यकता है। संक्षेप में कहा जाए तो आज भारत के लिए यह समय निर्णायक है।

प्रसंगवश

पुरातन आलेख सहेजने की मुहिम है ज्ञान भारतम्

संस्कृति मंत्रालय ने 'ज्ञान भारतम्' नामक एक ऐतिहासिक राष्ट्रीय पहल शुरू की है, जो भारत की पांडुलिपि धरोहर के संरक्षण, डिजिटलीकरण और प्रसार के लिए समर्पित है। अब प्रश्न उठता है कि ज्ञान भारतम् मिशन के मायने क्या हैं? आखिर इसकी जरूरत क्यों पड़ी? पिछले दिनों नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में 11 से 13 सितंबर तक 'पांडुलिपि विरासत के माध्यम से भारत की ज्ञान विरासत को पुनः प्राप्त करने' पर पहला 'ज्ञान भारतम्' अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया। भारत और विदेश के विद्वानों, विशेषज्ञों, संस्थानों और सांस्कृतिक कार्यकर्ताओं सहित 1,100 से अधिक प्रतिभागियों ने इस सम्मेलन में भारत की पांडुलिपि संपदा के संरक्षण, डिजिटलीकरण और इसे दुनिया के साथ साझा करने के लिए चर्चा, विचार-विमर्श किया। तीन दिनों तक चले इस सम्मेलन में 12 सितंबर को प्रधानमंत्री ने भी भाग लिया।

एसएन वर्मा
स्वतंत्र पत्रकार

इस राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन की शुरुआत अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल में हुई थी, उस समय कुछ सूचीकरण और पहचान का काम जरूर हुआ था, लेकिन बाद के वर्षों में यह प्रयास ठप्प पड़ गए। जैसा कि बताया जा रहा है कि यह पहल भारत की समृद्ध ज्ञान परंपरा में नई जान डालने का एक प्रयास है। 'श्रुति' और 'स्मृति' के बाद लिखित रूप में संरक्षित ज्ञान को अब भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा 'ज्ञान भारतम् मिशन' के माध्यम से पुनर्जीवित किया जा रहा है।

पांडुलिपियों का संरक्षण, प्रकाशन और उपयोग तभी सार्थक होगा, जब वे आम लोगों से जुड़ेंगे। इसे एक जन आंदोलन बनाने के लिए विद्वानों और विशेषज्ञों के प्रयासों को सामाजिक सरोकारों से जोड़ने की भी आवश्यकता है। आधुनिक तकनीक और सोशल मीडिया के माध्यम से पांडुलिपियों को संरक्षित करना, प्रकाशित करना और सुलभ बनाना है, ताकि प्रत्येक भारतीय अपने पूर्वजों की इस बौद्धिक संपदा पर गर्व कर सके। जब तक यह ज्ञान आम लोगों की व्यावहारिक उपयोगिता से नहीं जुड़ेगा, तब तक यह अभियान अधूरा ही माना जाएगा। भारत की पांडुलिपियों में मानवता की संपूर्ण विकास यात्रा के पदचिह्न समाहित हैं। वे केवल राजवंशों के अभिलेख नहीं हैं, बल्कि उन विचारों, आदर्शों और मूल्यों के भंडार हैं, जिन्होंने सभ्यता को आकार दिया है।

देश के इस पहला ज्ञान भारतम् अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में औपचारिक दिल्ली घोषणा पत्र (ज्ञान भारतम् संकल्प पत्र) पढ़ा गया। घोषणापत्र में भारत को विश्व की सबसे समृद्ध पांडुलिपि परंपराओं की भूमि बताया गया तथा विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण में इस विशाल खजाने को संरक्षित करने, डिजिटल बनाने और प्रसारित करने का संकल्प लिया गया, लेकिन जब लोग अपनी सभ्यतागत संपदा को जानेंगे, पहचानेंगे और उससे जुड़ेंगे तभी उनमें सच्चा गौरव उत्पन्न होगा और यह तभी संभव है, जब ज्ञान भारत मिशन डिजिटलीकरण, अनुवाद और तकनीकी नवाचार के माध्यम से पांडुलिपियों को पुनर्जीवित करके इसे आम लोगों के लिए उपलब्ध करा दे।

हजारों वर्ष पहले, हमारे ऋषियों और मनीषियों ने अपने विचार-विमर्श, अनुभवों और अनुभूतियों के माध्यम से ऐसे ग्रंथों की रचना की जो आज भी विश्व के लिए उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने कि वे रचना के समय थे। ये ग्रंथ, सहस्राब्दियों बाद भी, मानवता, पर्यावरण और संपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र के लिए महत्वपूर्ण हैं। भारत, दस मिलियन से अधिक पांडुलिपियों के साथ, शायद शास्त्रीय और स्थानीय परंपराओं का सबसे समृद्ध भंडार रखता है।

नेपाल की जेन ज़ी क्रांति के मायने और भविष्य

अनिल यादव
वरिष्ठ पत्रकार

अगर क्रांति का मतलब अचानक होने वाला व्यापक परिवर्तन है तो नेपाल में ओली सरकार के पतन के साथ जेन-जी क्रांति हो चुकी है। गोलीबारी में बीस युवा मारे गए, प्रधानमंत्री ने इस्तीफा दिया, संसद और सुप्रीम कोर्ट समेत कई प्रमुख ऐतिहासिक इमारतें जला दी गईं, बाजार लूटे गए, हजारों कैदी जेलों से भाग निकले और अब एक ईमानदार छवि वाली महिला को अंतरिम प्रधानमंत्री बनाया गया है, जिन्हें अगले साल मार्च में चुनाव कराने हैं। यह अब से चुनाव के बीच के समय में नेपाल के राजनीतिक दलों की गतिविधियों पर निर्भर करता है कि जैसी सरकार गिरी है वैसी ही एक और खिचड़ी सरकार बनेगी, राजशाही की वापसी होगी, नेपाल फिर से एक हिंदू राष्ट्र बनेगा या कुछ और होगा। अभी पूरी तरह भ्रम और अनिश्चितता का माहौल है।

अगर क्रांति का मतलब आमूलचूल बदलाव और पिछली से बेहतर व्यवस्था का निर्माण है तो नेपाल में कोई क्रांति नहीं हुई है। जो राजनीतिक दल सत्ता में थे उनके नेताओं और नौकरशाहों के व्यापक भ्रष्टाचार से युवा नाराज थे, बेरोजगारी बहुत बढ़ गई थी और सत्ताधारी नेताओं-अफसरों की औलादों की सोशल मीडिया के जरिए सामने आने वाली विलासितापूर्ण जीवन शैली उन्हें कुंठित कर रही थी। इस गुस्से का किसी को अंदाजा नहीं था।

आठ सितंबर को जब भारी तादाद में जेन-जी के बैनरों-पोस्टरों के साथ युवा सड़कों पर उतर आए तो गिने-चुने सरकार विरोधी समूहों ने उनका इस्तेमाल कर विरोध को अपने स्वार्थों की दिशाओं में मोड़ने की कोशिश की, जिसके नतीजे में हिंसा और आगजनी हुई। बीस नौजवान मारे गए और ऐसी अराजक स्थिति बनी, जिसमें अचानक सेना केंद्रीय भूमिका में आ गई और नेपाल की राजनीतिक व्यवस्था और भविष्य तय करने लगी। सोशल मीडिया पर प्रतिबंध से नाराज जेन-जी के चेहरे का इस्तेमाल किया गया। जेन-जी आपात स्थिति में सेनाध्यक्ष से बातचीत के लिए अपने प्रतिनिधि तक नहीं तय कर पाई। अब तक उनकी कोई पार्टी, संगठन या फोरम सामने नहीं आया है, जिसके सामने नेपाल के पिछले से भिन्न राजनीतिक भविष्य का खाका हो और वह उस दिशा में दो कदम चलने की तैयारी रखता हो।

यह समझ से परे है कि किसी आंदोलन के पहले ही दिन कोई सरकार गोली चलवा कर इतने युवाओं को क्यों मरवा देगी? अगर इन युवाओं को सरकार बातचीत की मेज तक ले आती, सोशल मीडिया पर प्रतिबंध का निर्णय टाल दिया जाता या वापस ले लिया जाता तो क्या वे वापस लौट गए होते! क्या पहले ही दिन उन पर गोली चलाने का काम अतिवादी फैसला सुनियोजित था, ताकि उनके विध्वंसक आक्रोश का डर दिखाकर ओली को इस्तीफे के लिए आनन-फानन में बाध्य किया जा सके। इस तरह के विचारों को अगले दिन और अधिक बल मिला, जब उपद्रव करने वालों को संसद और सुप्रीम कोर्ट समेत पूरे नेपाल में कहीं भी किसी रोकटोक का सामना नहीं करना पड़ा। जेलों से भागने वाले कैदियों को भी रोकने का कोई प्रयास नहीं किया गया।

लोगों को सबसे अधिक हैरानी तब हुई, जब राष्ट्रपति के पद पर होते हुए नेपाली सेना के प्रमुख अशोकराज सिग्देल कुछ नेताओं को बुलाकर नेपाल को इस संकट से निकालने और नई राज्य व्यवस्था के उपायों पर चर्चा करने लगे। सोशल मीडिया पर वायरल हुई दुर्गा प्रसाई की तस्वीर ने लोगों का ध्यान खींचा, जिसके साथ कहा गया था कि अगर मेयर बालेन और न्यायविद् सुशीला कार्की राजी नहीं होते, तो वह अंतरिम सरकार बनाने का दायित्व उठाने को तैयार हैं।

दुर्गा प्रसाई नेपाल में पुनः राजशाही स्थापित करने की मांग करने वाले एक आंदोलन के कमांडर हैं, जिन्होंने इसी साल एक हिंसक प्रदर्शन आयोजित किया था, जिसमें एक टीवी पत्रकार समेत दो लोगों की जान चली गई। पुलिस कर्मियों समेत सैकड़ा से ऊपर लोग घायल हुए थे और एक दिन का कर्फ्यू लगाना पड़ा था। राजा समर्थक प्रजातंत्र पार्टी के नेताओं को गिरफ्तार किया गया। प्रसाई को एक पखवारे बाद भारत के आसाम से पकड़ कर नेपाल लाया गया। नवंबर 2006 में माओवादियों के सशस्त्र विद्रोह के बाद राजशाही खत्म हो गई थी, लेकिन नई व्यवस्था से भी लोग संतुष्ट नहीं हैं। पिछले पांच साल से पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह के समर्थक राजशाही और परंपरागत हिंदू राष्ट्र की वापसी के लिए आंदोलनों के जरिए प्रयास कर रहे हैं।

बीते दस दिनों के घटनाक्रम को देखते हुए यह स्पष्ट होने लगा है कि जेन-जी का मुखौटा था लेकिन सेना, राजावादियों और अन्य सरकार विरोधी समूहों की भूमिका थी, लेकिन ये भूमिकाएं लंबी योजना का नतीजा थीं या तात्कालिक परिस्थितियों का या ठीक-ठीक क्या थीं, जब तक इनकी तफसील सामने नहीं आतीं तब तक हालिया नेपाली क्रांति का उचित मूल्यांकन नहीं किया जा सकता। नेपाल में पहले भी राणाशाही और राजशाही के खिलाफ कई क्रांतियां हो चुकी हैं। हर बार चेहरे बदलते हैं, मगर व्यवस्था कमोबेश वही रहती है।

सबसे अधिक उम्मीद माओवादियों की सफल क्रांति के बाद 2008 में अस्तित्व में आए लोकतांत्रिक सेक्युलर नेपाल ने पैदा की थी, लेकिन नए निजाम ने देश का संविधान बनाने में सात साल लगा दिए और इस बीच जितनी सरकारें बनीं, हर बार भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, भाई-भतीजावाद और जनता के गुस्से में बढ़ोत्तरी होती गई। नेपाली कांग्रेस के साथ-साथ माओवादी आंदोलन से निकली दोनों कम्युनिस्ट पार्टियों यूएमएल और माओवादी के नेताओं पर भी भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगे। नेपाल के लिए यह जाड़ा बहुत महत्वपूर्ण है। अगले कुछ महीनों में होने वाली राजनीति से साफ हो जाएगा कि नेपाल में लोकतंत्र बचेगा या सेना और राजा का युग लौट आएगा या कोई और कहानी शुरू होने वाली है!

क्या नेपाल में एक और खिचड़ी सरकार बनेगी, राजशाही की वापसी होगी, नेपाल फिर से एक हिंदू राष्ट्र बनेगा या कुछ और होगा। अभी पूरी तरह भ्रम और अनिश्चितता का माहौल है।

आमने

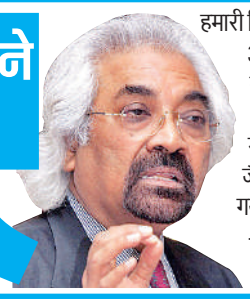

हमारी विदेश नीति में सबसे पहले आपको अपने पड़ोस पर ध्यान देना चाहिए। क्या हम सच में अपने पड़ोसियों के साथ संबंध बेहतर कर सकते हैं। मैं पाकिस्तान गया हूं। वहां मुझे घर जैसा लगा। मैं बांग्लादेश, नेपाल भी गया हूं। वहां भी मुझे घर जैसा लगा।
–सैम पित्रोदा, इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के प्रमुख

सामने

राहुल गांधी के चहेते और कांग्रेस के विदेश प्रमुख सैम पित्रोदा कहते हैं कि उन्हें पाकिस्तान में 'घर जैसा महसूस' हुआ। कोई आश्चर्य नहीं कि यूपीए ने 26/11 के बाद भी पाकिस्तान के खिलाफ कोई सख्त कार्रवाई नहीं की। पाकिस्तान का चहेता, कांग्रेस का चुना हुआ! **–प्रदीप भंडारी** भाजपा के प्रवक्ता

सरकारी नौकरी की चाहत और युवा मानसिकता

अमरपाल सिंह वर्मा
वरिष्ठ पत्रकार

राजस्थान में हाल ही में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी (चपरासी) के 53 हजार 749 पदों पर भर्ती के लिए जो आवेदन आए, उसने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। इन पदों के लिए कुल 24 लाख 75 हजार बेरोजगार युवाओं ने आवेदन किया है। इस भर्ती के लिए निर्धारित शैक्षणिक योग्यता दसवीं कक्षा पास है, लेकिन चौंकाने वाली बात यह है कि आवेदकों में से करीब 75 प्रतिशत अभ्यर्थी दसवीं पास से कहीं ज्यादा शिक्षित हैं। यानी इंजीनियरिंग, प्रबंधन, वाणिज्य, कम्प्यूटर विज्ञान में स्नातक से स्नातकोत्तर तक की पढ़ाई करने वाले युवा भी अब चपरासी बनने की कतार में खड़े हैं।

यह तस्वीर केवल राजस्थान की नहीं, बल्कि पूरे देश में बेरोजगारी का यही स्वरूप दिखाई देता है। जब लाखों पढ़े-लिखे युवा एक मामूली चपरासी की नौकरी के लिए आवेदन करते हैं तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि आखिर हमारी शिक्षा व्यवस्था, रोजगार नीति और सामाजिक सोच युवाओं को किस दिशा में ले जा रही है? हमारे समाज में सरकारी नौकरी को अब भी सबसे सुरक्षित और सम्मानजनक कॅरियर माना जाता है।

अब तो कन्या पक्ष विवाह के लिए भी सरकारी नौकरी वाले लडके को ही तरजीह देता है। स्थायी वेतन, पेंशन जैसी सुविधाएं और सामाजिक प्रतिष्ठा युवाओं को इस ओर आकर्षित करती हैं, लेकिन आज चपरासी बनने के लिए भी जिस हद तक भीड़ उमड़ रही है, उससे जाहिर है कि सरकारी नौकरी के प्रति मोह एक जुनून बन चुका है। युवा वर्ग स्वरोजगार, निजी क्षेत्र या पैतृक व्यवसाय के बजाय सरकारी नौकरी पाने के लिए वर्षों तक परीक्षाओं की तैयारी में अपनी ऊर्जा खर्च कर रहा है।

खेती की ओर तो अब किसान पुत्र भी नहीं झांक रहे हैं। इसका नतीजा यह है कि लाखों युवा न तो समय पर रोजगार पा रहे हैं और न ही क्षमता का सही उपयोग कर पा रहे हैं। कई बार योग्यताओं के असंतुलन के कारण स्थिति और भी विकट हो जाती है। जब एक एमबीए या बीटेक छात्र चपरासी की नौकरी के लिए आवेदन करता है, तो वह केवल खुद को ही नहीं बल्कि एक वास्तविक दसवीं पास बेरोजगार को भी प्रतिस्पर्धा से बाहर कर देता है।

राजस्थान में चपरासी भर्ती के लिए उच्च शिक्षित युवाओं की भीड़ उमड़ने से एक और गंभीर सवाल खड़ा हो गया है कि क्या हमारी शिक्षा युवाओं को वास्तव में रोजगार दिलाने लायक बना रही है? अगर लाखों स्नातक और स्नातकोत्तर केवल चपरासी बनने की चाह रखते हैं तो इसका सीधा मतलब है कि शिक्षा रोजगारोन्मुखी नहीं रही। शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री बांटना नहीं होना चाहिए बल्कि छात्रों को ऐसा कौशल और आत्म विश्वास देना चाहिए कि वे अपने दम पर रोजगार खड़ा कर सकें।

दुर्भाग्य से आज अधिकांश युवा डिग्रीधारी तो हैं, लेकिन कौशलहीन हैं। इसी वजह से वे निजी क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा नहीं कर पाते और अंततः सरकारी नौकरी की दौड़ में लग जाते हैं। सरकार ने कौशल भारत मिशन और अन्य योजनाओं के जरिए कौशल विकास पर जोर तो दिया है, लेकिन उसकी पहुंच और असर अब भी सीमित है। आईटी, कृषि, निर्माण, स्वास्थ्य और सेवा क्षेत्र में असीमित संभावनाएं हैं, लेकिन वहां प्रशिक्षित और दक्ष लोगों की कमी बनी हुई है। आज जब स्टार्टअप संस्कृति पूरे देश में फैल रही है पर हमारे ग्रामीण और कस्बाई इलाकों के लाखों युवा इससे वंचित हैं। बड़ा सवाल है कि इस समस्या का समाधान क्या है? इसके लिए काफी कुछ करने की जरूरत है। अगर उच्च शिक्षा के साथ युवाओं को कौशल आधारित प्रशिक्षण दिया जाए तो वे न केवल आत्मनिर्भर बनेंगे, बल्कि स्वरोजगार और उद्यमिता की राह भी चुन सकेंगे। सरकार की रोजगार नीतियों को व्यावहारिक बनाना होगा। समाज को भी सरकारी नौकरी की मानसिकता से बाहर आने की जरूरत है। हर जिले में उच्च स्तरीय कौशल केंद्र विकसित कर आईटी, कृषि, निर्माण, मशीनरी और सेवा क्षेत्र की जरूरतों के अनुसार युवाओं को प्रशिक्षित किया जाना चाहिए। सरकार छोटे उद्योग-व्यवसाय शुरू करने के लिए आसान ऋण, तकनीकी सहयोग और बाजार उपलब्ध कराए तो उद्यमिता को बढ़ावा मिलेगा।

चपरासी के 54 हजार पदों पर भर्ती के लिए 25 लाख युवाओं के आवेदन आए हैं। सरकारी नौकरी के लिए इतनी सारी अर्जियां कई सवाल खड़े करती हैं।

सोशल फोरम

ये उन दिनों की बात है

अजित सिंह
ब्लॉगर

दुनिया में जितना बदलाव हमारी पीढ़ी ने देखा है, वह न तो हमसे पहले किसी पीढ़ी ने देखा है और न ही हमारे बाद किसी पीढ़ी के देखने की संभावना लगती है। हम वह आखिरी पीढ़ी हैं, जिसने बैलगाड़ी से लेकर सुपर सोनिक जेट देखें हैं। बैरंग ख़त से लेकर लाइव चैटिंग तक देखा है और असंभव लगने वाली बहुत सी बातों को संभव होता देखा है। हम वो आखिरी पीढ़ी हैं, जिन्होंने कई-कई बार मिट्टी के घरों में बैठ कर परियों और राजाओं की कहानियां सुनीं। जमीन पर बैठ कर खाना खाया है। प्लेट में चाय पी है।

हम वो आखिरी लोग हैं, जो मोहल्ले के बुजुर्गों को दूर से देख कर, नुक्कड़ से भाग कर, घर आ जाया करते थे और समाज के बड़े-बूढों की इज्जत, डरने की हद तक करते थे। हम वो आखिरी पीढ़ी के लोग हैं, जिन्होंने चिमनी, लालटेन, बल्ब की पीली रोशनी में होम वर्क किया है और चादर के अंदर छिपा कर नावेल पढ़े हैं। हम उसी पीढ़ी के लोग हैं, जिन्होंने अपनों के लिए अपने जज्बात, खतों में आदान प्रदान किए हैं और उन खतों के पहुंचने और जवाब के वापस आने में महीनों तक इंतजार किया है। हम उस आखिरी पीढ़ी के लोग हैं, जिन्होंने कूलर, एसी या हीटर के बिना ही बचपन गुजारा है और बिजली के बिना भी गुजारा किया है। हम वो पीढ़ी हैं, जो अक्सर अपने छोटे बालों में, सरसों का ज्यादा तेल लगा कर, स्कूल और शादियों में जाया करते थे, जिन्होंने स्याही वाली दावात या पेन से कॉपी, किताबें, कपड़े और हाथ काले, नीले किए हैं। तख्ती पर सेठे की कलम से लिखा है और तख्ती घोटी है।

हम वो पीढ़ी हैं, जिन्होंने टीचर्स से मार खाई है और घर में शिकायत करने पर फिर मार खाई है। हम वह पीढ़ी हैं, जिन्होंने सोप की गोल डिबिया से साबुन लगाकर शेव बनाई है, जिन्होंने गुड़ की चाय पी है। काफी समय तक सुबह काला या लाल दंत मंजन या सफेद टूथ पाउडर इस्तेमाल किया है और कभी-कभी तो नमक से या लकड़ी के कोयले से दांत साफ किए हैं। **–फेसबुक वाल से**

सामयिकी

देश के एक अरब लोग कण प्रदूषण के शिकार

'द एनर्जी पॉलिसी इंस्टीट्यूट एट द यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो (एपिक)' की यह रिपोर्ट चिंतित करने वाली है कि भारत में 1.4 अरब आबादी ऐसे इलाकों में रहती है, जहां कण प्रदूषण का वार्षिक औसत विश्व स्वास्थ्य संगठन के दिशा-निर्देशों से आठ गुना अधिक है। रिपोर्ट के मुताबिक अगर भारत के सबसे प्रदूषित उत्तरी मैदानी क्षेत्रों में कण सांद्रता के दिशा-निर्देशों के अनुरुप हो जाए तो 54.44 करोड़ लोगों अर्थात देश की 38.9 फीसदी आबादी की औसत जीवन प्रत्याशा पांच साल बढ़ सकती है। अगर पूरे भारत में कण प्रदूषण के स्तर को घटाकर विश्व स्वास्थ्य संगठन के दिशा-निर्देशों के मुताबिक कर दिया जाए तो राष्ट्रीय राजधानी और सबसे अधिक आबादी वाले शहर दिल्ली के निवासियों की औसत जीवन प्रत्याशा 8.2 साल तक बढ़ सकती है।

अरविंद जयतिलक
लेखक

गौर करें तो इस तरह की रिपोर्ट कोई पहली बार उजागर नहीं हुई है, जब किसी संस्था द्वारा प्रदूषण से जिंदगी पर पड़ने वाले भयावह असर का जिक्र हुआ हो। गत वर्ष पहले इसी संस्था द्वारा ही खुलासा किया गया था कि बढ़ते प्रदूषण के कारण लोगों की जिंदगी घट रही है। गत वर्ष पहले हार्वर्ड और येल के अर्थशास्त्रियों ने भी खुलासा किया था कि भारत दुनिया के उन चुनिंदा देशों में शुमार है, जहां सबसे अधिक वायु प्रदूषण है। इस कारण यहां के लोगों को समय से तीन साल पहले काल के गाल में जाना पड़ रहा है। रिपोर्ट में सावधान करते हुए कहा गया था कि अगर भारत अपने वायु मानकों को पूरा करने के लिए इस आंकड़े को उलट देता है, यानी वायु प्रदूषण पर नियंत्रण कर लेता है, तो इससे 66 करोड़ लोगों के जीवन के 3.2 वर्ष बढ़ जाएंगे। इस रिपोर्ट में भी उल्लेख था कि भारत की आधी आबादी यानी 66 करोड़ लोग उन क्षेत्रों में रहते हैं, जहां सूक्ष्म कण पदार्थ (पार्टिकुलेट मैटर) प्रदूषण भारत के सुरक्षित मानकों से उपर है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट से भी उद्घाटित हो चुका है कि प्रदूषित हवा की चपेट में भारत में वर्ष 2016 में लगभग एक लाख मासूम बच्चों को अपनी जान से हाथ धोना पड़ा था। गौर करें तो यह आंकड़ा प्रतिवर्ष बढ़ता जा रहा है। गत वर्ष पहले यूनिवर्सिटी ऑफ कैरोलीना के विद्वान जैसन वेस्ट के अध्ययन में कहा गया था कि वायु प्रदूषण से सबसे अधिक मौत दक्षिण और पूर्व एशिया में होती है और उसमें भी भारत शीर्ष पर है। आंकड़ें बताते हैं कि हर साल मानव निर्मित वायु प्रदूषण से चार लाख 70 हजार और औद्योगिक इकाईयों से उत्पन्न प्रदूषण से 21 लाख लोग दम तोड़ते हैं। अगर जहर फैला रही इन औद्योगिक इकाईयों पर नियंत्रण लग जाए तो हालात सुधर सकते हैं। दुनिया की जानी-मानी पत्रिका 'नेचर' द्वारा भी खुलासा किया जा चुका है कि अगर शीध्र ही वायु की गुणवत्ता में सुधार नहीं हुआ तो वर्ष 2050 तक प्रत्येक वर्ष 66 लाख लोगों की जानें जा सकती हैं।

यह रिपोर्ट जर्मनी के मैक्स प्लेंक इंस्टीट्यूट ऑफ केमेस्ट्री के प्रोफेसर जोहान लेलिवेल्ड और उनके शोध दल ने तैयार किया था, जिसमें प्रदूषण फैलने के दो प्रमुख कारण गिनाए गए। एक, पीएम 2.5एस विषाक्त कण और दूसरा वाहनों से निकलने वाली गैस नाइट्रोजन आक्साइड। रिपोर्ट में आगाह किया गया था कि भारत और चीन में वायु प्रदूषण की समस्या विशेष तौर पर गहरा सकती है, क्योंकि इन देशों में खाना पकाने के लिए कच्चे ईंधन का इस्तेमाल होता है जो कि प्रदूषण का महत्वपूर्ण स्रोत है। विशेषज्ञों की मानें तो अगर इससे निपटने की तत्काल वैश्विक रणनीति तैयार नहीं की गई, तो भारत की बड़ी जनसंख्या वायु प्रदूषण की चपेट में आ सकती है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

कर्म, आस्था और अविनाशी विश्वास की धरती काशी

शिवेंद्र सिंह बघेल
वायरल गुरु

वैसे तो यात्राएं मैं बहुत करता हूं, लेकिन आज जिस यात्रा का जिक्र यहां करूंगा वो हर व्यक्ति से जुड़ी हुई होगी। शहर बनारस या फिर वाराणसी कहिए, लेकिन मैं अपनी काशी यात्रा के बारे में बताऊंगा।

काशी जिसे मोक्ष की नगरी, शिव की स्थली और धर्म की राजधानी कहा जाता है। मेरे लिए केवल एक यात्रा नहीं, आत्मा से साक्षात्कार का निमंत्रण था, जब इस बार जब मैंने काशी की ओर रुख किया। वाराणसी रेलवे स्टेशन पर उतरते ही एक अजीब ऊर्जा ने मुझे घेर लिया। हवा में गंगा की नमी थी और कानों में शंखध्वनि की गूंज। मैंने निश्चय किया कि इस बार मैं केवल घाटों और विश्वनाथ मंदिर तक ही नहीं रुकूंगा, बल्कि उन जगहों की खोज करूंगा जो इतिहास के पन्नों में छिपी हैं।

कर्दमेश्वर महादेव मंदिर

वाराणसी की भीड़भाड़ और गलियों के बीच एक ऐसा स्थान है, जहां पहुंचते ही मन में शांति उतर आती है– कर्दमेश्वर महादेव मंदिर। यह मंदिर काशी के उन प्राचीन और कम चर्चित शिवालयों में से एक है, जिनके बारे में आम पर्यटक तो क्या कई स्थानीय लोग भी कम जानते हैं।

मैं एक सुबह गंगा आरती के बाद घाटों से होते हुए कर्दमेश्वर की ओर निकला। बनारस की संकरी गलियों में पैदल चलते हुए, पान की दुकानों की खुशबू, मंदिरों की घंटियों की धुन और गंगा के तट की ठंडी हवा, सभी मिलकर यात्रा को अद्भुत बना रहे थे। रास्ते में एक बुजुर्ग पंडित जी मिले, जिनसे बात करते हुए पता चला कि कर्दमेश्वर महादेव का महत्व स्कंद पुराण में भी वर्णित है। मान्यता है कि यहां स्वयं भगवान शिव ने कर्दम मुनि की तपस्या से प्रसन्न होकर प्रकट होकर उन्हें दर्शन दिए थे।

मंदिर पहुंचते ही सामने एक पुरातन शैली की संरचना नजर आई, जिस पर समय की परतें साफ झलकती थीं। द्वार पर नंदी महाराज विराजमान थे, जैसे आने-जाने वालों पर दृष्टि रखे हों। गर्भगृह में प्रवेश करते ही वातावरण में गूंजते "ॐ नमः शिवाय" के स्वर और जलाभिषेक की बूंदों की ठंडक ने तन-मन को भिगो दिया। वहां के पुजारी ने बताया कि सावन और महाशिवरात्रि के समय यहां विशेष मेला लगता है, लेकिन सामान्य दिनों में यहां का सन्नाटा और शांति ही इसकी असली पहचान है।

मंदिर के पीछे एक छोटा सा कुंड भी है, जिसके बारे में कहा जाता है कि कर्दम मुनि यहीं स्नान कर ध्यान लगाया करते थे। पानी में झांकते हुए लगा जैसे समय रुक गया हो। चारों ओर मंदिर की दीवारें, ऊपर नीला आसमान और मन में गूंजता शिव नाम।

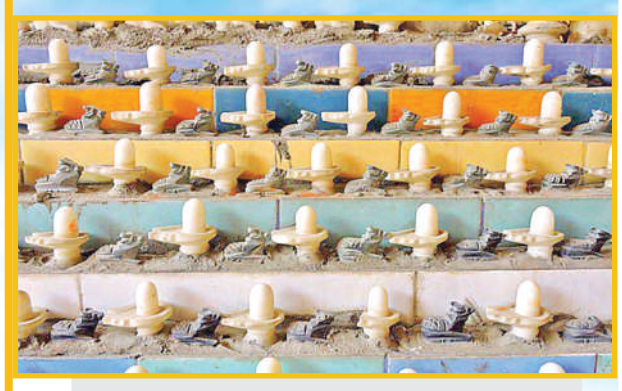

जंगमबाड़ी मठ

जंगमबाड़ी मठ, काशी का एक प्रमुख वीरशैव मठ है, जो दक्षिण भारत की दार्शनिक परंपराओं को उत्तर भारत से जोड़ता है। इस मठ में प्रवेश करते ही एक शांति का अनुभव होता है। यहां की दीवारों पर उकेरी गई लिपियां, ताम्रपत्र और योगी परंपरा के चिह्न उस काल की गाथा कहते हैं, जब संत ज्ञानेश्वर और बसवन्ना की वाणी उत्तर भारत में भी गूंजती थी। यहां पर बताया की लाखों की संख्या में शिवलिंग मौजूद हैं।

मठ के अंदर साधुओं का जीवन, तप और अनुशासन देखकर मन श्रद्धा से भर गया। हिंदी भाषा के कई ग्रंथ यहां के पुस्तकालय में सुरक्षित हैं, जिनमें भाषा, व्याकरण और दर्शन का अपूर्व समन्वय मिलता है।

लोलार्क कुंड

लोलार्क कुंड का उल्लेख पुराणों में मिलता है। कहा जाता है कि यहां सूर्य देव स्वयं प्रकट हुए थे। यह कुंड 'संतान प्राप्ति' की कामना से जुड़ा है, विशेषकर लोलार्क छठ के अवसर पर यहां स्नान और पूजा का विशेष महत्व है। मैंने देखा-महिलाएं सिर पर दीप रखकर सीढ़ियों से उतर रही थीं। कोई तांबे के पात्र में जल भर रहा था, तो कोई तिल चढ़ा रहा था। श्रद्धा का वह दृश्य शब्दों में बांधना कठिन है।

इस स्थल की विशेषता यह है कि यह आस्था और विज्ञान का सम्मिलन है। कुंड की बनावट, जल का तापमान और उसकी संरचना में भारतीय वास्तुशास्त्र की स्पष्ट छाप दिखती है। यह नगरी जितनी प्राचीन है, उतनी ही नवीन। कर्दमेश्वर महादेव ने सिखाया कि कर्म ही पूजा है, जंगमबाड़ी ने दर्शन की गहराई से अवगत कराया और लोलार्क कुंड ने यह बताया कि आस्था, विज्ञान और परंपरा जब एकत्र होती हैं, तब काशी जन्म लेती है। यह यात्रा मेरे जीवन की एक पूर्ण विराम नहीं, बल्कि नवीन अनुच्छेद की शुरुआत है। काशी से जुड़े रहने की, उसे समझने की और आत्मा से जुड़ने की।

अनुभूति

ऑरेंज आर्मी

पिछले हफ्ते जब भारी बारिश के कारण लगभग हर नदी अपने उफान पर थी। आसमान से बरसती मूसलधार बूंदें और धरती पर बहता पानी, हर तरफ एक अजीब-सा सन्नाटा और खौफ पैदा कर रहा था। इन हालातों में रात की ड्यूटी करना हमेशा से सबसे मुश्किल होता है। उन्हीं दिनों एक रात मेरी ड्यूटी बरेली सिटी-पीलीभीत पैसेंजर में थी। देवहा नदी का पुल रास्ते में पड़ता है। नदी उफान पर थी, लहरें मानो चेतावनी दे रही हों कि नदी से दूर रहने में भी भलाई है।

इंजन के शीशे पर जब बारिश की बूंदें 110 किमी की रफ्तार से टकराती हैं तो सामने का नजारा एकदम धुंधला हो जाता है। ऊपर से रात का अंधेरा हो तो रास्ता और भी डरावना लगता है। ऐसे में दिल बार-बार यही सोचता है, कहीं ट्रैक धंस न गया हो, कहीं पुल की मिट्टी बह न गई हो। हर क्षण एक अनदेखा डर साथ चलता रहता है। जब भी पुल पर या ट्रैक के किनारे नारंगी ड्रेस पहने ट्रैक मैन की एक परछाई नजर आती है, तो दिल को एक अलग सा सुकून मिल जाता है। वो धुंधली सी तस्वीर बताती है कि 'आगे सब सही है।' यही वो इंसान होते हैं, जो आधी रात, तूफान, ठंडी, गर्मी या बारिश हर मौसम में हमारी और यात्रियों की सुरक्षा के लिए डटे रहते हैं। वहीं नाइट पेट्रोलिंग करते गैंगमैन, ट्रैकमैन और कीमैन, जो खुद हमारे सफर में हमारे साथ नहीं बैठते, लेकिन हमें मंजिल तक सुरक्षित पहुंचाने के लिए हर पल साथ खड़े रहते हैं। ट्रेन जब भी उनके पास से गुजरती है, हम लंबा हॉर्न देते हैं ताकि वो सतर्क हो जाएं। बदले में वो हमें बिना जाने-पहचाने, बस इंसानियत और अपने फर्ज के नाते, एक हाथ उठाकर अभिवादन करते हैं।

ये रिश्ता बड़ा अजीब है, न नाम जानते हैं, न कभी ठीक से मिले हैं। सालों से यही रिश्ता चलता आ रहा है। शायद कभी मंजिल पर जाकर उनसे मुलाकात हो जाए, शायद कभी न हो, लेकिन सफर के रास्ते हमेशा हमारे और उनके सांझा रहते हैं। सच कहूं तो जब भी रात के अंधेरे में नारंगी ड्रेस वाली वो परछाई दिखती है, तो लगता है कि चलो आगे का रास्ता सही है। कभी-कभी सोचता हूं, हम लोको पायलट तो सबके सामने रहते हैं, लोग हमें पहचानते हैं। मगर ऑरेंज आर्मी वाले साए का कोई नाम नहीं, कोई पहचान नहीं। वो चुपचाप अपने हिस्से का फर्ज निभाकर अगली रात फिर उसी रास्ते पर खड़े मिल जाते हैं। जिंदगी में न जाने कितनी मंजिलें बदलती रहती हैं, कितने सफर पूरे होते रहते हैं, लेकिन उनके साथ जुड़ा ये मौन रिश्ता कभी नहीं बदलता। वो हमारे सफर के अनकहे, अनजाने साथी हैं, जिन्हें हम कभी धन्यवाद तक नहीं कह पाते। शायद यही उनकी सबसे बड़ी महानता है।

रवि
ब्लॉगर

सांझी: ब्रज की लोक चित्रांकन कला

सांझी को ब्रज की लोक देवी माना गया है। यह ब्रज संस्कृति की उपासना का प्रमुख अंग है। ब्रज के अनेक देवालयों में इसे आश्विन कृष्ण प्रतिपदा से आश्विन कृष्ण अमावस्या तक अंकित किया जाता है। इसके मध्य में भगवान श्रीकृष्ण से संबंधित विभिन्न लीलाओं का भी अंकन किया जाता है। यह ब्रज की लोक चित्रांकन कला है। इसमें सूखे रंगों, फूलों व गोबर आदि के प्रयोग से अष्टकोणीय रूप में ज्यामितीय आकार की विभिन्न दृश्यावलियां फर्श, दीवार व कागज आदि पर बनाई जाती हैं। चूंकि सांझी का आशय संध्या से है, इसलिए इसके दर्शन सायं काल ही होते हैं। पितृ पक्ष में इनके बनाए जाने का प्रमुख कारण यह है कि एक तो इन दिनों यहां विभिन्न प्रकार के फूल सहजता से प्राप्त हो जाते हैं। अतएव यह कला ब्रज में पितृ पक्ष का विशेष उत्सव है। ब्रज के नगरीय क्षेत्रों में सूखे रंगों एवं ग्रामीण अंचलों में गोबर से इस कला का चित्रांकन बहुतायत से होता है। इसे तेल व जल के अंदर एवं तेल व जल के ऊपर भी एक विशेष तरीके से बनाया जाता है। फूलों से सांझी बनाए जाने का इतिहास 5000 हजार वर्षों से भी अधिक पुराना है।

डॉ. गोपाल चतुर्वेदी
वरिष्ठ साहित्यकार

सांझी बनाने की कला

सांझी बनाने हेतु सर्वप्रथम अष्टकमल आकर में पीली मिट्टी की वेदी बनाई जाती है। अष्टकमल अष्टसखियों का प्रतीक हैं। तत्पश्चात ज्यामिती आकार में डिजाइन डाली जाती है। इसमें सतिया-स्वस्तिवाचक के रूप में, सात बिंदी-सप्तऋषियों के प्रतीक के रूप में और केला रुद्र पूजा के रूप में अंकित किए जाते हैं। इसके बाद इन्स्टेंसिल लगाकर तरह-तरह के रंगों को डाली गई डिजाइनों के अंदर छाना जाता है। सबसे अंत में सांझी के मध्य 'होंद' बनाया जाता है, जिसमें रंगों के द्वारा भांति-भांति के दृश्य चित्रित कर उनके मध्य राधा-कृष्ण का युगल चित्र लगाया जाता है। चार पांच व्यक्ति दिनभर कठोर परिश्रम से कार्य करने के बाद सायं तक एक सांझी तैयार कर पाते हैं। तत्पश्चात उसका ठाकुर जी के विग्रह की भांति अत्यंत विधि-विधान से भोग लगाया जाता है और उसकी आरती होती है। इसके बाद उसके दर्शन सभी के लिए खुलते हैं, जो कि रात्रि को मंदिर के पट बंद होने के तक खुले रहते हैं। प्रातः काल मंदिर की मंगला आरती के समय इसके दर्शन पुनः कराए जाते हैं। इसके बाद वेदी व राधा-कृष्ण की युगल छवि को छोड़कर पूरी सांझी बिगाड़ दी जाती है। अगले दिन कठिन परिश्रम के बाद विभिन्न दृश्यावलियों से सुसज्जित दूसरी सांझी बनाई जाती है। पितृ विसर्जन अमावस्या को प्रत्येक दिन की सांझी में प्रयुक्त होने वाले फूलों, रंगों आदि सामग्री को यमुना में विसर्जित कर दिया जाता है। ब्रज के ग्रामों में गोबर से भी सांझी बनाई जाती है।

कष्ट और श्रम साध्य कला

तत्पश्चात उन्हें फूलों व कौड़ियों आदि से सजाया जाता है। इस समय अधिकांशतः सूखे रंगों के द्वारा ही सांझी बनाई जाती है। ब्रज की अधिकांशतः कुंवारी कन्याएं श्रेष्ठ वर प्राप्त करने के उद्देश्य से भी सांझी बनाती हैं और व्रत भी रखती हैं। सांझी बनाया जाना अत्यंत कष्ट साध्य व श्रम साध्य कला है। क्योंकि इसे भक्ति भावना के साथ बनाया जाता है, इसलिए इसको जमीन पर बनाने वाले कलाकार इसे लकड़ी की तख्तियों पर बैठकर एवं घंटों झुके रहकर जमीन पर बिना पैर रखे बनाते हैं। वृंदावन के भट्ट जी मंदिर, राधावल्लभ मंदिर व राधारमण मंदिर आदि में पितृ पक्ष के दौरान अत्यंत चित्ताकर्षक व नयनाभिराम सांझी बनाई जाती है। वृंदावन के प्राचीन ब्रह्म कुंड पर पितृ पक्ष के पूरे 15 दिन सांझी का मेला लगता है। इसमें प्रतिदिन सांझी बनाने वाले कलाकार अपनी कला का हुनर दिखाते हैं। बाद को इन्हें पुरस्कृत भी किया जाता है। इस समय राधारमण मंदिर के सेवायत सुमित गोस्वामी एवं प्रियावल्लभ मंदिर के सेवायत रसिक वल्लभ नागार्च आदि की गिनती सांझी बनाने वाले प्रमुख कलाकारों में की जाती है।

पौराणिक कथाओं के अनुसार

पौराणिक कथाओं के अनुसार राधा रानी मानिनी देवी थीं, इसलिए श्रीकृष्ण ने प्रायः अपनी सभी लीलाएं राधा रानी को मनाने के लिए की थीं। परंतु राधा रानी ने श्रीकृष्ण को रिझाने के लिए कुछ ही लीलाएं की थीं, सांझी उन्हीं में से एक है। सांझी राधा-कृष्ण के प्रेम का प्रतीक है। इसीलिए ब्रज में सांझी को राधा रानी का प्रतिरूप मानकर संध्या के समय उनकी उसी प्रकार पूजा-अर्चना की जाती है, जिस प्रकार ब्रज के मंदिरों में ठाकुर विग्रहों की पूजा-अर्चना होती है। सांझी कला राधा-कृष्ण के प्रेम की चरमतम अवस्था की परंपरा है, जो कि ब्रज में ही संजोयी गई है और विकसित हुई है। अष्टकोण में निहित होने एवं राधा रानी की कला होने के कारण इसे 'वैष्णव यंत्र' भी कहा गया है। सांझी कला ब्रज की लोक संस्कृति में निहित है। इसे प्रति वर्ष महोत्सव के रूप में मनाया जाता है। सांझी पर अनेक संतों, रसिकों व भक्तों आदि ने सैकड़ों पदों की रचना की है, जिनमें रसखान, सूरदास, हित हरिवंश महाप्रभु एवं भारतेंदु हरिश्चंद्र आदि प्रमुख हैं।

बतकही

सह-अस्तित्व : कुत्ते और इंसान

देशभर में कुत्तों पर चर्चा हो रही थी। कुछ लोग कुत्तों के विरोध में उतर आए थे और कुछ पक्ष में। मेरी कॉलोनी में भी पहले दो-तीन स्ट्रीट डॉग्स होते थे, जिनसे कोई परेशानी नहीं थी। अब 10-12 स्ट्रे डॉग्स हैं, जिनमें से एक दो खतरनाक हैं। शायद पहले किसी के पाले हुए कुत्ते रहे होंगे। ये बाइक और स्कूटी वालों के पीछे भागते हैं व कई लोगों ने बच्चों पर झपटने की शिकायत भी की है। सभी जगह यही हाल है। रात में तो ये बहुत खूंखार हो जाते हैं।

भूले-भटके कभी नगर पालिका या नगर निगम इन्हें स्टरलाइजेशन के लिए ले जाना चाहें तो मोहल्ले के लोग ही ले जाने नहीं देते। रिजल्ट यह कि इनकी संख्या में दिनों-दिन वृद्धि होती जा रही है। गलियों में झूठा खाना और मल-मूत्र पड़ा रहता है, जिसके साथ जीना नियति बन गई है। खैर गली का मामला है। बैर मोल नहीं लेना। आपसी समझदारी जरूरी है। जिंदगी चल रही है इसी के साथ। पालतू कुत्तों की बात करें तो 'लव मी लव माय डॉग' वाली पॉलिसी अधिकतर कुत्ता पालकों की होती है। इसी सिलसिले में एक पुरानी घटना याद आ रही है। स्मार्ट सिटी बनने जा रहे एक बड़े शहर की। एक परिचित दो-तीन बार घर आ चुके थे और बार-बार अपने घर आने का आग्रह करते थे। एक बार हम दोनों पति-पत्नी उनके घर चले गए तो महाशय के साथ तीन कुत्तों ने हमारा स्वागत किया। एक जर्मन शेफर्ड, एक लैबराडोर और तीसरे की नस्ल याद नहीं। कुछ याद रखने जैसा माहौल ही नहीं था। भाईसाहब बोले कि मेरे पीछे सीधे चलते हुए आना, उनकी तरफ मत देखना। मन तो था पर कहने की हिम्मत न हुई कि हम वापस जा रहे हैं। खैर, उनके आदेशों का त्वरित पालन किया। किसी तरह ड्राइंग रूम में पहुंचकर सोफे में बैठे।

बातचीत का सिलसिला कुत्तों से ही शुरू हुआ। भाईसाहब ने बताया कि यह हमेशा खुले ही रहते हैं। उनके नाम ले लेकर उनकी क्वालिटी बताने लगे। सफेद रंग का लैब्राडोर बिल्कुल सीधा-साधा। दूसरा छोटे साइज का काफी खतरनाक। तीसरा जर्मन शेफर्ड तो कई बार घर आए लोगों को काट भी चुका है। उन्होंने बहुत हंसते-हंसते बताया कि एक काफी वृद्ध महिला की हथेली में जर्मन शेफर्ड ने अपना दांत आर-पार कर दिया। सुनकर हम दोनों तो बहुत भयभीत हो गए पर उस वक्त उन्हीं की दया पर निर्भर थे। जैसे बैठे थे वैसे ही बैठे रहना था। उन्होंने बताया कि अगर हमने सोफे के कपड़े को ठीक करने की कोशिश की या टेबल से कोई भी चीज उठाने या देखने की कोशिश की तो यह तुरंत काट लेगा। शोक ग्रस्त होकर कहिये या किसी राष्ट्रीय त्योहार के तहत राष्ट्रगान गाने जैसे हम अटेंशन में बैठे हुए थे। हाथ-पैर चिपके थे और होंठ भी खुलने का साहस नहीं कर रहे थे। चाय नाश्ता भी आया, लेकिन डरते-डरते चाय का कप उठाया और खत्म होने पर बहुत ही सावधानी के साथ टेबल पर रखा। नाश्ते को तो छूने का सवाल ही नहीं होता।

कुत्तों से मुझे नफरत नहीं है, पर बेतहाशा प्यार भी नहीं। सदियों से यहां सह-अस्तित्व जीवन परंपरा का हिस्सा रहे हैं। मगर यह भी जरूरी है कि एक दूसरे को नुकसान पहुंचाए दोनों का अस्तित्व और जीवन की मर्यादा बनी रहे। सह-अस्तित्व की इस धारणा में कई बार कुत्तों के सामने इंसान का कद बौना हो जाता है। ऐसे लोगों को देखकर बहुत आश्चर्य होता है कि जो मेहमानों के आने पर भी कुत्तों को बांधना जरूरी नहीं समझते। वह मेहमानों को चुम्मा-चाटी करता रहे तो दांत खोलकर हंसते रहेंगे। जरूरी नहीं हर कोई यह पसंद करता हो।

इसी तरह सुबह-सवेरे कुत्तों को घुमाने वाले लोग भी जगह-जगह सड़क में गंदगी करवाते हैं। भारी भरकम कुत्ते को वह नहीं घूमाते,बल्कि कुत्ता उन्हें घुमाता है। पूरा दम लगाकर भी वे उसे कंट्रोल नहीं कर पाते। कई तो ऐसे भी हैं, जो उन्हें खुला छोड़ देते हैं। कोई डरे, किसी को काटे उनकी बला से। न बाहर के देशों की तरह यहां पर सजा का प्रावधान, न अगला इतना समझदार कि इलाज का पूरा प्रबंध कराए। बचकर निकलने में ही फायदा है। अगर बच सके तो...

अमृता पांडे
लेखिका

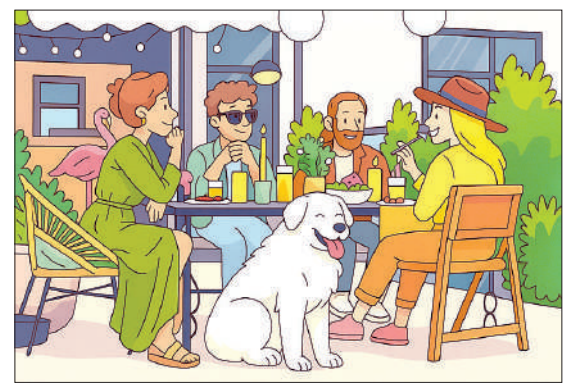

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	82,626.23	25,327.05
गिरावट	387.73	96.55
प्रतिशत में	0.47	0.38

सोना : 1,14,000 प्रति 10 ग्राम

चांदी : 1,32,000 प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, शनिवार, 20 सितंबर 2025

www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2615, राज श्री 1840, फ़ॉर्चून कि. 2220, रविन्द्रा 2550, फॉर्चुन 13केजी 1955, जय जवान 1975, सचिन 2050, सूरज 1975, अवसर 1885, उजाला 1920, गृहणी 13केजी 1895, क्लासिक (केजी) 2095, मोर 2165, चक्र टिन 2375, ब्लू 2125, आशीर्वाद मस्टर्ड 2475, स्वास्तिक 2570

किराना (प्रतिकु.) : हल्दी निजामाबाद 14000, जीरा 24000, लाल मिर्च 14000-17000, धनिया 9000-11000, अजवायान 13500-20000, मेथी 7000-8000 सौंफ 9000-13000, सौंठ 27000, (प्रतिकि0) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 880, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल (प्रतिकु) : डबल चाबी सेला 9600, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 4950, शर्बती स्टीम 5100, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7300, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1केजी,5केजी) 10100, हरी पति नेचुरल 9100, जेनिथ 8100, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350, खजाना 4300

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12800-13500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7550-8900, मलका छौंटी 7550, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 9500-11200, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 12800, उड़द धोवा 10000-11000, चना काला 7050, दाल चना 7600, दाल चना मोटी 7850, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 8200, चना अकोला 7200, डबरा 7200-9200, सच्चा हीरा 8900, मोटा हीरा 10900, अरहर गोला मोटा 7700, अरहर पटका मोटा 8100, अरहर कोरा मोटा 8800, अरहर पटका छोटा 9800-10300, अरहर कोरी छोटी 10300

चीनी : डालमियां 4380, पीलीभीत 4280, सितारगंज 4260, धामपुर 4360

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 5000, मसूरी- 3400 बासमती- 9200, परमल- 3100

दाल दलहन : काला चना- 7000, साबुत चना दाल- 7200, मूंग साबुत- 9200 राजमा- 12100-14000, दाल उड़द- 9300, साबुत मसूर दाल- 7000, मसूर दाल- 7200, उड़द साबुत- 8200, काबुली चना- 10300, अरहर दाल- 11000, लोबिया/करमानी- 9400

भारत की साख रेटिंग बढ़ाकर बीबीबी+ की

जापान की आरएंडआई ने भारतीय अर्थव्यवस्था के स्थिर परिदृश्य को रखा बरकरार

नई दिल्ली, एजेंसी

जापान की रेटिंग एंड इन्वेस्टमेंट इन्फॉरमेशन इंक. (आरएंडआई) ने भारत की दीर्घकालिक सरकारी साख रेटिंग को 'बीबीबी' से बढ़ाकर 'बीबीबी+' करने के साथ भारतीय अर्थव्यवस्था के 'स्थिर' परिदृश्य को बरकरार रखा है। इस साल किसी साख रेटिंग एजेंसी की तरफ से भारत की रेटिंग को तीसरी बार बढ़ाया गया है। इससे पहले एसएंडपी ने अगस्त 2025 में भारत की रेटिंग को बढ़ाकर 'बीबीबी' और मॉर्निंगस्टार डीबीआरएस ने मई 2025 में 'बीबीबी' किया था।

रेटिंग एजेंसी आरएंडआई की शुक्रवार को प्रकाशित भारत सरकारी साख समीक्षा के मुताबिक, यह रेटिंग दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक के रूप में भारत की स्थिति से समर्थित है। रिपोर्ट कहती है कि भारत की बढ़ी हुई रेटिंग इसके जनसांख्यिकीय लाभांश, मजबूत घरेलू मांग और ठोस सरकारी नीतियों पर आधारित है। आरएंडआई ने अपनी रिपोर्ट में सरकार की राजकोषीय स्थिति में हुई प्रगति का उल्लेख किया, जो उच्च वृद्धि के साथ ही कर राजस्व में वृद्धि, सब्सिडी को तर्कसंगत बनाने और ऋण के प्रबंधनीय स्तर से प्रेरित है। यह रिपोर्ट भारत की मजबूत बाह्य स्थिरता पर भी प्रकाश डालती है। इसमें कहा गया कि चालू खाते का मामूली घाटा, सेवाओं और धनप्रेषणों में टिकाऊ अधिशेष, जीडीपी के अनुपात में बाहरी कर्ज कम होने और पर्याप्त विदेशी मुद्रा से इसकी मजबूती का पता चलता है।

वित्त मंत्रालय ने आरएंडआई की तरफ से भारत की रेटिंग बढ़ाए जाने का स्वागत करते हुए कहा कि सरकार राजकोषीय सूझबूझ और व्यापक आर्थिक स्थिरता के साथ ही समावेशी, उच्च-गुणवत्ता वाली वृद्धि को बढ़ावा देने वाली नीतियों के जरिये इस गति को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि पांच महीनों के भीतर तीन क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों द्वारा भारत की रेटिंग में सुधार करने से देश के मजबूत और जुझारू व्यापक आर्थिक बुनियादी सिद्धांतों और विवेकपूर्ण राजकोषीय प्रबंधन के प्रति बढ़ती वैश्विक मान्यता का पता चलता है।

कृषि श्रमिकों के लिए खुदरा महंगाई बढ़कर 1.07 % पर

नई दिल्ली। कृषि और ग्रामीण श्रमिकों के लिए खुदरा मुद्रास्फीति अगस्त में बढ़कर क्रमशः 1.07 प्रतिशत और 1.26 प्रतिशत हो गई। इससे पिछले महीने जुलाई में यह क्रमशः 0.77 प्रतिशत और 1.01 प्रतिशत थी। श्रम मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, कृषि श्रमिकों के लिए अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक अगस्त 2025 में 1.03 अंक बढ़कर 136.34 हो गया, जबकि ग्रामीण श्रमिकों के लिए सूचकांक 0.94 अंक बढ़कर 136.60 पर पहुंच गया। कृषि श्रमिकों के लिए खाद्य सूचकांक में आलोच्य महीने में 1.39 अंक और ग्रामीण मजदूरों के लिए 1.29 अंक की वृद्धि हुई।

सोना 800 रुपये चढ़कर 1,14,000 प्रति 10 ग्राम पहुंचा, चांदी 500 रुपये मजबूत

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में शुक्रवार को सोने की कीमत 800 रुपये चढ़कर 1,14,000 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। वैश्विक स्तर पर बढ़ते तनाव और अमेरिका-चीन के बीच नए व्यापारिक तनाव के बीच मजबूत वैश्विक संकेतों के चलते सोने में तेजी आई। चांदी की कीमत भी 500 रुपये बढ़कर 1,32,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) पर रही। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना गुरुवार को 1,13,200 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। स्थानीय सर्राफा बाजार में, 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना भी 700 रुपये बढ़कर 1,13,500 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) हो गया। पिछले कारोबारी सत्र में यह 1,12,800 रुपये प्रति 10 ग्राम पर रहा था। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (कमोडिटीज) सौमिल गांधी ने कहा, सप्ताह के आखिरी कारोबारी सत्र में सोने में सकारात्मक रुख रहा और कीमती धातुओं में तेजी रही। इस तेजी के कई कारण हैं। इनमें इस साल एक्सचेंज-ट्रेडेड फंडों में मजबूत निवेश और केंद्रीय बैंकों द्वारा सक्रिय रूप से सोना खरीदना शामिल है। इसके साथ, इस साल के अंत से पहले फेड द्वारा ब्याज दरों में और भी कटौती की उम्मीदें, तथा मौजूदा भू-राजनीतिक तनावों एवं व्यापार संबंधी मुद्दों के कारण सुरक्षित निवेश की लगातार मांग बनी रह सकती है।

बाजार में तीन दिनों की तेजी थमी, सेंसेक्स 387 अंक टूटा

मुंबई, एजेंसी

● निफ्टी में 96 अंक की गिरावट बाजार में मुनाफावसूली देखी गई

प्रमुख कंपनियों एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक में मुनाफावसूली होने के कारण स्थानीय शेयर बाजार में तीन दिनों से चली आ रही तेजी शुक्रवार को थम गई। सेंसेक्स 387 अंक टूट गया जबकि निफ्टी में 96 अंक की गिरावट रही। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 387.73 अंक यानी 0.47 प्रतिशत की गिरावट के साथ 82,626.23 अंक पर बंद हुआ।

कारोबार के दौरान एक समय यह 528.04 अंक गिरकर 82,485.92 अंक पर आ गया था। एनएसई का 50 शेयरों वाला सूचकांक निफ्टी 96.55 अंक यानी 0.38 प्रतिशत गिरकर 25,327.05 अंक पर आ गया। सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से एचसीएल टेक, आईसीआईसीआई बैंक, टाइटन, ट्रेंट, कोटक महिंद्रा बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, महिंद्रा एंड महिंद्रा और एचडीएफसी बैंक में सबसे अधिक गिरावट रही। दूसरी तरफ, अदाणी पोर्ट्स, भारती एयरटेल, एसबीआई, एनटीपीसी और सन फार्मा के शेयर लाभ में रहे। कारोबार के दौरान अदाणी समूह की कंपनियों में खासी तेजी देखी गई।

परमार्थ संस्थाएं सोशल स्टॉक एक्सचेंज के दायरे में

नई दिल्ली। सेबी ने सोशल स्टॉक एक्सचेंज (एसएसई) का दायरा बढ़ाते हुए अधिक परमार्थ संस्थाओं को इस मंच के जरिये धन जुटाने की अनुमति दी। सोशल स्टॉक एक्सचेंज पूंजी बाजार का एक विशेष मंच है जिसे सेबी ने सामाजिक उद्यमों एवं गैर-लाभकारी संगठनों को पारदर्शी तरीके से धन जुटाने की सुविधा देने के लिए शुरू किया है। इस मंच के जरिये ट्रस्ट, सोसाइटी और सेक्शन-आठ में आने वाली कंपनियां दान-आधारित साधनों व सामाजिक उद्यम इक्विटी या ऋण साधनों से पूंजी जुटा सकती हैं।

काम के आधार पर नियुक्त अस्थायी कर्मचारियों की संख्या बढ़कर 92 लाख होने का अनुमान

नई दिल्ली, एजेंसी

● आईएसएफ ने पेश की रिपोर्ट

देश में कार्य के आधार पर अनुबंध पर नियुक्त किये जाने वाले 'फ्लेक्सी' कर्मचारियों की संख्या सालाना आधार पर संचयी रूप से 12.6 प्रतिशत बढ़कर 2026-27 तक 91.6 लाख होने का अनुमान है। फ्लेक्सी-स्टाफिंग उद्योग में कोई कंपनी सीधे तौर पर कर्मचारियों को नौकरी पर नहीं रखती, बल्कि कार्य आधार पर अनुबंध पर कर्मचारियों को नियुक्त करती है।

इंडियन स्टाफिंग फेडरेशन (आईएसएफ) की नई रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2026-27 तक इस श्रमबल की संख्या सालाना आधार पर संचयी रूप से 12.6 प्रतिशत बढ़कर 91.6 लाख तक पहुंच सकती है, जिससे रोजगार के नए और लचीले अवसर बनेंगे। 'इंडियन फ्लेक्सी स्टाफिंग इंडस्ट्री 2025' शीर्षक से रिपोर्ट में बताया कि देश में फ्लेक्सी-स्टाफिंग उद्योग के 17.3 प्रतिशत की दर से बढ़कर वित्तीय वर्ष 2026-27 तक 2,58,000 करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है। कंपनियां इस मॉडल को इसलिए अपना रही हैं क्योंकि इससे उन्हें जरूरत के हिसाब से कर्मचारी मिल जाते हैं, खासकर त्योहारी सीजन या खास परियोजनाओं के लिए।

यह कंपनियों को काम में लचीलापन देता है और कानूनी औपचारिकताओं का बोझ कम करता है। इंडियन स्टाफिंग फेडरेशन के अध्यक्ष लोहित भाटिया ने कहा, यह रिपोर्ट भारत के आर्थिक वृद्धि में 'फ्लेक्सी-स्टाफिंग' के विशाल योगदान को दर्शाती है।

वोडाफोन आइडिया की याचिका पर न्यायालय करेगा सुनवाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने वोडाफोन आइडिया लिमिटेड की याचिका पर सुनवाई के लिए सहमत हो गया। याचिका में 2016-17 तक के लिए अतिरिक्त समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) मांगों को रद्द करने का आग्रह किया है। कोर्ट 26 सितंबर को मामले की सुनवाई करेगा। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई, न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन और न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया की पीठ दूरसंचार विभाग (डॉट) द्वारा वित्त वर्ष 2016-17 से संबंधित 5,606 करोड़ की नई मांग के खिलाफ वोडाफोन आइडिया की नई याचिका पर सुनवाई कर रही थी।

जीएसटी दरों में कटौती से सरकार पर नहीं पड़ेगा कोई खास राजकोषीय बोझ

कोलकाता, एजेंसी

● रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने पेश की ताजा रिपोर्ट

रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने शुक्रवार को कहा कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों में हाल ही में किए गए बदलाव से सरकार पर कोई खास राजकोषीय बोझ नहीं पड़ेगा। रेटिंग एजेंसी की एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार, सरकार ने दर कटौती की वजह से अल्पावधि में सालाना करीब 48,000 करोड़ रुपये के शुद्ध नुकसान का अनुमान लगाया है, जबकि वित्त वर्ष 2024-25 में कुल जीएसटी संग्रह 10.6 लाख करोड़ रुपये रहा था।

रिपोर्ट कहती है कि कुल जीएसटी संग्रह के अनुपात में यह राजस्व नुकसान बहुत अधिक नहीं है। जीएसटी परिषद ने हाल ही में कर दरों को तर्कसंगत बनाते हुए पांच और 18 प्रतिशत के दो स्लैब में रखने का फैसला किया है। यह संशोधन 22 सितंबर से प्रभावी होने वाला है जिससे कई उत्पादों और सेवाओं की कीमतों में कमी आएगी। क्रिसिल ने कहा कि दरों को तर्कसंगत बनाने से अधिक वस्तुएं और सेवाएं औपचारिक कर दायरे में आ सकेंगी, जिससे मध्यम अवधि में कर वसूली में मजबूती मिलेगी। पहले 70-75% जीएसटी राजस्व 18 प्रतिशत स्लैब से आता था, जबकि 12 प्रतिशत स्लैब से केवल पांच-छह प्रतिशत और 28 प्रतिशत स्लैब से 13-15 प्रतिशत राजस्व मिलता था। रिपोर्ट के मुताबिक, 12% स्लैब में शामिल वस्तुओं पर कर घटाने से राजस्व को कोई खास नुकसान नहीं होगा।

राष्ट्रीय

1965 के युद्ध में शास्त्री ने निर्णायक नेतृत्व प्रदान किया

रक्षा मंत्री ने तत्कालीन प्रधानमंत्री की सराहना की, ऑपरेशन सिंदूर को इस दृढ़ संकल्प का एक शानदार उदाहरण बताया

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली में भारतीय सेना द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में 1965 के युद्ध के पूर्व सैनिकों और शहीद सैनिकों के परिवारों के साथ बातचीत करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 1965 के युद्ध में पाकिस्तान पर भारत की जीत के लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री और भारतीय सैनिकों की सराहना करते हुए शुक्रवार को कहा कि यह राष्ट्र की ताकत की परीक्षा थी। सिंह ने कहा कि शास्त्री जी के दृढ़ इच्छाशक्ति वाले नेतृत्व के कारण ही भारत 1965 में अनिश्चितता और चुनौतियों का सामना करने में सफल रहा, क्योंकि उन्होंने न केवल निर्णायक राजनीतिक नेतृत्व प्रदान किया, बल्कि पूरे राष्ट्र का मनोबल भी बढ़ाया।

रक्षा मंत्री एक कार्यक्रम में 1965 के युद्ध में भाग लेने वाले सैनिकों और शहीद नायकों के परिजनों के साथ बातचीत कर रहे थे। इस बात पर जोर देते हुए कि भारतीयों ने बार-बार यह साबित किया है कि देश अपना भाग्य स्वयं बनाता है, सिंह ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को इस दृढ़ संकल्प का एक शानदार उदाहरण बताया। उन्होंने कहा, ऑपरेशन सिंदूर ने हमारे दुश्मनों को दिखा दिया कि हम कितने मज़बूत हैं। जिस समन्वय और साहस के साथ हमारी सेनाओं ने इस ऑपरेशन को अंजाम दिया, वह इस बात का प्रमाण है कि जीत अब हमारे लिए कोई अपवाद नहीं है; यह हमारी आदत बन गई है। हमें इस आदत को हमेशा बनाए रखना चाहिए। हालाँकि, रक्षा मंत्री के संबोधन का मुख्य आकर्षण 1965 के युद्ध पर उनका अवलोकन था। सिंह ने कहा, कोई भी युद्ध केवल युद्ध के मैदान में नहीं लड़ा जाता; युद्ध में विजय पूरे राष्ट्र के सामूहिक संकल्प का परिणाम होती है। उन्होंने कहा, 1965 के उस दौर में, भारत अनिश्चितताओं और चुनौतियों का सामना करने में कामयाब रहा, जिसका श्रेय लाल बहादुर शास्त्री जी के दृढ़-इच्छाशक्ति वाले नेतृत्व को भी जाता है।

युद्ध के शहीद नायकों को श्रद्धांजलि अर्पित की

रक्षा मंत्री ने कहा, पाकिस्तान ने सोचा था कि वह घुसपैठ, गुरिल्ला रणनीति और अचानक हमलों के माध्यम से हमें डरा सकता है, लेकिन उसे यह नहीं पता था कि प्रत्येक भारतीय सैनिक इस भावना के साथ मातृभूमि की सेवा करता है कि राष्ट्र की संप्रभुता और अखंडता से किसी भी कीमत पर समझौता नहीं किया जाएगा। सिंह ने 1965 के युद्ध के दौरान लड़ी गई विभिन्न लड़ाइयों में भारतीय सैनिकों द्वारा प्रदर्शित अद्वितीय वीरता और देशभक्ति पर प्रकाश डाला, जिसमें असल उत्तर की लड़ाई, चाविंडा की लड़ाई और फिलोरा की लड़ाई शामिल थी। रक्षा मंत्री ने परमवीर चक्र विजेता अब्दुल हमीद की अदम्य भावना और वीरता का विशेष उल्लेख किया, जिन्होंने असल उत्तर की लड़ाई के दौरान मशीन गन टैंक की निरंतर गोलाबारी के बीच दुश्मन के कई टैंकों को नष्ट करते हुए अपने प्राणों की आहुति दे दी थी। हमारे बहादुर अब्दुल हमीद ने हमें सिखाया कि बहादुरी हथियार के आकार की नहीं, बल्कि दिल के आकार की होती है।

पित्रोदा के पाकिस्तान में 'घर जैसा महसूस होने' संबंधी बयान पर माफी मांगे कांग्रेस

नई दिल्ली, एजेंसी

● भाजपा नेता भंडारी ने कहा- बयान राष्ट्र विरोधी गांधी-वाड्रा परिवार का दिल आतंकी पाकिस्तान में बसता है

भाजपा ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सोनिया गांधी से पार्टी के विदेश विभाग के प्रमुख सैम पित्रोदा की पाकिस्तान में 'घर जैसा महसूस होने' संबंधी टिप्पणी के लिए माफी मांगने की मांग की और इस बयान को 'राष्ट्र-विरोधी' करार दिया। सैम पित्रोदा ने पड़ोसमहिमामंडन किया है। भाजपा मुख्यालय में संवाददाताओं से बात करते हुए भंडारी ने कहा, यह सैम पित्रोदा का व्यक्तिगत बयान नहीं है, यह राहुल गांधी, सोनिया गांधी और गांधी-वाड्रा परिवार की नीति और मंशा है।

पहले भी राहुल गांधी कह चुके हैं कि वह भारतीय राज्य के खिलाफ लड़ना चाहते हैं। गांधी-वाड्रा परिवार का दिल आतंकी पाकिस्तान में बसता है। उन्होंने कहा, गांधी-वाड्रा परिवार को पित्रोदा की इस टिप्पणी के लिए देश के वीर सैनिकों से माफी मांगनी चाहिए। कांग्रेस या पित्रोदा की ओर से भाजपा के आरोपों पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। भंडारी ने कहा कि पित्रोदा की टिप्पणी से यह स्पष्ट हो गया है कि कांग्रेस की नीति और मंशा में देशभक्ति के लिए कोई स्थान नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी पार्टी की नीति में केवल पाकिस्तान प्रेम है। भंडारी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, राहुल गांधी के करीबी और कांग्रेस के प्रवासी मामलों के प्रमुख सैम पित्रोदा कहते हैं- मैंने पाकिस्तान में 'घर जैसा महसूस' किया। इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि संप्रग ने 26/11 के बाद भी पाकिस्तान के खिलाफ कोई सख्त कदम नहीं उठाया। पाकिस्तान की पसंद, कांग्रेस की पसंद! पित्रोदा की टिप्पणी को लेकर भाजपा के एक अन्य प्रवक्ता शहज़ाद पूनावाला ने आरोप लगाया कि कांग्रेस का पाकिस्तान के प्रति प्रेम कभी खत्म नहीं होता।

पूनावाला ने कहा, उन्होंने हाफिज सईद से यासीन मलिक के ज़रिए बात की। उन्होंने 26/11, समझौता, पुलवामा और पहलगाम (आतंकी हमलों) पर पाकिस्तान को क्लीन चिट दी। उन्होंने अनुच्छेद 370 पर पाकिस्तान का पक्ष रखा वे सिंधु जल संधि के तहत पाकिस्तान को 80 प्रतिशत पानी देते हैं! उन्हें पाकिस्तान से प्यार है! पूनावाला ने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा, आईएनसी (इंडियन नेशनल कांग्रेस) मतलब इस्लामाबाद नेशनल कांग्रेस।

बानू मुश्ताक ही करेंगी मैसूर दशहरा समारोह का उद्घाटन, विरोध वाली याचिका खारिज

नई दिल्ली, एजेंसी

● कर्नाटक सरकार के फैसले को चुनौती देने वाली याची से पूछा राज्य कैसे कर सकता है भेदभाव

उच्चतम न्यायालय ने अंतर्राष्ट्रीय बुकर पुरस्कार विजेता बानू मुश्ताक को इस साल मैसुरु दशहरा उत्सव के उद्घाटन के लिए आमंत्रित करने के कर्नाटक सरकार के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका शुक्रवार को खारिज कर दी और सवाल किया कि राज्य कैसे भेदभाव कर सकता है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायामूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए वकील से पूछा, इस देश की प्रस्तावना क्या है?।

याचिकाकर्ता के वकील ने कर्नाटक उच्च न्यायालय के 15 सितंबर के उस आदेश को चुनौती दी थी जिसमें राज्य के फैसले के खिलाफ याचिकाओं को खारिज कर दिया गया था। यह उत्सव 22 सितंबर से शुरू होगा। याचिकाकर्ता एचएस गौरव के वकील ने कार्यक्रम के उद्घाटन पर कोई आपत्ति नहीं जताई और इसे एक धर्मनिरपेक्ष गतिविधि बताया, लेकिन उन्होंने पीठ का ध्यान मंदिर परिसर के रीति-रिवाजों की ओर आकर्षित किया। उन्होंने कहा, यह (रीति-रिवाज) पूरी तरह से धर्मनिरपेक्ष नहीं है। ये एक आध्यात्मिक या धार्मिक क्रियाएं रूप ले लेते हैं। पीठ ने हालांकि इसे राज्य स्तरीय कार्यक्रम बताया और उनसे सवाल किया, यह कोई निजी कार्यक्रम नहीं है। राज्य सरकार इसका आयोजन कर रही है। राज्य सरकार कैसे अंतर कर सकती है? उच्चतम न्यायालय ने उच्च न्यायालय के उस आदेश का हवाला दिया, जिसमें यह उल्लेख किया गया था कि उच्च न्यायालय में याचिका दाखिल करने वालों में से एक ने 2017 में आयोजित समारोह के उद्घाटन में आमंत्रित डॉ. निसार अहमद के साथ मंच साझा किया था। पीठ ने याचिकाकर्ता के वकील से पूछा, क्या यह सच है या नहीं? वकील ने कहा कि कार्यक्रम के दो पहलू हैं, एक उद्घाटन और दूसरा पूजा। पीठ ने पूछा, आपने याचिका क्यों दायर की? याचिका में क्या आधार लिया गया है? वकील ने कहा कि राज्य का फैसला अनुच्छेद 25 के तहत दिए गए उनके अधिकारों को प्रभावित करता है।

चुनाव का चौकीदार जागता रहा और चोरों को बचाता रहा : राहुल

नई दिल्ली, एजेंसी

● कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने निर्वाचन आयोग पर साधा निशाना

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कथित वोट चोरी को लेकर शुक्रवार को एक बार फिर निर्वाचन आयोग पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि चुनाव का चौकीदार जागता रहा, चोरी देखता रहा और चोरों को बचाता रहा।

उन्होंने मतदाता सूची से नाम कथित तौर पर नाम हटाए जाने से संबंधित अपने संवाददाता सम्मेलन का एक संक्षिप्त वीडियो 'एक्स' पर साझा किया जिसमें उन्होंने दावा किया है कि जिन लोगों के नाम का इस्तेमाल कर वोट हटाए गए उन्हें यह पता ही नहीं था और सुबह चार बजे भी नाम हटाने के लिए ऑनलाइन आवेदन किए गए। कांग्रेस नेता ने शुक्रवार को 'एक्स' पर पोस्ट किया, सुबह चार बजे उठो, 36 सेकंड में दो वोटर मिटाओ, फिर सो जाओ। ऐसे भी हुई वोट चोरी। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव का चौकीदार जागता रहा, चोरी देखता रहा और चोरों को बचाता रहा। गांधी ने गुरुवार को कर्नाटक के कलबुर्गी जिले के आलंद विधानसभा क्षेत्र के आंकड़ों का हवाला देते हुए दावा किया था कि उनकी पार्टी के समर्थक मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाने के प्रयास हुए और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार लोकतंत्र की हत्या करने वालों" तथा वोट चोरों की रक्षा कर रहे हैं।

राहुल युवाओं के नाम पर देश में फैलाना चाहते हैं अशांति : रविशंकर

पटना। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला करते हुये आरोप लगाया कि वह 'जेन जी' और युवाओं के नाम पर देश में अशांति फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। पटना में आयोजित संवाददाता सम्मेलन प्रसाद ने राहुल के हालिया सोशल मीडिया पोस्ट को 'दुर्भाग्यपूर्ण और खतरनाक' करार दिया। दरअसल, राहुल गांधी ने अपने पोस्ट में कहा था कि, देश के युवा, छात्र और जेन जेड संविधान और लोकतंत्र की रक्षा करेंगे और वोट चोरी को रोकेंगे। इस पर प्रतिक्रिया देते हुये पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रसाद ने कहा कि यह बयान संसद की गरिमा के खिलाफ है और इससे यह साफ होता है कि राहुल गांधी देश के लोकतांत्रिक ढांचे को कमजोर कर अराजकता फैलाना चाहते हैं।

पोस्ट हटाने, माफी मांगने का मतलब यह नहीं कि मामला रद्द हो सकता है

मुंबई, एजेंसी

● मुंबई हाईकोर्ट ने ऑपरेशन सिंदूर मामले में 19 वर्षीय छात्रा द्वारा की गई टिप्पणी मामले में की टिप्पणी

मुंबई उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के खिलाफ सोशल मीडिया पोस्ट के लिए 19 वर्षीय छात्रा के खिलाफ मामला केवल इस आधार पर रद्द नहीं किया जा सकता कि उसने पोस्ट हटा दिया है और इसके लिए माफी मांग ली है। मुख्य न्यायाधीश चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति गौतम अंखड की पीठ ने कहा कि सिर्फ इसलिए कि आरोपी एक मेधावी छात्रा है और उसने अपनी परीक्षाएं अच्छे अंकों से उत्तीर्ण की है, इसका मतलब यह नहीं है कि उसके खिलाफ दर्ज प्राथमिकी रद्द की जा सकती है।

अदालत पुणे की एक छात्रा द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही जिसमें ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत-पाकिस्तान शत्रुता पर सोशल मीडिया पर पोस्ट करने के लिए मई में उसके खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को रद्द करने का अनुरोध किया गया था। उसे गिरफ्तार किया गया था लेकिन बाद में उच्च न्यायालय से जमानत मिलने के बाद उसे रिहा कर दिया गया था। शुक्रवार को छात्रा के वकील ने अदालत को बताया कि जमानत मिलने के बाद, वह परीक्षा में शामिल हुई और उसे अच्छे अंक मिले। हालांकि, पीठ ने कहा कि इसलिए कि वह एक मेधावी छात्रा है, प्राथमिकी रद्द करने का आधार नहीं हो सकता।

वर्ल्ड ब्रीफ

ऑस्ट्रेलिया : नेटवर्क में व्यवधान से तीन की मौत

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया की दूसरी सबसे बड़ी दूरसंचार कंपनी ने गुरुवार को नेटवर्क व्यवधान के दौरान तीन ग्राहकों की मौत के बाद माफी मांगी है। सिंगापुर के समूह सिंगटेल की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी ऑप्टस ने शुक्रवार को पुष्टि की कि नेटवर्क अपडेट के कारण कल ऑस्ट्रेलिया के राष्ट्रीय आपातकालीन टेलीफोन नंबर, ट्रिपल जीरो पर कॉल बाधित हो गई। ऑप्टस के सीईओ स्टीफन रू ने कहा कि पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण ऑस्ट्रेलिया और उत्तरी क्षेत्र प्रांतों के 600 ग्राहक प्रभावित हुए हैं। स्टीफन ने कहा, नेटवर्क अपडेट प्रक्रिया के दौरान ट्रिपल जीरो के तीन कॉल ऐसे घरों से संबंधित थे जहाँ एक व्यक्ति की दुखद मृत्यु हो गई थी।

तालिबान ने ब्रिटिश दंपती को रिहा किया

दुबई। तालिबान ने अघोषित आरोपों में सात महीने से अधिक समय से अफगानिस्तान में हिरासत में रहे एक ब्रिटिश दंपती को शुक्रवार को रिहा कर दिया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पीटर (80) और बार्बी रेनॉल्ड्स (75) का मामला पश्चिमी देशों के लिए चिंता का विषय था। रेनॉल्ड्स दंपती 18 वर्षों तक अफगानिस्तान में रहे थे और देश के मध्य प्रांत बामियान में एक शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थान चलाते थे, लेकिन तालिबान के सत्ता पर कब्जा करने के बाद उन्होंने देश में ही रहने का फैसला किया। अरब प्रायद्वीप पर स्थित ऊर्जा संपन्न राष्ट्र कतर ने रेनॉल्ड्स को रिहा कराने में मदद की। एक राजनयिक ने बताया कि दंपती शुक्रवार को अफगानिस्तान से चले गए।

रूस में महसूस किए गए भूकंप के तेज झटके

मास्को। रूस के कामचटका प्रायद्वीप के पूर्वी तट पर शुक्रवार सुबह भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 7.4 मापी गई। रूसी विज्ञान अकादमी के भूभौतिकीय सर्वेक्षण की कामचटका शाखा के अनुसार भूकंप के झटके ग्रीन मिड टाइम के मुताबिक 18:58 बजे महसूस किए गए। इसका केंद्र क्षेत्रीय राजधानी पेट्रोपावलोव्स्क-कामचत्स्की से लगभग 149 किमी दूर 39 किमी की गहराई पर था। कामचटका के गवर्नर व्लादिमीर सोलोदोव ने एक टेलीग्राम पोस्ट में कहा कि प्रायद्वीप के पूर्वी तट के लिए सुनामी की चेतावनी जारी कर दी गई है और लोगों को सूचित किया जा रहा है।

सूडान : ड्रोन हमले में 43 नमाजियों की मौत

काहिरा। सूडान में उत्तरी दारफुर की राजधानी अल फशर शहर में एक अर्धसैनिक संगठन ने शुक्रवार तड़के एक मस्जिद में नमाज अदा कर रहे 43 लोगों की हत्या कर दी। सूडान डॉक्टर्स नेटवर्क ने शुक्रवार को 'एक्स' पर लिखा कि रैपिड सपोर्ट फोर्सेज के ड्रोन हमले में वृद्धों और बच्चों समेत मुस्लिम श्रद्धालु मारे गए। उसने इसे जघन्य अपराध करार देते हुए कहा कि यह मानवीय और धार्मिक मूल्यों तथा अंतरराष्ट्रीय कानून के प्रति (अर्धसैनिक) संगठन की घोर उपेक्षा' को दर्शाता है।

ब्रिटेन दुनिया भर में करेगा अपने जासूसी के नेटवर्क का विस्तार

लंदन, एजेंसी

- डार्क वेब पोर्टल के माध्यम से पूरी दुनिया में करेगा जासूसों की भर्ती

ब्रिटेन द्वारा शुक्रवार को शुरू किया गया डार्क वेब पोर्टल खुफिया एजेंसी एमआई6 के नए सुरक्षित मैसेजिंग प्लेटफॉर्म साइलेंट कूरियर का उपयोग करके देश के लिए दुनिया भर से जासूसों की भर्ती करेगा।

विदेश, राष्ट्रमंडल और विकास कार्यालय (एफसीडीओ) ने कहा कि इसका लक्ष्य पहली बार डार्क वेब की गुमनामी का उपयोग करके रूस के साथ अन्य भौगोलिक क्षेत्रों में एजेंटों की भर्ती करना है। पोर्टल तक पहुंचने के निर्देश एमआई6 के सत्यापित यूट्यूब चैनल पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध होंगे, क्योंकि ब्रिटेन सक्रिय रूप से दुनिया के विभिन्न हिस्सों में संभावित नए एजेंटों तक पहुंच रहा है।

विदेश मंत्री यवेट कूपर ने कहा, जैसे-जैसे दुनिया बदल रही है और हमारे सामने मौजूद खतरे बढ़ रहे हैं, हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि ब्रिटेन हमेशा अपने प्रतिद्वंद्वियों से एक कदम आगे रहे। उन्होंने कहा, हमारी विश्वस्तरीय ख़ुफ़िया एजेंसियां इस चुनौती का सामना करने के लिए तैयार हैं और ब्रिटिश लोगों की सुरक्षा के लिए पर्दे के पीछे से काम कर रही हैं। अब हम अत्याधुनिक तकनीक के साथ उनके प्रयासों को मज़बूत कर रहे हैं ताकि एमआई6 रूस और दुनिया भर में ब्रिटेन के लिए नए जासूसों की भर्ती कर सके।

सेलिब्रिटीज पर निशाना दहशत बढ़ाने के लिए

यूपी में गैंगस्टर

सनातन के अपमान के मुद्दे पर बरेली में रोहित गोदारा के गुर्गों का बॉलीवुड अभिनेत्री दिशा पाटनी के घर पर गोलीबारी करना असल में ठीक वैसी ही घटना है जैसा लॉरेंस विश्नोई गैंग का जोधपुर में काले हिरन के शिकार के मामले में फिल्म स्टार सलमान खान को धमकियां देने का मामला है। असल में इस तरह की धमकियों के पीछे व्यापारी, राजनेता और ठेकेदारों के उस समुदाय में दहशत फैलाना होता है जो रंगदारी की वसूली के लिए इन गैंगस्टर का असल निशाना होते हैं। इसी वजह से दिशा पाटनी के घर पर फायरिंग की घटना के बाद इस संभावना से इन्कार नहीं किया जा सकता है कि रंगदारी की वसूली के लिए उन कुख्यात गैंगस्टरों की निगाह अब बरेली जैसे शहरों पर भी है जो किसी और देश में बैठकर भारत के पूंजीपतियों को निशाना बना रहे हैं। हालांकि पाटनी के घर पर गोली चलाने वाले शूटरों का पुलिस मुठभेड़ में मारा जाना फिलहाल इस संभावना पर फिलहाल एक विराम माना जा सकता है।

भारत में सक्रिय गैंग

- लॉरेंस विश्नोई गिरोह में गोल्डी बराड़, रोहित गोदारा, जग्गू भगवानपुरिया जैसे कई बड़े और कुख्यात नाम शामिल हैं।
- दिल्ली-हरियाणा-पश्चिमी यूपी गैंग में काला जठेड़ी, सुनील टिल्लू, संदीप काला उर्फ काला राणा जैसे नाम रिकॉर्ड में हैं।
- पंजाब में सुखा दुनीके, गज्जी फौजी, भिंडर गुज्जर, हरियाणा राजस्थान में बलराज डगर, नरेश सेठी गैंग सक्रिय हैं।
- मुंबई-ठाणे में अभी भी दाऊद इब्राहिम नेटवर्क, छोटा शकील और कुछ लोकल सिंडिकेट हैं, हालांकि अब दबदबा कम है।
- बिहार और उत्तर प्रदेश में सक्रिय रहे मुख्तार अंसारी व अतीक अहमद का खात्मा हो चुका है, लेकिन छोटे गैंग सक्रिय हैं।

किस राज्य में कितने गैंग

- पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में ही 30-40 संगठित गैंग सक्रिय माने जाते हैं।
- दिल्ली और एनसीआर में 10 से 15 बड़े गैंग और दर्जनों छोटे गिरोह सक्रिय हैं।
- यूपी-बिहार में बड़े आपराधिक गिरोहों की संख्या पुलिस रिकॉर्ड में 20 से ज्यादा है।
- इसके साथ महाराष्ट्र, गुजरात और दक्षिण भारत के राज्यों में भी लोकल नेटवर्क हैं।

प्रमुख गतिविधियां

- कारोबारियों, उद्योगपतियों और ठेकेदारों जैसे पूंजीपतियों से रंगदारी यानी रकम की वसूली।
- ड्रग और हथियारों की तस्करी, कई गैंगस्टर नकली सामान और मानव तस्करी में भी लिप्त।
- बड़ी फिरौती के लिए अपहरण, मनी लॉन्डरिंग, फर्जी कंपनियों के जरिए नकदी प्रवाह छिपाना।

यूपी पर क्यों निगाहें

- बड़े गैंगस्टर यूपी के बड़े बाजार की वजह से यहां पैर जमाना चाहते हैं। जमीन और कारोबार के विवाद और ठेकों पर उनकी निगाह है।
- अतीक अहमद और मुख्तार अंसारी के मारे जाने और उनका नेटवर्क के कमजोर होने से यहां नए गैंग के लिए संभावना पैदा हो गई है।
- वर्ष 2023 में लखनऊ पुलिस ने खुलासा किया था कि लॉरेंस विश्नोई गैंग यूपी के कारोबारियों से फिरौती वसूलने की योजना बना रहा था।
- मेरठ-बागपत बेल्ट में सुनील राठी जैसे गैंग से संपर्क करके लॉरेंस ग्रुप पश्चिमी उत्तर प्रदेश में नेटवर्क बनाने की कोशिश कर चुका है।

पुलिस से मुकाबला

पिछले कुछ सालों में उत्तर प्रदेश की पुलिस ने कई गैंगस्टर के शूटरों को गिरफ्तार किया है या मुठभेड़ में ढेर कर दिया है। नोएडा में 2023 में सचिन भाटी गैंग के दो शूटर और 2024 में मेरठ में पंजाब से आए तीन शूटरों को एसटीएफ ने गिरफ्तार किया। गाजियाबाद में 2023 में गोल्डी बराड़ का कुख्यात शूटर अभिषेक और बागपत में सुनील राठी का शूटर मनोज मुठभेड़ में मारा गया।

गाजा में युद्धविराम के खिलाफ ट्रंप का वीटो मानवता की अंतरात्मा पर धब्बा

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सदस्यों ने की तीखी आलोचना, कहा- ये शर्मनाक

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

गाजा में मानवीय पहुंच और आपूर्ति पर सभी प्रतिबंधों को तुरंत हटाने के साथ तत्काल और बिना शर्त स्थाई युद्धविराम के साथ हमास और अन्य सशस्त्र समूहों द्वारा बंधक बनाए गए सभी लोगों की सम्मानजनक और तत्काल रिहाई के मसौदा प्रस्ताव पर अमेरिका के वीटो की संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सदस्यों ने तीखी आलोचना की है।

अमेरिका ने गुरुवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनजीसी) के उस मसौदा प्रस्ताव पर वीटो लगा दिया था जो इजराइल के खिलाफ लाया गया था। इस प्रस्ताव को सुरक्षा परिषद के 10 निर्वाचित सदस्यों की ओर से प्रस्तुत किया गया था और 15 सदस्यीय परिषद में से 14 मतों से समर्थन मिला। परिषद के स्थाई सदस्य अमेरिका ने वीटो शक्ति का इस्तेमाल कर इस प्रस्ताव को रोक दिया था। अमेरिकी वीटो की सुरक्षा परिषद में व्यापक आलोचना की गई है।

अल्जीरिया के संयुक्त राष्ट्र राजदूत अमर बेंडजामा ने कहा कि मसौदा प्रस्ताव के पक्ष में मतदान करने वाले 14 परिषद सदस्यों ने अंतर्राष्ट्रीय जनमत का आह्वान दोहराया है। उन्होंने कहा, यह परिषद फिर से विफल रही, मानवता की अंतरात्मा पर एक और धब्बा। खुली आंखों के सामने हो रहे नरसंहार के सामने यह शर्मनाक है। बेंडजामा ने कहा, इस समय कोई अस्पष्टता नहीं हो सकती। हममें से प्रत्येक को या तो नरसंहार रोकने के लिए कार्रवाई करनी होगी या फिर इसमें शामिल लोगों में गिना जाना होगा।

सोमालिया के संयुक्त राष्ट्र के राजदूत अबुकर दाहिर उस्मान ने मतदान परिणाम को गंभीर नैतिक विफलता बताया। उन्होंने कहा कि यह मसौदा संयुक्त राष्ट्र चार्टर की भाषा और भावना पर आधारित है, जिसका पालन करने की सभी सदस्य देशों ने शपथ ली है। मसौदा प्रस्ताव में न्यूनतम जरूरत की मांग की गई थी। फिर भी बार-बार, सुरक्षा परिषद को कार्रवाई करने से रोका गया है।

दक्षिणी इजराइल में शुक्रवार को गाजा सीमा पर लोगों ने युद्ध के विरोध में प्रदर्शन किया।

अमेरिकी रुख पर चीन-रूस ने भी जताई निराशा

संयुक्त राष्ट्र में चीन के स्थाई प्रतिनिधि फू कांग ने कहा कि चीन मतदान के परिणाम से बेहद निराश है। गाजा संघर्ष लगभग दो वर्षों से चल रहा है, जिससे एक अभूतपूर्व मानवीय आपदा पैदा हुई है। सुरक्षा परिषद ने बार-बार कार्रवाई करने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि फिर भी हर बार अमेरिका ने उसके प्रयासों को विफल किया है। इजराइल को गाजा में अपने सैन्य आक्रमण और तनाव बढ़ाने वाले किसी भी खतरनाक कदम को रोकना चाहिए। कांग ने कहा कि चीन को उम्मीद है कि अमेरिका अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के साथ मिलकर निष्पक्ष और ज़िम्मेदार रुख अपनाएगा और युद्धविराम की दिशा में प्रयास करेगा। संयुक्त राष्ट्र में रूसी राजदूत वसीली नेबेंज़िया ने कहा कि जब तक गाजा संकट के बारे में अमेरिका की धारणा बदलती रहेगी और जब तक वह संयुक्त राष्ट्र में बहुपक्षीय कूटनीति को एक महत्वपूर्ण उपकरण के बजाय एक बाधा के रूप में देखता रहेगा, तब तक पश्चिम एशिया के प्रश्न पर कोई सफलता नहीं मिलेगी। ब्रिटेन के संयुक्त राष्ट्र राजदूत बारबरा वुडवर्ड ने खेद व्यक्त किया कि सुरक्षा परिषद मसौदा प्रस्ताव पर आम सहमति तक नहीं पहुंच पाई।

हूतियों ने इजराइल के तीन शहरों पर कई हमलों किया का दावा

सना। यमन के हूती समूह ने कहा कि उसने गुरुवार रात इजराइल के तीन शहरों पर लंबी दूरी की हाइपरसोनिक बैलिस्टिक मिसाइल और तीन ड्रोन से हमला किया। हूती समूह के सैन्य प्रवक्ता याह्या सरिया ने कहा कि मिसाइल ने जाफा (तेल अवीव) में एक सैन्य ठिकाने को निशाना बनाया जबकि तीन ड्रोनों ने बीर शेवा शहर और बंदरगाह शहर ऐलात में ठिकानों को निशाना बनाया। इस बीच, इजराइली रक्षा बलों ने कहा कि एक ड्रोन ने ऐलात में एक होटल पर हमला किया जबकि यमन से आने वाली मिसाइल और अन्य ड्रोनों को रोक लिया गया।

बगराम एयरबेस पर फिर तैनात करेंगे अमेरिकी सैनिक: ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अफगानिस्तान के बगराम एयर बेस पर अमेरिकी सैनिकों की तैनाती की वह योजना बना रहे हैं। चार वर्ष पहले अमेरिकी सैनिकों के अचानक अफगानिस्तान से जाने के बाद बगराम एयर बेस पर तालिबान ने कब्जा कर लिया था। ट्रंप ने ब्रिटेन की यात्रा के समापन पर एक प्रेस वार्ता में यह बात कही। साथ ही इस कदम को सबसे बड़े प्रतिद्वंद्वी चीन का मुकाबला करने की जरूरत से जोड़ा। यूक्रेन पर आक्रमण के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में ट्रंप ने इस बेस का जिक्र किया और कहा, हम इसे वापस पाने की कोशिश कर रहे हैं।

कड़ी धूप और प्रदर्शन

ऑल ओडिशा कम्युनिटी रिसोर्स पर्सन्स एसोसिएशन ऑफ स्टेट मिशन, शक्ति विभाग के सैकड़ों महिला सदस्यों ने अपनी वेतन वृद्धि और नौकरियों के नियमितीकरण की मांग को लेकर शुक्रवार को ओडिशा में कड़ी धूप में प्रदर्शन किया। एजेंसी

सऊदी अरब के साथ हुए रक्षा समझौते में दूसरे अरब देशों के शामिल होने का रास्ता बंद नहीं

इस्लामाबाद, एजेंसी

- पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने किया साफ

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा है कि उनके मुल्क और सऊदी अरब के बीच आपसी रक्षा समझौते में अन्य अरब देशों के शामिल होने की संभावना से इन्कार नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि इस तरह के समझौते के लिए दरवाजे बंद नहीं हैं। पाकिस्तान और सऊदी अरब ने बुधवार को एक रणनीतिक पारस्परिक रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके अनुसार उनमें से किसी भी देश पर किसी भी हमले को दोनों के विरुद्ध आक्रमण माना जाएगा।

रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने और अरब देशों के इस समझौते का हिस्सा बनने की संभावना पर एक सवाल पर कहा, मैं इसका अभी जवाब नहीं दे सकता लेकिन इतना अवश्य कहूंगा कि दरवाज़े बंद नहीं हैं। मंगलवार को 'जियो न्यूज' को दिए एक साक्षात्कार में आसिफ ने कहा था कि वह हमेशा से नाटो जैसे समझौते की वकालत करते रहे हैं, क्योंकि पाकिस्तान के लिए खतरे की स्थिति अधिक रही है।

उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि यहां के देशों और लोगों, विशेष रूप से मुस्लिम आबादी का यह मौलिक अधिकार है कि वे मिलकर अपने क्षेत्र और राष्ट्रों की रक्षा करें। उन्होंने बताया कि इस समझौते में ऐसी कोई धारा नहीं है जो किसी अन्य राष्ट्र को शामिल होने से रोकती हो या पाकिस्तान को किसी और के साथ ऐसा ही समझौता करने से रोकती हो। उनसे पूछा गया कि क्या पाकिस्तान की परमाणु संपत्ति भी इस समझौते के तहत उपलब्ध होगी, इस पर आसिफ ने कहा, हमारे पास जो क्षमताएं हैं, वे निश्चित रूप से इस समझौते के अंतर्गत उपलब्ध होंगी।

रूस की परमाणु पनडुब्बियों ने किया मिसाइल का परीक्षण

व्लादीवोस्तोक। रूस के प्रशांत फ्लीट की दो परमाणु पनडुब्बियों ने ओखोटस्क सागर में नौसैनिक अभ्यास के दौरान सफलतापूर्वक क्रूज मिसाइल दागी। प्रशांत फ्लीट ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी।

फ्लीट ने कहा कि बहुउद्देशीय सबमरीन क्रास्नोयार्स्क और ओम्स्क ने अपने 250 किमी दूर समुद्री लक्ष्य पर ओनिक्स तथा ग्रनिट नाम की क्रूज मिसाइलें दागीं। तकनीकी निगरानी आधारित डाटा के मुताबिक मिसाइलों ने अपने लक्ष्य को प्राप्त किया। परीक्षण के दौरान लक्ष्य क्षेत्र

- ओखोटस्क सागर में नौसैनिक अभ्यास कर रही है रूसी फ्लीट

को सुरक्षित रखने के लिए प्रशांत सागर बेड़े के जहाजों और नौसेना विमानन इकाइयां तैनात की गई थीं। यह मिसाइल फायरिंग, 12 सितंबर से रूस के उत्तर-पूर्व में संयुक्त सेना कमान के कमांड-एंड-स्टाफ अभ्यास का हिस्सा थी। इसका उद्देश्य उत्तरी प्रशांत महासागर में समुद्री मार्गों की सुरक्षा के साथ कामचटका और चुकोटका क्षेत्रों तथा निकटवर्ती द्वीप क्षेत्रों की तटों की सुरक्षा था।

यूक्रेन की अपने रक्षा उद्योग में पश्चिमी देशों के निवेश की योजना

कीव। यूक्रेन के नाटो में शामिल होने की क्षीण संभावनाओं के बीच उसके पश्चिमी सहयोगियों ने उसके हथियार उद्योग में बड़े निवेश की रणनीति बनाई है ताकि वह रूस का बेहतर मुकाबला कर सके। यदि यह रणनीति सफल रहती है, तो यूक्रेन की विकसित सैन्य तकनीक अमेरिकी और यूरोपीय सेनाओं को भी उपलब्ध कराई जा सकेगी। हाल ही में यूक्रेन ने एक 'क्वाडकॉप्टर' ड्रोन विकसित किया है, जो रूस के जैमिंग उपकरणों से बचकर 20 किमी तक उड़ सकता है और छह किलो विस्फोटक गिरा सकता है। यूक्रेन के लिए ट्रंप प्रशासन के विशेष दूत कीथ केलॉग ने पिछले सप्ताह कहा था कि ड्रोन तकनीक में यूक्रेन दुनिया में अग्रणी है।

जेन जी आंदोलनकारियों पर गोलीबारी का आदेश नहीं दिया था: ओली

नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री ने घुसपैठियों को ठहराया जिम्मेदार, जांच की मांग की

काठमांडू, एजेंसी

नेपाल के अपदस्थ प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने इस बात से इन्कार किया है कि उनकी सरकार ने आठ सितंबर को 'जेन जी' आंदोलन के पहले दिन गोलीबारी का आदेश दिया था, जिसमें 19 लोग मारे गए थे। नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी-लेनिनवादी) के अध्यक्ष ने इस त्रासदी के लिए घुसपैठियों को दोषी ठहराया।

ओली ने देश के संविधान दिवस पर जारी एक संदेश में दावा किया, सरकार ने प्रदर्शनकारियों पर गोली चलाने का आदेश नहीं दिया था। उन्होंने कहा, प्रदर्शनकारियों

- कहा- स्वचालित बंदूकों से चलाई गई थीं गोलियां जो नहीं हैं पुलिस के पास

पर स्वचालित बंदूकों से गोलियां चलाई गईं, जो पुलिसकर्मियों के पास नहीं थीं और इसकी जांच होनी चाहिए। ओली ने शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन में घुसपैठ का दावा करते हुए कहा, घुसपैठ करने वाले षड्यंत्रकारियों ने आंदोलन को हिंसक बना दिया और इस तरह हमारे युवा मारे गए। उन्होंने जानमाल के नुकसान पर दुख व्यक्त करते हुए घटना की जांच की मांग की।

ओली ने फेसबुक पर एक पोस्ट में कहा, मेरे पद से इस्तीफा देने के बाद सिंह दरबार सचिवालय और उच्चतम न्यायालय को आग लगा दी गई, नेपाल का नक्शा जला दिया गया और कई महत्वपूर्ण सरकारी इमारतों को आग लगा दी गई। उन्होंने कहा, मैं इन घटनाओं के पीछे की साजिशों के बारे में विस्तार से नहीं बताना चाहता, समय खुद ही सब बता देगा। ओली ने संविधान लागू करते समय देश के सामने आई चुनौतियों को भी याद किया।

संविधान की रक्षा सभी नेपाली नागरिकों की जिम्मेदारी: कार्की

नेपाल की प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने शुक्रवार को कहा कि 10 साल पहले अपनाए गए संविधान की रक्षा करना सभी नेपाली नागरिकों की जिम्मेदारी है तथा लोकतंत्र बातचीत और समाधान खोजने की प्रणाली है। कार्की संविधान दिवस पर आयोजित मुख्य कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं। यह दिन नेपाल में राष्ट्रीय दिवस के रूप में मनाया जाता है। हालांकि, पिछले हफ्ते युवा आंदोलन में हुई हिंसा में 72 लोगों की मौत के शोक के कारण पिछले सालों की तुलना में इस साल के कार्यक्रम छोटे पैमाने पर आयोजित किए गए। नेपाल की संविधान सभा ने देश के राष्ट्रीय कैलेंडर के अनुसार, तीन आश्विन 2072 विक्रम संवत को, या 20 सितंबर 2015 को संविधान अंगीकार किया था।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 20 सितंबर, शनिवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-आश्विन, पक्ष-कृष्ण पक्ष, चतुर्दशी 21 सितंबर 00.16 तक तत्पश्चात अमावस्या।

आज का पंचांग

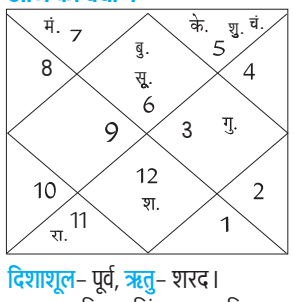

दिशाशूल- पूर्व, **ऋतु**- शरद।
चन्द्रबल- मिथुन, सिंह, तुला, वृश्चिक, कुंभ, मीन।
ताराबल-अश्विनी, भरणी, कृतिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- मघा 08.05 तक तत्पश्चात पूर्वाफाल्गुनी।

मेष — आज आत्मविश्वास में कमी हो सकती है। छोटे बच्चों के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। मेहनत का पूरा फल नहीं मिलेगा। नई तकनीक का प्रयोग सीख सकते हैं। आपको मौके पर लोगों की मदद नहीं मिल पाएगी। जल्दबाजी में लिए गए निर्णयों के कारण हानि हो सकती है।

वृष — आज वरिष्ठ व्यक्तियों की अवहेलना न करें। तनाव के कारणों को पहचानें और उनसे बचें। राजनीति से जुड़े लोगों को उच्च पद मिल सकता है। सरकारी मामलों को लेकर परेशानी होगी। अपनी प्रतिभा का उचित लाभ नहीं उठा पाएंगे।

मिथुन — आज दोपहर के बाद कुछ महत्वपूर्ण अवसर मिल सकते हैं। जॉब में उच्च पद मिल सकता है। कानूनी मामलों में विजय मिल सकती है। करियर को लेकर शुभ समाचार मिलने की संभावना है। अधूरे कार्यों को पूर्ण कर लेंगे।

कर्क — आज सहकर्मी आपके प्रति ईर्ष्या का भाव रख सकते हैं। क्रोध में आकर कड़वे वचन बोलने से बचें। कोई मूल्यवान वस्तु गुम हो सकती है। समय अनुसार आपके सभी काम बनते जाएंगे। बच्चों के साथ आपका समय अच्छे से बीतेगा।

सिंह — आज महत्वपूर्ण लोगों के साथ आपके संपर्क विकसित होंगे। सहकर्मी आपकी प्रशंसा करेंगे। अपने आचरण को संयमित रखें। आपके अधिकारों में वृद्धि होगी। बेरोजगार लोगों की नौकरी की समस्या समाप्त होगी।

कन्या — आज नए काम की शुरुआत में अति शीघ्रता उचित नहीं है। बड़ों के प्रति अपना व्यवहार अच्छा रखें। महिलाओं को इंफेक्शन संबंधी परेशानी हो सकती है। दूसरों की सहायता करने से आत्मसंतुष्टि की अनुभूति होगी। मन में बेचैनी का भाव आ सकता है।

तुला — आज व्यापार में बेहतरीन धन लाभ प्राप्त होगा। ससुराल पक्ष के साथ तनाव कम हो सकता है। आपकी सलाह से लोगों का हित होगा। भाई-बहनों की उपलब्धियों पर गौरव की अनुभूति होगी। मन का तनाव दूर होगा। व्यर्थ के कार्यों से स्वयं को दूर रखें।

वृश्चिक — आज प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों के लिए दिन काफी अच्छा है। आप लोगों की सहायता करने को तत्पर रहेंगे। आप रचनात्मक विचारों के कारण प्रशंसा के पात्र बनेंगे। खेल और कला के क्षेत्र से जुड़े करियर में उत्तम सफलता मिलेगी।

धनु — आज बड़ी व्यापारिक डील हो सकती है। विचारों को सकारात्मक बनाए रखें। प्रियजनों के साथ अच्छा समय बिताएंगे। धैर्य और संयम के कारण आपको सफलता मिलेगी। यदि कोई आपके विचारों से सहमत नहीं है तो उस पर विचार थोपने से बचें।

मकर — आज मन में थोड़ी अशांति हो सकती है। यदि महंगी वस्तुओं को खरीद रहे हैं तो पहले उनकी थोड़ी जांच-परख कर लें। अपने व्यवहार में अभिमान न आने दें। विदेश में शिक्षा ले रहे छात्रों को अध्ययन में थोड़ी असुविधा महसूस होगी।

कुंभ — आज सत्कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी। दूसरों के मामलों में आप हस्तक्षेप न करें। नई तकनीक के अध्ययन के प्रति आपका रूझान बढ़ेगा। ऑफिस का माहौल बहुत ही अच्छा रहेगा। विरोधियों के ऊपर वर्चस्व स्थापित कर पाएंगे।

मीन — आज दिन की शुरुआत बहुत ही अच्छा रहेगी। क्रोध के स्थान पर शांतिपूर्वक समस्याओं का समाधान करें। बदलते मौसम के कारण आपके शरीर में थकावट हो सकती है। राजनैतिक गतिविधियों में आपका मन लगेगा।

सुडोकू-105

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

				6		4		
4	7	8	1			9		
			2		4			
6							2	
3		7				5		8
	2		8		7		1	
			9					
		9			6		7	
		5		4				

सुडोकू - 104 का हल

1	3	9	7	6	5	4	8	2
2	7	8	4	1	3	5	9	6
4	6	5	2	9	8	1	7	3
7	9	2	6	5	4	8	3	1
8	5	1	9	3	7	2	6	4
3	4	6	8	2	1	9	5	7
5	8	3	1	7	2	6	4	9
6	1	4	3	8	9	7	2	5
9	2	7	5	4	6	3	1	8

यहां काफी सहज लग रहा था । हमारा लक्ष्य खेल पर फोकस रखने का था। हम जिस तरह से खेल रहे हैं, बहुत अच्छा लग रहा है। लगातार मैचों में खुलकर खेल पा रहे हैं। हमारी टीम मजबूत है। हमने शुरू ही से चीजों को सरल रखकर बढत बनाने की रणनीति अपनाई। **-सात्विक साईराज**

स्टेडियम

बरेली, शनिवार, 20 सितंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

त्वेसा पहले दौर के बाद 17वें स्थान पर

एलिकांटे (स्पेन) : लेडीज यूरोपियन टूर में खेलना जारी रखने के लिए अपना कार्ड बरकरार रखने को प्रयासरत भारतीय गोल्फर त्वेसा मलिक ने ला सेला ओपन में एक अंडर 71 के स्कोर के साथ अच्छी शुरुआत की और वह पहले दौर के बाद संयुक्त 17वें स्थान पर हैं। त्वेसा ला सेला गोल्फ रिसोर्ट में आयोजित की जा रही इस 10 लाख यूरो इनामी प्रतियोगिता में खेल रही सात भारतीय महिला खिलाड़ियों में पहले दौर के बाद सबसे आगे हैं।

झिंगन मैच के लिए उपलब्ध : जमील

बेंगलुरु : भारतीय फुटबॉल टीम के कोच खालिद जमील ने शुक्रवार को कहा कि सिंगापुर के खिलाफ अगले महीने एएफसी एशियाई क्वालीफायर में अनुभवी डिफेंडर संदेश झिंगन खेलेंगे। झिंगन को ताजिकिस्तान में हाल ही में हुए काफा नेशंस कप के दौरान लगी चोट के बाद गले की हड्डी की सर्जरी करानी पड़ी थी और अब फिट होने की राह पर है। भारत का सामना सिंगापुर से नौ अक्टूबर को कालांग में होगा। इसके बाद रिटर्न मैच गोवा के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम पर खेला जाएगा।

अनीश राज ने चीन में कांस्य पदक जीता

नई दिल्ली : भारतीय जूनियर स्पीड स्केटर अनीश राज ने चीन के बेइदैहे में हुई 73वीं इनलाइन स्पीड विश्व चैंपियनशिप में जूनियर पुरुषों के वन लैप रोड स्प्रिंट में कांस्य पदक जीता। अनीश ने 39.714 सेकंड का समय निकालकर तीसरा स्थान हासिल किया। चीन में 13 से 21 सितंबर तक चल रहे टूर्नामेंट में 42 देशों के प्रतियोगी भाग ले रहे हैं।

थंगराजा ने जीता चेन्नई ओपन खिताब

चेन्नई : श्रीलंकाई एन थंगराजा ने चेन्नई के कॉस्मो टीएनजीएफ गोल्फ कोर्स में खेले गए एक करोड़ रुपये के इनामी टूर्नामेंट, चेन्नई ओपन 2025 पावर्ड बाय सीपीसीएल के अंतिम दिन कड़े संघर्ष के बाद एक ओवर 73 का स्कोर बनाकर खिताबी जीत हासिल की। एन थंगराजा (69-66-63-73), जो कल रात एक शॉट से आगे उन्होंने पूरे हफ़्ते 17-अंडर 271 का स्कोर बनाया।

ब्रिटेन की एबिगेल पावलेट, संयुक्त राज्य अमेरिका की तलियाह ब्रूक्स, कोलंबिया की मार्था अराउजो और लिथुआनिया की बीट्राइस जुस्केविसीउते (बाएं से दाएं) टोक्यो में विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में हेप्टाथलॉन 100 मीटर बाधा दौड़ में भाग लेती हुईं।

पदक के करीब पहुंचकर चूकने से सचिन निराश

नई दिल्ली, एजेंसी

- विश्व चैंपियनशिप में चौथे स्थान पर रहे भाला फेंक खिलाड़ी सचिन यादव

भारत के भाला फेंक एथलीट सचिन यादव का कहना है कि अपनी पहली विश्व चैंपियनशिप में नीरज चोपड़ा और जूलियन वेबर जैसे खिलाड़ियों से बेहतर प्रदर्शन करना सुखद अहसास है, लेकिन इससे अच्छी शुरुआत के बाद कांस्य पदक हाथ से जाने देने की निराशा की भरपाई नहीं हो सकती।

सचिन का यह दूसरा ही अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट था, लेकिन उन्होंने बृहस्पतिवार को टोक्यो दमदार प्रदर्शन करते हुए दो बार के ओलंपिक पदक विजेता चोपड़ा (84.03 मीटर), मौजूदा ओलंपिक चैंपियन अरशद नदीम (82.75 मीटर) और डायमंड लीग ट्रॉफी विजेता वेबर (86.11 मीटर) जैसे प्रतिष्ठित प्रतिभागियों को पछाड़ कर चौथा स्थान हासिल किया। इस भारतीय ने पहला थ्रो 86.27 मीटर फेंका जो उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। उनका पहला अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट मई में एशियाई चैंपियनशिप था जिसमें उन्होंने 85.16 मीटर के थ्रो से रजत पदक जीता था। इस तरह बृहस्पतिवार को उन्होंने पिछले प्रदर्शन को बेहतर किया। अमेरिका के कुर्टिस थॉम्पसन ने 86.67 मीटर से कांस्य पदक जीता जो सचिन के थ्रो से 40 सेमी बेहतर था। यादव ने कहा शुरुआती थ्रो बहुत अच्छा रहा। मौसम अच्छा था, जैसे ही मैंने भाला गिरते हुए देखा तो मुझे लगा कि मैं पदक जीत सकता हूं। मुझे भरोसा था कि कम से कम एक बार 87 मीटर का थ्रो जरूर डाल लूंगा।

उम्मीद नहीं थी कि सत्र का अंत ऐसा होगा : नीरज चोपड़ा

नई दिल्ली : भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने कहा विश्व चैंपियनशिप में आठवें स्थान पर रहना उनके लिए सत्र के अंत की उम्मीद के अनुरूप नहीं था, पर वह ब्रेक के बाद दमदार वापसी करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। पिछली बार के चैंपियन चोपड़ा टोक्यो में 84.03 मीटर ही भाला फेंक सके और पांचवें दौर के बाद बाहर हो गए। इस दौरान वह पीठ दर्द से परेशान रहे। उन्होंने खुलासा किया कि पीठ की समस्या इस महीने की शुरुआत से ही परेशान कर रही थी, पर वह इसे अपने खराब प्रदर्शन का कारण नहीं बताना चाहते थे। उन्होंने विश्व चैंपियनशिप में पदार्पण कर रहे सचिन यादव की सराहना की, जिन्होंने 86.27 मीटर की शानदार थ्रो के साथ उनसे बेहतर प्रदर्शन किया और चौथे स्थान पर रहे। चोपड़ा ने एक्स पर लिखा मैंने टोक्यो में विश्व चैंपियनशिप के साथ सत्र का इस तरह से अंत करने की उम्मीद नहीं की थी। मैं सभी चुनौतियों के बावजूद सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहता था।

भारत ने ओमान को दिया 189 रनों का लक्ष्य, संजू ने खेली दमदार पारी

एशिया कप : कप्तान सूर्यकुमार यादव ने सबको दिया बल्लेबाजी का मौका

अबु धाबी, एजेंसी

संजू सैमसन (56), अभिषेक शर्मा (38) की शानदार पारियों के दम पर भारत ने शुक्रवार को एशिया कप के 12वें मुकाबले में ओमान को जीत के लिए 189 रनों का लक्ष्य दिया। आज यहां भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया।

बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने दूसरे ही ओवर में शुभमन गिल (पांच) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये संजू सैमसन ने अभिषेक शर्मा के साथ पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट लिए 66 रनों की साझेदारी की। आठवें ओवर में जितेन रामानंदी ने अभिषेक शर्मा को आउट कर इस साझेदारी का अंत किया। अभिषेक शर्मा ने 15 गेंदों में पांच चौके और दो छक्के लगाते हुए 38 रन बनाये। इसके बाद हार्दिक पांड्या (एक) रनआउट हुये। 12वें ओवर में अक्षर पटेल 13 गेंदों में (26) को आमिर कलीम ने आउट किया। शिवम दुबे (पांच) भी आमिर का शिकार बने। 18वें ओवर में शाह फैसल ने संजू सैमसन को आउट किया। संजू सैमसन ने 45 गेंदों में तीन चौके और तीन छक्के लगाते हुए 56 रनों की पारी खेली। तिलक वर्मा ने 18 गेदों में 29 रन बनाये। आठवें विकेट के रूप में अर्शदीप सिंह (एक) रनआउट हुये। भारत ने निर्धारित 20 ओवरों में विकेट आठ विकेट पर 188 रन का स्कोर खड़ा किया। हर्षित राणा आठ गेंदों में 13 रन बनाकर नाबाद रहे।

ओमान के खिलाफ भारतीय बल्लेबाज संजू सैमसन शॉट लगाते हुए। एजेंसी

भारत

188/8 (20 ओवर)

अभिषेक का शुक्ला बो रामानंदी	38
शुभमन गिल बो शाह फैसल	05
सैमसन का बिष्ट बो शाह फैसल	56
हार्दिक पंड्या रन आउट	01
अक्षर का शुक्ला बो आमिर	26
शिवम दुबे का जतिंदर बो आमिर	05
तिलक का जिक्रिया बो रामानंदी	29
हर्षित राणा नाबाद	13
अर्शदीप सिंह रन आउट	01
कुलदीप यादव नाबाद	01

गेंदबाजी : शकील अहमद 3-0-33-0, शाह फैसल 4-1-23-2, मोहम्मद नदीम 1-0-19-0, जितेन रामानंदी 4-0-33-2, समय श्रीवास्तव 2-0-23-0, जिक्रिया इस्लाम 3-0-23-0, आमिर कलीम 3-0-31-2

भारत ए और आस्ट्रेलिया ए का अनौपचारिक टेस्ट ड्रॉ

लखनऊ, एजेंसी : देवदत्त पड्डिकल ने सातवां प्रथम श्रेणी शतक लगाया जिसकी बदौलत भारत ए ने आस्ट्रेलिया ए के पहली पारी के विशाल स्कोर का मजबूत जवाब देकर शुक्रवार को यहां पहला अनौपचारिक टेस्ट ड्रॉ कराया। सुबह 86 रन से आगे खेलते हुए पड्डिकल ने 281 गेंद में 150 रन बनाए। भारत ए ने अपनी पारी सात विकेट पर 531 रन पर घोषित की। आस्ट्रेलिया ए ने पहली पारी में छह विकेट पर 532 रन बनाये थे। आस्ट्रेलिया ए ने दूसरी पारी में 16 ओवर में बिना किसी नुकसान के 56 रन बना लिये थे जब मैच ड्रॉ पर छूटा। पहली पारी में शतक जमाने वाले सैम कोंस्टास 27 और कैंपबेल केलावे 24 रन पर खेल रहे थे। वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी टेस्ट श्रृंखलाओं के लिये भारतीय टीम में जगह बनाने की कोशिश में जुटे पड्डिकल ने अपनी पारी में 14 चौके और एक छक्का लगाया।

ध्रुव जुरेल 197 गेंद में 13 चौकों और पांच छक्कों की मदद से 140 रन बनाकर आउट हुए। दोनों ने पांचवें विकेट के लिये 228 रन की साझेदारी की। आस्ट्रेलिया ए के लिये कोरी रोचिसियोली ने 159 रन देकर तीन विकेट लिए।

श्रीलंका की निगाह विजय अभियान जारी रखने पर

दुबई, एजेंसी

- बांग्लादेश करना चाहेगा पलटवार, मैच आज रात 8 बजे से

ग्रुप शरण में अपनी सभी मैच जीत कर उत्साह से भरी श्रीलंका की टीम बांग्लादेश के खिलाफ शनिवार को यहां होने वाले एशिया कप सुपर 4 के मैच में अपना विजय अभियान जारी रखने की कोशिश करेगी।

चरिथ असलांका के कुशल नेतृत्व में, श्रीलंकाई टीम ग्रुप बी में तीन मैचों में जीत के साथ शीर्ष पर रही। बांग्लादेश ने दूसरे स्थान पर रहकर अगले दौर में प्रवेश किया। श्रीलंका ने बांग्लादेश को छह विकेट से पराजित किया और फिर उसके बाद हांगकांग और अफगानिस्तान को क्रमशः चार और छह विकेट से हराया। श्रीलंका की बल्लेबाजी का हालांकि अचानक पतन हो जाता है जैसा कि हांगकांग के खिलाफ हुआ था जब पथुम निसांका के अर्धशतक के बाद वह एक समय हार के कगार पर पहुंच गया था। श्रीलंका के लिए कमजोर मध्यक्रम मुख्य चिंता का विषय है। निसांका ने श्रीलंका के लिए बल्ले से शानदार प्रदर्शन किया है।

जहां तक बांग्लादेश का सवाल है तो वह सुपर 4 में श्रीलंका के रहमोकरम पर पहुंचा है। अगर गुरुवार को श्रीलंका अफगानिस्तान से हार जाता, तो बांग्लादेश टूर्नामेंट से बाहर हो जाता। बांग्लादेश ने टूर्नामेंट की शुरुआत हांगकांग पर सात विकेट की आसान जीत के साथ की, लेकिन श्रीलंका से छह विकेट से हार गया। अफ़ग़ानिस्तान पर आठ रन की जीत के साथ उसने अपने अभियान को फिर से पटरी पर ला दिया।

टीम

श्रीलंका : चरिथ असलांका (कप्तान), पथुम निसांका, कुसल मेंडिस (विकेटकीपर), कुसल परेरा, नुवानीदु फर्नांडो, कामिंडु मेंडिस, कामिल मिशारा, दासुन शनाका, वानिंदु हसरंगा, चमिका करुणारत्ने, महीश थीक्षाना, दुशमंथा चमीरा, बिनुरा फर्नांडो, नुवान तुषारा, मथीशा पथिराना।

बांग्लादेश : लिटन दास (कप्तान, विकेटकीपर), तंजीद हसन, परवेज हुसैन इमोन, सैफ हसन, तौहीद हृदोय, जेकर अली, शमीम हुसैन, नुरुल हसन, महेदी हसन, रिशाद हुसैन, नसुम अहमद, मुस्तफिजुर रहमान, तंजीम हसन, तस्कीन अहमद, शोरफुल इस्लाम, मोहम्मद सैफुद्दीन।

सात्विक-चिराग की जोड़ी सेमीफाइनल में पहुंची

शेनझेन, एजेंसी

चाइना मास्टर्स बैडमिंटन

भारत के सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी चाइना मास्टर्स सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंच गई जबकि पीवी सिंधु विश्व की नंबर एक खिलाड़ी कोरिया की आन से यंग के खिलाफ महिला एकल क्वार्टर फाइनल में सीधे गेम में हार गई। हाल ही में पेरिस में विश्व चैंपियनशिप में दूसरा कांस्य जीतने वाले और हांगकांग ओपन में उपविजेता रही दुनिया की पूर्व नंबर एक जोड़ी सात्विक और चिराग ने चीन के रेन शियांग यू और शिये हाओनान को 21-14, 21-14 से हराया। इस समय विश्व रैंकिंग में नौवे स्थान पर काबिज सात्विक और चिराग का सामना चिर प्रतिद्वंद्वी दूसरी वरीयता प्राप्त मलेशिया के आरोन चिया और सोह वूइ यिक से हो सकता है। इससे पहले सिंधु को पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाली 23 वर्षीय कोरियाई खिलाड़ी के खिलाफ 38 मिनट में 14-21, 13-21 से हार का सामना करना पड़ा।

आईसीसी प्रोटोकॉल कैमरे की अनुमति देते हैं : पीसीबी

अबुधाबी, एजेंसी

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने शुक्रवार को अपने मीडिया मैनेजर द्वारा संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के खिलाफ एशिया कप मैच से पहले मैच रैफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट और टीम अधिकारियों के बीच हुई बैठक का वीडियो बनाने का बचाव करते हुए कहा कि यह आईसीसी प्रोटोकॉल के दायरे में था।

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी संजोग गुप्ता ने बृहस्पतिवार को पीसीबी को पत्र लिखकर खिलाड़ियों और मैच अधिकारियों के क्षेत्र (पीएमओए) संहिता के कई उल्लंघनों का हवाला दिया था। जिसमें कोच माइक हेसन, कप्तान सलमान अली आगा और मैनेजर नवीद अकरम चीमा की बातचीत की रिकॉर्डिंग भी शामिल थी। आईसीसी ने पीसीबी की उस प्रेस विज्ञप्ति पर भी सवाल उठाया था।

जिसमें कहा गया था कि पाइक्रॉफ्ट ने माफी मांगी है जबकि इसमें स्पष्ट किया गया था कि रैफरी ने केवल एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के स्थल प्रबंधक द्वारा की गई गलतफहमी पर खेद व्यक्त किया था। टूर्नामेंट के एक सूत्र ने बोर्ड की प्रतिक्रिया पर कहा टीम का मीडिया मैनेजर टीम का हिस्सा है और उसे पीएमओए तक जाने की अनुमति है। वहां उसकी मौजूदगी कोई उल्लंघन नहीं है। पीसीबी के अनुसार मौजूदा प्रोटोकॉल मीडिया प्रबंधकों को पीएमओए में कैमरों का इस्तेमाल करने की अनुमति देते हैं। सूत्र ने आगे कहा अगर मानक परिचालन प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया होता तो आईसीसी को मैच रैफरी से यह पूछना चाहिए कि क्या इस मामले की सूचना एसीयू (भ्रष्टाचार रोधी इकाई) को दी गई थी। जब पीटीआई ने टूर्नामेंट के एक सूत्र से संपर्क किया तो उन्होंने कहा कि आईसीसी मैच अधिकारी ने इस मामले को पाकिस्तानी टीम के एसीयू अधिकारी के सामने उठाया था और उन्होंने इसे स्वीकार भी किया था। इससे पहले वैश्विक संस्था ने पीसीबी को भेजे ईमेल में स्पष्ट कहा था। सूत्र ने कहा आईसीसी ने खेल, टूर्नामेंट और संबंधित हितधारकों के हित को बनाए रखने के लिए पीसीबी के अनुरोध को स्वीकार कर लिया, हालाकि यह पीएमओए के प्रति पूर्ण अनादर दर्शाता है। यह सब तब शुरू हुआ जब भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पाकिस्तान के समकक्ष सलमान अली आगा से हाथ नहीं मिलाया और मैच रैफरी पर खेल भावना से का उल्लंघन किया।

श्रीलंकाई टीम के खिलाड़ी। एजेंसी

हमारे तेज गेंदबाज भारत में 20 विकेट लेने में सक्षम हैं : सैमी

किंग्स्टन, एजेंसी

वेस्टइंडीज के मुख्य कोच डैरेन सैमी का मानना है कि उनके तेज गेंदबाजी आक्रमण में इतनी विविधता है कि वह भारतीय हालात में 20 विकेट ले सकता है। उन्होंने अपनी टीम से आगामी दो टेस्ट मैचों की सीरीज से पहले न्यूजीलैंड से प्रेरणा लेने को कहा जिसने पिछले साल भारत को उसकी धरती पर हराकर इतिहास रचा था।

भारत और वेस्टइंडीज के बीच पहला टेस्ट मैच दो अक्टूबर से अहमदाबाद में और दूसरा टेस्ट मैच 10 अक्टूबर से दिल्ली में खेला जाएगा। सैमी ने संवाददाताओं से कहा अब हम ऐसी स्थिति में हैं जहां हमारा तेज गेंदबाजी आक्रमण किसी भी परिस्थिति में विकेट लेने में सक्षम हैं। हमारे पास चार अलग-अलग तरह के तेज गेंदबाज हैं जिनकी अपनी खास विशेषता है। हमारे तेज गेंदबाजी आक्रमण में विविधता है। वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाजी आक्रमण में अल्जारी जोसेफ, शमर जोसेफ, एंडरसन फिलिप और जेडन सील्स के अलावा ऑलराउंडर जस्टिन ग्रीव्स शामिल हैं।

सैमी ने कहा हमारे पास शमर जोसेफ है, जो बेहद कुशल गेंदबाज है। हमारे पास जेडन है, जिसका अगला पैर मजबूत है और वह गेंद को दोनों तरफ स्विंग करा सकता है। हमारे पास अल्जारी जोसेफ है जो अपने कद के कारण उछाल हासिल कर सकता है। इस तरह से हमारे पास भारत में टेस्ट मैच में 20 विकेट लेने की क्षमता है।

सैमी ने कहा उनकी टीम न्यूजीलैंड का अनुसरण करना चाहती है, जिसने पिछले साल भारत को 3-0 से हराया था। उन्होंने कहा न्यूजीलैंड ने वहां जाकर अविश्वसनीय रूप से अच्छा प्रदर्शन किया और हमें उससे प्रेरणा लेनी चाहिए। पर यह उन चीजों को समझने की बात है जो न्यूजीलैंड ने उन परिस्थितियों में कीं। उम्मीद है कि हमारे खिलाड़ी उनका अनुसरण करेंगे।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज जीतने उतरेगी महिला टीम

चंडीगढ़, एजेंसी : दूसरे मैच में रिकॉर्ड जीत से उत्साहित भारतीय महिला टीम शनिवार को यहां तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के निर्णायक मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहली वनडे सीरीज जीतकर विश्व कप से पहले अपनी उम्मीदों को पंख लगाने की कोशिश करेगी।

भारतीय महिला टीम अभी तक द्विपक्षीय वनडे सीरीज में विश्व चैंपियन आस्ट्रेलिया को नहीं हरा पाई है और अगर वह यहां जीत हासिल करने में सफल रहती है तो इससे उसका 30 सितंबर से शुरू होने वाले विश्व कप से पहले आत्मविश्वास भी बढ़ेगा।

ऑस्ट्रेलिया को हराना हालांकि इतना आसान काम नहीं है और अगर भारत को इतिहास रचना है तो उसे खेल के हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

आदेश | उच्चतम न्यायालय ने चार सप्ताह में आम सभा कर मसौदे को अपनाने का आदेश दिया

एआईएफएफ के मसौदा संविधान को मिली मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के संविधान के मसौदे को कुछ संशोधनों के साथ शुक्रवार को मंजूरी दे दी और फुटबॉल संस्था को इसे चार सप्ताह के भीतर आम सभा में अपनाने का आदेश दिया।

यह मसौदा पूर्व न्यायाधीश एल नागेश्वर राव ने तैयार किया है। न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने अध्यक्ष कल्याण चौबे की अध्यक्षता वाली एआईएफएफ की वर्तमान कार्यकारी समिति के सदस्यों के चुनाव को मान्यता दी और कहा कि नए सिरे से चुनाव कराने का कोई मतलब नहीं है, क्योंकि वर्तमान पदाधिकारियों

का केवल एक वर्ष का कार्यकाल बचा है। न्यायालय ने 30 अप्रैल को न्यायमूर्ति राव द्वारा तैयार एआईएफएफ के संविधान के मसौदे को अंतिम रूप देने के मुद्दे पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

शीर्ष अदालत ने फैसला सुरक्षित रखने से पहले रंजीत कुमार, राहुल मेहरा और न्यायमित्र गोपाल शंकरनारायणन सहित कई वरिष्ठ वकीलों की कुछ आपत्तियों और सुझावों को सुना। न्यायालय ने कई दिनों तक विभिन्न राज्य फुटबॉल संघों और पूर्व खिलाड़ियों द्वारा संविधान के प्रारूप पर उठाई गई आपत्तियों पर सुनवाई की।

शीर्ष अदालत के निर्देश पर न्यायमूर्ति राव द्वारा तैयार संविधान के प्रारूप में कुछ आमूलचूल परिवर्तन का प्रस्ताव था। इनमें किसी व्यक्ति को अपने जीवनकाल में अधिकतम 12 वर्ष तक पद पर बने रहने का प्रावधान था, बशर्ते कि वह अधिकतम दो बार चार-चार वर्ष का कार्यकाल पूरा कर सके।

हालांकि इसमें कहा गया है कि खेल संस्था के पदाधिकारी के रूप में आठ वर्ष तक रहने के बाद चार वर्ष तक कोई पद नहीं संभालने के कूलिंग ऑफ पीरियड नियम का पालन करना होगा, लेकिन मसौदे में कहा गया है कि कोई व्यक्ति 70 वर्ष की आयु प्राप्त करने के बाद खेल संस्था का सदस्य नहीं रह सकता।

कार्यकारी समिति में 14 सदस्य होंगे

मसौदा संविधान के अनुसार एआईएफएफ की कार्यकारी समिति में 14 सदस्य होंगे, जिन पर आयु और कार्यकाल का नियम लागू होगा। इसमें एक अध्यक्ष, दो उपाध्यक्ष (एक पुरुष और एक महिला), एक कोषाध्यक्ष और 10 अन्य सदस्य होंगे। अन्य 10 सदस्यों में से पांच प्रतिष्ठित खिलाड़ी होंगे, जिनमें दो महिलाएं भी शामिल होंगी। मसौदा संविधान में अविश्वास प्रस्ताव के ज़रिए अध्यक्ष समेत पदाधिकारियों को हटाने का भी प्रावधान है, जो एआईएफएफ के मौजूदा संविधान में नहीं है।